राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 43
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 28 अगस्त 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 शराब घोटाला के विरोध में उप मुख्यमंत्री की बर्खास्तगी की मांग को लेकर विरोध पदयात्रा निकाली | पेज 5 लखनऊ में बीजेपी दफ्तर पहुंचकर बुजुर्ग ने खुद को लगाई आग, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती | पेज 7 'दुश्मन का दुश्मन दोस्त', चीन से दूरी के बीच भारत के लिए अमेरिकन नेवी अफसर माइक गिल्डे का बयान

नदी में गिरी 35 किसानों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, 22 डूबे

हरदोई से लौट रहे थे, 13 तैरकर बाहर आए; एसडीआरएफ और एनडीआरएफ कर रही रेस्क्यू

एजेंसी

सवायजपुर। हरदोई में बड़ा हादसा हो गया है। यहां 35 लोगों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली बेकाबू होकर पुल से 35 फीट नीचे गर्रा नदी में जा गिरी। हादसे में 22 लोग डूब गए हैं, जबकि 13 लोग तैर कर बाहर निकल आए हैं। किसान पाली निजामपुर पुलिया मंडी से खीरा बेचकर लौट रहे थे। सभी वेगराजपुर के रहने वाले हैं। घटना शनिवार दोपहर करीब 2 बजे की है। हादसा ट्रैक्टर के आगे का बायां पहिया निकलने से हुआ है।

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ टीम रेस्क्यू में जुटी

डूबे लोगों की गोताखोर तलाश कर रहे हैं। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ टीम भी रेस्क्यू करने जुट गई हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। चीनी मिल रूपापुर के कर्मचारी भी हाइड्रा मशीन के साथ मौके पर पहुंच गए हैं।

आसपास के गांव के लोग भी मदद करने के लिए मौके पर हैं। ट्रैक्टर मिल गया है। उसको क्रेन की मदद से बाहर निकाला जा रहा है। हालांकि ट्रॉली का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

13 लोग तैरकर बाहर आए

रामधुनी, राकेश, लालाराम, देवेंद्र, अजयपाल, रहीश, रईस, पिंटू, सुनील, गोस, पारस, राम सिंह और रघुनाथ तैरकर बाहर निकल आए।

सीएम ने दुख जताया

हादसे पर सीएम योगी ने दुख जताया है। कहा, ट्रैक्टर-ट्रॉली के नदी में गिरने की दुर्घटना अत्यंत दु:खद है। अधिकारियों से हर संभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री मौके पर पहुंची

घटना के बाद उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी मौके पर पहुंची। उन्होंने पीड़ित परिवार के लोगों से मुलाकात की। साथ ही उन्हें जल्द ही परिवार के लोगों को ढूंढने का वादा किया। रजनी तिवारी ने बताया, बहुत ज्यादा संख्या में लोग नदी में गिरे हैं। कुछ लोगों को बाहर निकाला गया है। बाकी की तलाश की जा रही है।

एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के घर रेड, सवा 5 करोड़ कैश मिला

पटना और किशनगंज में छापा; कैश गिनने के लिए मशीनें मंगवानी पड़ीं

पटना। बिहार में विजिलेंस ने रूरल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के ठिकानों से 5 करोड़ से ज्यादा कैश बरामद किया है। इंजीनियर संजय कुमार राय के पटना के 2 और किशनगंज के 3 ठिकानों पर छापेमारी की गई है। पटना के ठिकानों से सवा करोड़ कैश तो किशनगंज से 4 करोड़ रुपए मिले हैं। दोनों जगह कैश गिनने के लिए मशीन मंगवाई गई थीं।

इंजीनियर संजय कुमार राय का घर पटना के बसंत बिहार कॉलोनी में है, जबकि तैनाती किशनगंज जिले में है। विजिलेंस की दो टीमों ने शनिवार सुबह 7 बजे एक साथ पटना और किशनगंज में छापे मारे। किशनगंज में 13 मेंबर्स की टीम ने संजय कुमार राय के रूईधाशा, उसके पर्सनल असिस्टेंट ओम प्रकाश यादव के लाइनपाड़ा और कार्यालय के कैशियर खुर्रम सुल्तान के लाइनपाड़ा में बने घर पर छापेमारी की।

लाखों की ज्वेलरी, जमीन और इंवेस्टमेंट के मिले पेपर

बरामद कैश में करीब 3 करोड़ रुपए पर्सनल असिस्टेंट ओम प्रकाश यादव के घर से 4 करोड़ और कैशियर के घर से करीब एक करोड़ कैश मिले हैं। ओम प्रकाश यादव को संजय कुमार राय ने अपने खर्च पर रखा था। इसी के माध्यम से वसूली करता था।

पटना में संजय कुमार राय के घर से सवा करोड़ रुपए, लाखों रुपए की ज्वेलरी, बड़े स्तर पर जमीन और फाइनेंशियल इंवेस्टमेंट के कागजात मिले हैं। जिनका कैलकुलेशन अभी किया जा रहा है।

बैंक स्टेटमेंट भी चेक कर रही टीम

इंजीनियर के बैंक स्टेटमेंट को भी विजिलेंस टीम चेक कर रही है। पटना में छापेमारी कर रहे डीएसपी सुजीत कुमार सागर के अनुसार इंजीनियर की अवैध कमाई की शिकायत मिलने पर जांच की गई थी। इसमें भ्रष्टाचार के ठोस सबूत मिले थे। इसके बाद ही पटना स्थित निगरानी थाना में इनके खिलाफ से आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज किया गया था। फिर विजिलेंस टीम कोर्ट से इनके ठिकानों को सर्च करने के लिए परमिशन मांगा गया था। कोर्ट से आदेश मिलते ही कार्रवाई कर दी गई।

काशी में घाट डूबे, गलियों में दाह संस्कार: प्रयागराज में नदियां खतरे के निशान के पार

कानपुर/वाराणसी/प्रयागराज। कानपुर, प्रयागराज और वाराणसी में गंगा-यमुना उफान पर हैं। प्रयागराज में यमुना-गंगा दोनों खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। वाराणसी में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 24 सेमी ऊपर है। मर्णिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पानी में डूब गए हैं। दाह संस्कार अब गलियों में हो रहा है। इस कारण दाह संस्कार में काफी वक्त लग रहा है। कानपुर में भी यमुना का जलस्तर बढ़ा है। घाटमपुर तहसील से गुजर रहीं यमुना नदी का पानी कई गांवों में अंदर तक घुस गया। यमुना में उफान के चलते कानपुर बांदा स्टेट हाईवे पर वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया है।

वाराणसी में अभी और बढ़ेगा गंगा का लेवल

वाराणसी में अब गंगा डराने लगी है। गंगा में आई बाढ़ के कारण वरुणा नदी भी रौद्र रूप में हैं। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार की सुबह गंगा का जलस्तर 71.50 मीटर दर्ज किया गया। यह गंगा के डेंजर लेवल यानी 71.26 से 24 सेंटीमीटर ज्यादा है। आज गंगा का जलस्तर प्रति घंटे दो सेंटीमीटर की दर से बढ़ रहा है। यहां मर्णिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पानी में डूब गए हैं। दाह संस्कार अब गलियों में किया जा रहा है। वाराणसी में इससे पहले 9 सितंबर 1978 को सबसे ज्यादा बाढ़ आई थी। उस दिन गंगा का जलस्तर 73.901 मीटर दर्ज किया गया था। गंगा में आई बाढ़ और वरुणा के उफनाने के कारण शहर से लेकर गांवों तक अब तक तकरीबन 2 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। केंद्रीय जल आयोग का मानना है कि अभी जलस्तर के स्थिर होने की संभावना नहीं है। चंबल सहित अन्य नदियों में आई बाढ़ के कारण वाराणसी में अभी गंगा का जलस्तर और बढ़ेगा।

चुनावी डेटा पर एडीआर का खुलासा

नेशनल पार्टियों ने 17 साल में अज्ञात स्रोतों से जुटाए 15 हजार करोड़ रुपए; कमाई में कांग्रेस टॉप पर

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल पार्टियों ने साल 2004-05 और 2020-21 के बीच अज्ञात स्रोतों से 15 हजार करोड़ रुपए से अधिक जुटाए हैं। यह खुलासा (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स) की रिपोर्ट में हुआ है। इसमें कांग्रेस 178 करोड़ रुपए की इनकम के साथ टॉप पर, जबकि 100.50 करोड़ की इनकम के साथ भाजपा दूसरे नंबर पर है। एडीआर ने 8 नेशनल और 27 रीजनल पार्टियों के इनकम टैक्स रिटर्न और चुनाव आयोग को दाखिल दान से जुड़े डिटेल्स का एनालिसिस किया है। आठ नेशनल पार्टियों को अज्ञात स्रोतों से 426.742 करोड़ रुपए और 27 रीजनल पार्टियों को अज्ञात स्रोतों से 263.928 करोड़ रुपए की इनकम हुई है।

कैसे तय होती है अज्ञात सोर्स की इनकम

अज्ञात सोर्स पार्टी की इनकम का वह जरिया होता है, जिन्हें इनकम टैक्स रिटर्न में दिखाया तो जाता है, लेकिन 20 हजार रुपए से कम दान देने वाले का खुलासा नहीं होता है। इसमें कूपन सेल, पर्स मनी, रिलीफ फंड, अपनी इच्छा से दान, मोर्चा और मीटिंग्स में आने वाला चंदा शामिल होता है। इस तरह पार्टी को चंदा देने वालों (सोर्स) की जानकारी मौजूद नहीं होती है।

साल 2020-21 में चुनावी बॉन्ड से सबसे अधिक इनकम

अज्ञात स्रोतों से सबसे ज्यादा धनराशि हासिल करने वाले 5 टॉप रीजनल पार्टियों में YSR-कांग्रेस (96.2507 करोड़), डीएमके (80.02 करोड़), BJD (67 करोड़), मनसे 5.77 करोड़ रुपए और आप (5.4 करोड़) शामिल हैं।

2020-21 में नेशनल और रीजनल पार्टियों को अज्ञात स्रोतों से हासिल कुल 690.67 करोड़ रुपए में से 47.06 प्रतिशत राशि चुनावी बांड से मिली थी।

मोदी के दौरे से पहले कच्छ में तनाव, धर्मस्थलों व दुकानों में तोड़फोड़, फोर्स लगाई गई

इस दौरान एक समुदाय के युवक की हत्या कर दी गई

कच्छ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात दौरे से पहले कच्छ जिले के भुज में सांप्रदायिक तनाव की घटना सामने आई है। शुक्रवार शाम को भुज के माधापुर गांव में दो समुदायों के लोगों की बीच विवाद हो गया। इस दौरान एक समुदाय के युवक की हत्या कर दी गई। आज सुबह युवक का अंतिम संस्कार लौट रहे लोगों की भीड़ ने दूसरे समुदाय के एक धर्मस्थल व दुकानों को निशाना बनाया। हालांकि, भारी पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया है।

आज आएंगे पीएम मोदी

तनाव के मद्देनजर पूरे गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। बता दें, माधोपुर गांव स्मृति वन से मात्र चार किलोमीटर दूर है। स्मृति वन भुज व गुजरात के भूकंप में मारे गए लोगों की याद में बनाया गया म्युजियम है। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को इसका लोकार्पण करने आ रहे हैं।

अंत्येष्टि के बाद लौट रहे लोगों ने की तोड़फोड़

माधापुर गांव में रैबारी समुदाय के परेश रैबारी का गांव मे रहने वाले आरोपी सुलेमान सना से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसी दौरान सुलेमान ने चाकू घोंपकर परेश की हत्या कर दी थी। आज सुबह परेश की अंत्येष्टि के बाद लौट रहे लोगों ने अचानक उपद्रव शुरू कर दिया। इसी दौरान दूसरे समुदाय के धर्मस्थल और दुकानों में जमकर तोड़फोड़ की। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बर मौके पर पहुंचा और हालात को नियंत्रित कर लिया। कच्छ पश्चिम के एसपी सौरभ सिंह के बताए अनुसार स्थिति नियंत्रण में है।

दो दिवसीय यात्रा पर हैं पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दो दिनी गुजरात दौरे पर पहुंचेंगे। वे राज्य में कई योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे। वे आज अहमदाबाद में साबरमती नदी पर अटल पुल का उद्घाटन करने वाले हैं। यह पुल पैदल यात्रियों के लिए है। रविवार को पीएम मोदी कच्छ के अंजार कस्बे में वीर बालक स्मारक का भी अनावरण करेंगे। गुजरात दौरे के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खादी उत्सव को भी संबोधित करेंगे। इस उत्सव का आयोजन साबरमती रिवरफ्रंट पर किया जा रहा है। एलईडी रोशनी से सजाए गए इस रिवरफ्रंट की डिजाइन काफी आकर्षक है।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

रैबारी समुदाय के लोगों ने मृतक परेश रैबारी का शव अस्पताल से ले जाने से इनकार कर दिया था। उनकी मांग थी कि जब तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जाता वे अंत्येष्टि नहीं करेंगे। हालांकि, रात को ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस इंस्पेक्टर करणसिंह विहोल ने दावा किया कि गिरफ्तारी के बाद तनाव कम हो गया। उन्होंने बताया कि राज्य आरक्षित पुलिस और त्वरित कार्रवाई बल की टीमें गांव में तैनात कर दी गई हैं।

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के मामले में हुई बढ़ोत्तरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में अभी कोरोना संक्रमण का प्रसार आरोही-अवरोही क्रम में जारी है, जिससे स्वास्थ्य विभाग की ओर से सतर्कता संबंधी जानकारियां प्रसारित की जाती हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के फिर से 9,520 नए मामले बढ़कर देश भर संक्रमितों की संख्या 4,43,98,696 हो गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि सुबह सात बजे तक

211.39 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण (कोविड-19) से 12,875 लोग मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल 4,37,83,788 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.62 प्रतिशत है। यह सक्रिय मामलों का 0.20 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 2.50 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि कोरोना महामारी से 37 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 527597 तक पहुंच गई है। देश में पिछले 24 घंटे में 3,81,205 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88.47 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किए हैं।

पंजाब में 179 कोरोना सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 17389 हो गयी है और इससे निजात पाने वालों की संख्या 747101 हो गयी है। इस महामारी से चार और मरीजों की जान जाने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 17894 हो गया है।

महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 398 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 11871 रह गई है। इस दौरान 2240 लोगों के ठीक होने से इस बीमारी निजात पाने वाले लोगों 7933033 पहुंच गयी है और मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 148218 हो गया है।

केरल में कोरोना सक्रिय मामले 147 बढ़ने से इसकी संख्या बढ़कर 8144 हो गयी और इससे निजात पाने वालों की संख्या 6670768 हो गयी है और मृतकों की संख्या 70763 पर स्थिर है।

10 दिन की पुलिस हिरासत में भेजे गए सोनाली फोगाट डेथ केस के दोनों आरोपी

पणजी। भाजपा नेता सोनाली फोगाट मौत मामले के आरोपी सुधीर सागवान और सुखविंदर वासी को दस दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। अंजुना पुलिस ने शनिवार को आरोपी सुधीर सागवान और सुखविंदर सिंह को गोवा के मापुसा शहर की अदालत में पेश किया था। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि कोर्ट ने दोनों को दस दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। सागवान और सिंह 22 अगस्त को लोकप्रिय टिकटॉक स्टार फोगाट के साथ गोवा पहुंचे थे। फोगाट हरियाणा की रहने वाली थीं। 42 वर्षीय फोगाट को 23 अगस्त की सुबह उत्तरी गोवा जिले के अंजुना के सेंट एंथोनी अस्पताल में उनके होटल से मृत अवस्था में लाया गया था। पुलिस ने शुक्रवार को कहा था कि सागवान और सिंह ने कथित तौर पर पानी में नशीला पदार्थ मिलाया था और 22-23 अगस्त की दरमियानी रात को कर्लीज रेस्तरां में पार्टी के दौरान फोगाट को इसे पीने के लिए मजबूर किया था। अधिकारियों ने बताया था कि सागवान और सिंह पर हत्या का आरोप लगाया गया है।

कोविड टीकाकरण में 211.39 करोड़ से अधिक टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 211.39 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि सुबह सात बजे तक दो अरब 11 करोड़ 39 लाख 81 हजार 444 टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 9520 नये मामले सामने आयें हैं। इनके साथ ही देश में सक्रिय मामलों की संख्या 87,311 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.20 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 2.50 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 12,875 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 37 लाख 83 हजार 788 रोगी कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.62 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में तीन लाख 81 हज़ार 205 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88 करोड़ 47 लाख 20 हजार 250 कोविड परीक्षण किए जा चुके हैं।

लाचारी | **बागपत में नहीं मिली एंबुलेंस, पिता थक गया तो 10 साल के बेटे को थमाया शव**

2 साल के भाई की लाश लेकर भटकता रहा मासूम

देवरिया/बागपत। बागपत में शुक्रवार को गुस्से में एक मां ने अपने बेटे को सड़क पर फेंक दिया था। कार के नीचे आने से दो साल के बेटे की मौत हो गई थी। शनिवार को बच्चे का पोस्टमार्टम करके शव पिता को सौंप दिया। पिता प्रवीण ने एंबुलेंस देने को कहा तो किसी ने सुना नहीं। बेबस पिता बच्चे का शव गोद में लेकर पैदल ही चल दिया। थोड़ी देर में जब वह थक गया तो उसने अपने बड़े बेटे के हाथ में शव दे दिया।

पिता प्रवीण ने कहा, बेटे की मौत की खबर सुनकर मैं राजस्थान से आया था। मेरे पास ज्यादा पैसे नहीं थे। यहां अस्पताल में भी खर्चा हो गया। प्राइवेट वाहन वाले 1000 रुपए से ज्यादा मांग रहे थे। मेरे पास किराया देने के पैसे नहीं थे।

मैंने स्वास्थ्य कर्मियों से शव ले जाने के लिए एंबुलेंस मांगी थी, लेकिन नहीं मिली। इसलिए शव को पैदल लेकर जा रहा था। एक घंटे बाद हम लोगों को शव वाहन दिया गया।

वहीं, सीएमओ दिनेश शर्मा ने कहा, परिवार को कुछ देर रुकने के लिए कहा गया था। देरी होने पर परिवार शव लेकर बाहर आ गया। सीएमएस को जब मामले की जानकारी हुई तो उन्होंने शव वाहन का इंतजाम कर दिया। देरी होने का कारण पता लगवाया जा रहा है।

दूसरा वीडियो देवरिया जिला अस्पताल का है। इसमें एक बेटा अपनी बुजुर्ग मां को कंधे पर उठाकर घूम रहा है।

वीडियो में चिल्ला-चिल्लाकर कह रहा है, इमरजेंसी केस है। रेफर केस है पर स्ट्रेचर नहीं दिया जा रहा। दो स्ट्रेचर खाली हैं पर एक भी स्ट्रेचर नहीं दिया जा रहा। मां मरने वाली है, पर स्ट्रेचर नहीं दिया जा रहा। देखिए इनकी हालात यह देवरिया हॉस्पिटल की यही कहानी है देखिए।

मांगते रह गए पर स्ट्रेचर नहीं मिला है। यह अंकल जी हैं, इन्होंने भी स्ट्रेचर नहीं दिया है। 2 स्ट्रेचर हैं पर स्ट्रेचर दिया नहीं गया। आप सपोर्ट कीजिए इस वीडियो को इतना शेयर कीजिए कि इस देवरिया का पूरा नक्शा बदल जाएं हॉस्पिटल का।

प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक बोले- आरोप गलत हैं

अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एचके मिश्रा ने बताया कि सारे आरोप बेबुनियाद हैं। युवक की बुजुर्ग मां 20 अगस्त को एडमिट हुई थी। 21 को डाक्टरों ने लखनऊ के लिए रेफर कर दिया था। इस बीच परिजन शहर के किसी प्राइवेट अस्पताल में इलाज के लिए ले गए। वहां से डाक्टरों ने लौटा दिया। इस बीच बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। महिला के शव को ले जाने के लिए शव वाहन की भी व्यवस्था हो गई थी, लेकिन मां की मौत से नाराज युवक वीडियो बनाकर झूठे आरोप लगाने लगा। सारे आरोप बेबुनियाद हैं।

झारखंड से लायी गयीं 10 नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया गया

नयी दिल्ली। नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी द्वारा स्थापित बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर), एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) और दिल्ली पुलिस के सहयोग से दक्षिणी दिल्ली में चल रही एक अवैध प्लेसमेंट एजेंसी से 10 नाबालिग आदिवासी लड़कियों को मुक्त करवाया है।

यह सभी मानव तस्करी के जरिए झारखंड के दक्षिणी सिंहभूम जिले से अच्छे काम और पैसे का लालच देकर लाई गई थीं। यह एजेंसी पिछले 10 साल से यहां अपना काम कर रही है। पुलिस ने इस मामले में पांच मानव तस्करों की पहचान की है, जिनमें से दो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इन सभी लड़कियों की उम्र 13 से 17 वर्ष के बीच है। सभी लड़कियों का मेडिकल टेस्ट करवा लिया गया है और इसके बाद इन्हें चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के सामने पेश किया जाएगा।

बीबीए के निदेशक मनीश शर्मा ने कहा, हमारा संगठन उन प्लेसमेंट एजेंसियों की गतिविधियों के खिलाफ है, जो गरीब और कमजोर वर्ग के बच्चों को लालच देकर या बहला-फुसलाकर ट्रैफिकिंग का शिकार बनाती हैं।

उन्होंने कहा, हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह आने वाले समय में ऐसी अवैध गतिविधियों में लिप्त रहने वाली प्लेसमेंट एजेंसियों के खिलाफ एक कठोर कानून लाए।

गौरतलब है कि देश की राजधानी में पहले भी ऐसे मामले सामने आते रहे हैं जब दूसरे राज्यों के ग्रामीण इलाकों से लड़के-लड़कियों को अच्छे काम और पैसे के लालच में ट्रैफिकिंग के जरिए लाया गया है। पिछले महीने ही दिल्ली के ही एक इलाके से दो नाबालिग घरेलू सहायिकाओं को भी छुड़ाया गया था। इनसे अमानवीय हालत में काम करवाया जाता था और खाने के नाम पर बचा-खुचा ही दिया जाता था। यह दोनों नाबालिग आपस में बहनें थीं और इन्हें ट्रैफिकिंग के जरिए बहला-फुसलाकर लाया गया था।

शार्ट न्यूज

कश्मीर की पहाड़ियों में खोया हंगेरियन ट्रेकर, आईएएफ ने बचाया

जम्मू । केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के किश्तवार जिले में शनिवार को भारतीय वायु सेना (आईएफ) ने सेना और प्रशासन की मदद से एक हंगेरियन ट्रेकर को बचाया, जो पहाड़ पर चढ़ने के दौरान खो गया था। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि दूल और भारतीय वायुसेना में तैनात राष्ट्रीय राइफल्स ने माछिल के बर्फीले और ऊपरी इलाकों में 30 घंटे तक खोज और बचाव अभियान चलाया। टीम बुडापेस्ट के 38 वर्षीय अकोस वर्म्स को सुमचम घाटी में उमासिला की पहाड़ियों से बचाकर लाए, जो काफी खतरनाक पहाड़ी मानी जाती है। उनका चिकित्सकीय परीक्षण किया गया। वर्म्स ने बताया, पर्वतारोहण अभियान के दौरान वह रास्ता भटक गए थे और पांच दिनों तक बर्फीली हवाओं के बीच रहे।

सोपोर पुलिस ने एलईटी के तीन मददगारों को किया गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सोपोर उप-जिले में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को लश्कर-ए-तैयबा के तीन कथित मददगारों (ओवरग्राउंड वर्कर्स)को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि तीनों को शाम को बोमई चौक पर स्थापित एक मोबाइल व्हीकल चेक पोस्ट (एमवीसीपी) से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक बयान में कहा गया है, जांच के दौरान, तीन लोगों की एक संदिग्ध गतिविधि देखी गई और बाद में उन्हें रुकने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने मौके से भागने की कोशिश की। हालांकि, सुरक्षा बलों ने उन्हें पकड़ लिया। उनकी तलाशी में, उनके कब्जे से तीन हथगोले, नौ पोस्टर और 12 पाकिस्तानी झंडे बरामद किए गए। तीनों की पहचान हादीपोरा रफियाबाद के शारिक अशरफ, वारपोरा सोपोर के सकलैन मुश्ताक और फतेहगढ़ बारामूला के तौफीक हसन शेख के रूप में हुई है।

खनिज विभाग कर्मचारी के घर से लाखों के जेवरात एवं डेढ़ लाख की नकदी चोरी

श्रीगंगानगर। राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के पल्लू कस्बे में सरकारी स्कूल के पास खनिज विभाग के एक कर्मचारी के घर में तीन-चार चोर डेढ़ लाख की नकदी सहित लाखों के सोने चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए जबकि घर में परिवार के अनेक सदस्य सोए हुए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर चोरी की जानकारी ली। पुलिस ने आस-पास गलियों और मोहल्लों में संदिग्ध चोरों की तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस के मुताबिक पल्लू में सरकारी स्कूल के पास रहने वाले रूप राम जाट (32) द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस को दी रिपोर्ट में रूपराम ने बताया कि गुरुवार-शुक्रवार की रात को परिवार के लोग खाना खाकर सो गए थे। रात्रि लगभग 12 बजे कोई वस्तु गिरने की आवाज सुनकर उसकी पत्नी मंजू देवी की नींद खुल गई। उसने घर में तीन चार संदिग्ध व्यक्तियों को देखा और शोर मचा दिया। इतने में यह लोग भाग गए। घर का सामान संभालने के बाद रूपराम ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि डेढ़ लाख रुपए नगद, सोने की 6 अंगूठियां, एक बाजूबंद, दो हार, एक टेवटा, 8 कोके, दो मोहर गिन्नी, 3 कांटों की जोड़ियां, 8 चांदी की पाजेब जोड़ी, एक मंगलसूत्र, चांदी की 15 अंगूठियां/बिच्छूए आदि गहने गायब हैं।

टेक्ट्रर ट्रॉली पलने से तीन लोगों की मौत

धौलपुर। राजस्थान में धौलपुर जिले के सदर बाडी थाना क्षेत्र में बाबू महाराज के लक्खी मेले में जा रहे एक ट्रेक्टर ट्रॉली के पलट जाने से आज तीन लोगों की मौत हो गई। थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि निजामपुर गांव के कुछ श्रद्धालु ट्रेक्टर ट्रॉली में बैठकर बाबू महाराज के दर्शन को जा रहे थे। बीहड़ इलाके में ट्रेक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गया जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई है। सूत्रों के अनुसार ट्रेक्टर ट्रॉली में दो दर्जन से अधिक लोग बैठे हुये थे। जिसमें कई के घायल होने की सूचना है। पुलिस ने मौके पर जाकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। उल्लेखनीय है कि बाबू महाराज का मेला जिले के लक्खी मेलों में से है जिसमें राजस्थान के साथ उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश हरियाणा दिल्ली तक के लोग आते हैं।

मानहानि मामले में राहुल गांधी के खिलाफ सुशील मोदी की गवाही

पटना। कांग्रेस सांसद एवं नेता राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल किए गए मानहानि के मुकदमे में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सुशील कुमार मोदी ने शुक्रवार को विशेष अदालत में अपनी गवाही कलमबंद करवाई। सांसदों एवं विधायकों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित पटना स्थित एक विशेष अदालत के न्यायाधीश आदिदेव की अदालत में शिकायतकर्ता की हैसियत से पूर्व उप मुख्यमंत्री श्री मोदी ने पांचवें गवाह के रूप में अपनी गवाही दी। उन्होंने अपने बयान में कहा कि गांधी ने वर्ष 2019 में कर्नाटक की एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि सभी मोदी चोर हैं, जिससे उनकी मानहानि हुई। गांधी की ओर से उनके वकील अंशुल राज ने गवाह की आंशिक जीरह की और आगे जीरह के लिए 16 सितंबर 2022 की अगली तिथि निश्चित की गई है। गौरतलब है कि वर्ष 2019 में बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी की ओर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अभियुक्त बनाते हुए पटना में एक शिकायती मुकदमा संख्या 1551सी/2019 दाखिल किया गया था। गांधी इस मामले में जमानत पर हैं। शिकायत पत्र के अनुसार, गांधी के उस बयान को मानहानि वाला बताया गया है, जिसमें कथित रूप से कर्नाटक की एक सभा में 13 अप्रैल 2019 को गांधी ने कहा था कि जिनके नाम के आगे मोदी लगा है सभी चोर है।

हरियाणा विधानसभा की प्रत्ययायुक्त विधान समिति ने म.प्र.विधान सभा अध्यक्ष से भेंट की

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम से उनके सरकारी निवास में आज हरियाणा विधानसभा की प्रत्ययायुक्त विधान समिति ने सौजन्य भेंट की। आधिकारिक जानकारी के अनुसार हरियाणा विधानसभा की प्रत्ययायुक्त विधान समिति ने आज भोपाल प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री गौतम के साथ विधानसभा अध्यक्ष के शासकीय निवास में सौजन्य भेंट की। इससे पूर्व विधानसभा परिसर में बैठक संपन्न हुई, जिसमें मध्यप्रदेश विधानसभा की प्रत्ययायुक्त समिति की सभापति श्रीमती गायत्री राजे पवार ने संबोधित करते हुए समिति की प्रक्रिया तथा कार्य प्रणाली पर प्रकाश डाला। विधानसभा अध्यक्ष श्री गौतम ने म.प्र.विधान सभा की गौरवशाली इतिहास तथा विधान सभा में नवगठित समितियों तथा माननीय सदस्यों के अधिकारों में विस्तार के अलावा संसदीय प्रणाली एवं आईटी के क्षेत्र में किये गये कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने यह भी बताया की हमारी विधानसभा में पूरी तरह से प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण आनलाइन स्वीकार किये जा रहे हैं तथा ई-विधान के क्षेत्र में भी शीघ्र कार्यवाही की जा रही है। म.प्र.विधान सभा का एक दल ई-विधान वाले प्रदेशों का शीघ्र अध्ययन करने जा रहा है।

राजग के साथ आये गुलाम नबी आज़ाद

नयी दिल्ली। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने शनिवार को कहा कि श्री गुलाम नबी आज़ाद को बहुत समय बाद आजादी मिली है अब उन्हें देश के विकास के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होना चाहिए। आठवले ने कहा कि आज़ाद को कांग्रेस पार्टी में भी वो सम्मान नहीं मिल पा रहा था जिसके वो हकदार थे एवं दिन प्रतिदिन उन्हें आरोप प्रत्यारोपों का सामना करना पड़ रहा था। आज़ाद का कांग्रेस पार्टी से त्यागपत्र देना निश्चित रूप से एक स्वागतयोग्य कदम है। आठवले ने कहा, आज़ाद का जब राज्यसभा में कार्यकाल खत्म हुआ तो मैंने उन्हें सलाह दी थी कि आपको अब कांग्रेस के साथ न रहकर राजग में शामिल हो जाना चाहिए। आठवले ने कहा कि जब श्री आज़ाद की राज्यसभा से विदाई हुई थी तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदन में उनकी प्रशंसा की थी और इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा था कि पद सत्ता जीवन में आती रहती है, लेकिन उसको कैसे संभालना है, ये श्री आज़ाद से सीखना चाहिए।

देश के मुख्य न्यायाधीश बने जस्टिस यूयू ललित

न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित ने भारत के 49वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित ने शनिवार को भारत के 49वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित संक्षिप्त समारोह में न्यायमूर्ति ललित को शपथ दिलाई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई केंद्रीय मंत्री इस समारोह में शामिल हुए। न्यायमूर्ति ललित से पहले प्रधान न्यायाशीध के रूप में सेवाएं देने वाले न्यायमूर्ति एन वी रमण भी इस मौके पर मौजूद थे।

न्यायमूर्ति ललित ने शपथ ग्रहण करने के बाद अपने 90 वर्षीय पिता और उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश उमेश रंगनाथ ललित समेत परिवार के अन्य बड़े-बुजुर्गों के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। प्रधान न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति ललित का कार्यकाल 74 दिन का होगा। वह 65 वर्ष के होने पर इस साल आठ नवंबर को

सेवानिवृत्त होंगे। न्यायमूर्ति ललित के बाद सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ अगले प्रधान न्यायाधीश हो सकते हैं।

मयूर विहार के फ्लैट से शुरू हुआ ललित का पेशेवर जीवन

बॉम्बे से दिल्ली आने के बाद मयूर विहार के फ्लैट से यू यू ललित का पेशेवर जीवन शुरू हुआ, जो अब राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में शपथ ग्रहण तक पहुंचा है। उन्होंने दिल्ली में अपनी अलग शैली से वकालत के क्षेत्र में धाक जमाई। टॉप क्रिमिनल लॉयर के रूप में उनकी पहचान बनी। ललित को नायाब तर्कों, दलीलों और सौम्य व्यक्तित्व वाले मृदु भाषी व्यक्ति के तौर पर भी जाना जाता है।

एक सदी से ज्यादा समय से वकालत कर रहा परिवार

जानना दिलचस्प है कि जस्टिस ललित के परिवार के लोग एक सदी से ज्यादा समय से वकालत के क्षेत्र में कार्यरत हैं। उनके दादा जी का नाम रंगनाथ ललित है जो महाराष्ट्र के सोलापुर में वकालत करते थे। उनके पिता उमेश रंगनाथ ललित ने सोलापुर से वकालत शुरू की। मुंबई में वकालत में उन्होंने काफी नाम कमाया। मुंबई हाई कोर्ट के वो जज भी रहे।

2014 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त हुए ललित

जस्टिस ललित को 13 अगस्त, 2014 को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। तब वह वरिष्ठ अधिवक्ता थे। वह मुसलमानों में तीन तलाक की प्रथा को अवैध ठहराने समेत कई ऐतिहासिक फैसलों का हिस्सा रहे हैं। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अगस्त 2017 में 3:2 के बहुमत से तीन तलाक को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। इन तीन न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति ललित भी थे।

उन्होंने राजनीतिक रूप से संवेदनशील अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद मामले में सुनवाई से खुद को जनवरी 2019 में अलग कर लिया था। मामले में एक मुस्लिम पक्षकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन ने संविधान पीठ को बताया था कि न्यायमूर्ति ललित उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के वकील के रूप में एक संबंधित मामले में वर्ष 1997 में पेश हुए थे।

सिरसा से विकास में भेदभाव नहीं होगा बर्दाश्त: चौटाला

सिरसा। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो)के प्रधान महासचिव व ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा कि सिरसा से किसी भी तरह से विकास के मामले में भेदभाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्री चौटाला शनिवार को ऐलनाबाद हलके के अपने चार दिवसीय जनसंपर्क अभियान के दौरान अंतिम दिन गांव उमेदपुरा, मेहनाखेड़ा, चिलकनी ढाब, भुर्टवाला, पोहडकां, ममेरां छोटी, ममेरां बड़ी, मिठीसुरेरां, किशनपुरा व खारीसुरेरां व मिठनपुरा सहित करीब डेढ़ दर्जन गांवों में ग्रामीणों को आगामी 25 सितंबर को फतेहाबाद में होने वाली चौधरी देवीलाल जयंती का न्यौता देते हुए बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में पिछले दस साल कांग्रेस और आठ साल भाजपा जजपा गठबंधन सरकार ने सिरसा को विकास की बजाए विनाश के मुहाने पर ला दिया है। इन 18 सालों के दौरान सिरसा में न तो कोई भी बड़ा औद्योगिक प्रतिष्ठान स्थापित हुआ है और न ही शैक्षिक संस्थान। ऐसे में कांग्रेस और वर्तमान गठबंधन सरकार की मंशा का आसानी से पता चल जाता है। उन्होंने कहा कि इनेलो शासनकाल के दौरान सिरसा के साथ-साथ पूरे हरियाणा में समान रूप से विकास कार्य करवाए गए जिन्हें आज भी याद किया जाता है। इनेलो नेता ने कहा कि सिरसा में युवाओं को रोजगार से महरूम किया गया है जिससे उनमें मायूसी का आलम है। उन्होंने कहा कि सरकारों के संकल्पों की कमी के चलते सिरसा विकास के मामले में पूरी तरह से पिछड़ता जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सिरसा में मेडिकल कॉलेज के निर्माण की घोषणा तो की मगर इस दिशा में कोई नया कदम नहीं उठाया जा सका है।

एचपीसीएल कंपनी में चोरी का खुलासा, लखीमपुर खीरी के तीन युवक गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड की उधमसिंह नगर पुलिस ने शनिवार को सितारगंज स्थित सिडकुल में हुई चोरी का खुलासा कर दिया है। चोरी के आरोप में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कंपनी में ठेके पर ही बिजली का काम करते थे। उधमसिंह नगर पुलिस के अनुसार विगत 22 अगस्त की रात को सिडकुल में एचपीसीएल कंपनी में चोरी की घटना सामने आयी थी। चोर महंगे सामान पर हाथ साफ कर फरार हो गये थे। कंपनी की तहरीर पर सितारगंज पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू की। चोरों को पकड़ने के लिये पुलिस टीमों का गठन किया गया। सबसे पहले सिडकुल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। पुलिस टीम को कुछ महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे और पुलिस आखिरकार चोरों तक पहुंच गयी। पुलिस ने बीती रात को तीनों आरोपियों शाहिद उर्फ सिम्मी, साजिद व आकिम को नकुलिया चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपी उप्र के लखीमपुर खीरी के ग्राम खीरी व मैलानी के रहने वाले हैं। आरोपी सतवंत कांट्रेक्टर के कर्मचारी हैं और कंपनी में ठेके पर बिजली का काम करते थे। तीनों से सुनियोजित तरीके से चोरी को अंजाम दिया। चोरी से पहले तीनों लखीमपुर खीरी से एक कार लेकर आये और घटना को दिन कार को बाहर छोड़ कर दीवार फांदकर अंदर घुसे और स्टोर रूम का ताला तोड़ कर एलईडी टीवी, एचपी मोनिटर व अन्य महंगा सामान लेकर फरार हो गये।

उज्बेक सुसाइड बॉम्बर के खुलासे के बाद हाई अलर्ट

मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की गतिविधियों पर पैनी नजर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सुरक्षा एजेंसियां इन दिनों हाई अलर्ट पर हैं। दरअसल, इस्लामिक स्टेट और अल-कायदा जैसे आतंकी संगठन भारत के भीतर और बाहर मुस्लिमों को कट्टरपंथी बनाने में लगे हुए हैं। इनका टारगेट ईश निंदा के नाम पर देश में हमलों को अंजाम देना है।

भारतीय सिक्योरिटी एजेंसियां इन्हें रोकने के प्रयास में अकेली नहीं हैं बल्कि अमेरिका, जॉर्डन, रूस, यूएई और सउदी अरब जैसे कई मित्र देश साथ हैं। साइबर स्पेस में इस्लामिक कट्टरपंथियों के फूटप्रिंट और अन्य

जरूरी सूचनाएं नई दिल्ली के साथ शेयर की जा रही हैं। दरअसल, रूस की संघीय सुरक्षा एजेंसी ने सोमवार को कहा था कि उसने एक मध्य एशियाई देश के रहने वाले इस्लामिक स्टेट के आतंकवादी को पकड़ा है। इसने पैगंबर मोहम्मद के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने को लेकर शीर्ष भारतीय नेतृत्व के एक सदस्य पर आत्मघाती हमले की साजिश को अंजाम देने के लिए विशेष प्रशिक्षण लिया था। एफएसबी ने कहा कि प्रतिबंधित इस्लामिक स्टेट के एक सरगना ने इस साल अप्रैल से जून के बीच तुर्की में प्रवास के दौरान विदेशी नागरिक को आत्मघाती हमलावर के तौर पर समूह में भर्ती किया था।

पैगंबर के अपमान के नाम पर हमले करना मकसद

बीते दो महीने से अधिक समय से एसोसिएट इंटेलिजेंस एजेंसियां भारतीय समकक्षों को लगातार अलर्ट करती रही हैं। इसमें पैगंबर के अपमान को लेकर भारत को निशाना बनाने के लिए पैन-इस्लामिक आतंकवादी समूहों के भीतर बेचैनी की बात कही गई है। मुस्लिम ब्रदरहूड जैसे संगठनों की जड़ें तुर्की, कुवैत और कतर में काफी मजबूत हैं। ये संगठन %भारत को पाठ पढ़ाने% का हवाला देकर लगातार मुसलमानों को उकसाने का काम कर रहे हैं। वहीं, इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासान प्रांत के पाकिस्तानी कैडरों का इस्तेमाल रावलपिंडी की ओर से भारतीय रंगरूटों के जरिए नई दिल्ली को निशाना बनाने के लिए हो रहा है।

आयोग की परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में प्रेस मालिक, कार्मिक गिरफ्तार

देहरादून। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक मामले का शनिवार को विवेचना कर रही पुलिस की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने लगभग पूरी तरह खुलासा कर दिया है। इस मामले में प्रेस मालिक के साथ प्रेस का एक कर्मचारी भी पकड़ लिया गया है। अभी तक कुल 26 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने शनिवार को बताया कि यूकेएसएसएससी द्वारा आयोजित परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक मामले की

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिकायत होने के बाद, एसटीएफ को इसकी जांच सौंपी गई। इसके बाद, तात्कालिक कार्यवाही के दौरान, नित्य ऐसे सफेदपोश लोगों के नाम साक्ष्यों के आधार पर सामने आए, जिनमें एक जन प्रतिनिधि, न्यायालय, पुलिस, होमगार्ड कर्मचारी, विश्वविद्यालय के रिटायर्ड अफसर, कोचिंग सेंटर संचालक सहित कुल 26 अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) परीक्षा पेपर लीक मामले की विवेचना के दौरान, सचिवालय रक्षक भर्ती परीक्षा में भी गड़बड़ी की पुष्ट जानकारी गिरफ्तार अभियुक्तों से मिली। तब एक नया मामला 24 अगस्त को थाना रायपुर में दर्ज किया गया।

सिंह ने बताया कि पुख्ता साक्ष्यों और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज के आधार पर, आयोग के प्रश्नपत्रों की लंबे समय से छपाई करने वाली आरआईएमएस कंपनी लखनऊ का मालिक राजेश चौहान को पेपर लीक करने और अन्य के माध्यम से सौदा करने के साक्ष्य के आधार पर गिरफ्तार किया गया। इससे पूछताछ के बाद, प्रिंटिंग प्रेस के मुख्य कर्मचारी प्रदीप पाल पुत्र गया प्रसाद, निवासी ग्राम बलीपुर, थाना हैदरगढ़, जिला बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) उम्र 24 वर्ष को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कर्मचारी आयोग कार्यालय से पेन ड्राइव के माध्यम से पेपर चुरा कर, अन्य गिरफ्तार अभियुक्त को देता था।

एसटीएफ अधीक्षक ने बताया कि विवेचना के दौरान यह भी प्रकाश में आया कि सचिवालय रक्षक भर्ती में कुल 33 पद हैं एवं कुल 66 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है।

सुभाष सरकार ने किया क्रिया विवि के नये ब्लॉक का उद्घाटन

चेन्नई। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार ने क्रिया विश्वविद्यालय के श्री सिटी कैंपस में शुक्रवार एक नए अकादमिक ब्लॉक का उद्घाटन किया। यह जानकारी विश्वविद्यालय की ओर से शनिवार को जारी विज्ञप्ति में दी गयी।

इस मौके पर विश्वविद्यालय की गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष कपिल विश्वनाथन, व्यावसायिक शिक्षा के प्रो. वाइस चांसलर रामकुमार राममूर्ति, आईएफएमआर जीएसबी क्रिया विश्वविद्यालय के डीन डॉ. लक्ष्मी कुमार और अन्य लोग मौजूद रहे। विश्वविद्यालय का नया अकादमिक ब्लॉक 25,000 वर्गफुट क्षेत्र में फैला हुआ है और इसमें एक नया पुस्तकालय और भौतिकी, जैव विज्ञान तथा रसायन विज्ञान के लिए तीन शोध प्रयोगशालाएं हैं।

विश्वविद्यालय के नए ब्लॉक में स्थित पुस्तकालय, 10,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में है और इसमें एक लाख किताबें हैं।

नक्सलवाद के खात्मे के लिए केन्द्र एवं राज्य को मिलकर काम करना जरूरी : शाह

रायपुर। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा हैं कि नक्सलवाद के खात्मे के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकारों को समन्वय के साथ काम करने की जरूरत हैं। शाह ने आज यहां राष्ट्रीय जांच एजेन्सी (एनआईए) के रायपुर कार्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा कि नक्सलवाद और आतंकवाद की लड़ाई केवल केंद्र और राज्य की नही है, बल्कि यह विकास का भी मुद्दा है और जब तक इन्हें खत्म नही किया जाता तब तक किसी भी देश या राज्य का विकास नही हो सकता है। शाह ने कहा कि नक्सलवाद पर नकेल कसने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के साथ मिलकर वो वामपंथ उग्रवाद का खात्मा करेंगे। शाह ने छत्तीसगढ़ के लोगों को पोला पर्व की बधाई देते हुए कहा कि परंपरागत त्यौहारों को हमारे पूर्वजो ने बहुत सोच समझ कर बनाया है और पोला पर्व तो अन्न से जुड़ा त्यौहार है जिसमें कृषि से जुड़ी वस्तुओं की पूजा की जाती है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मौके पर कहा कि चाहे उग्रवाद हो या आतंकवाद, ये मानवता के दुश्मन है और हमें इनके खिलाफ कार्य करने वाली सभी एजेंसियों का समर्थन करना चाहिए। गृहमंत्री के सहयोग से छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का बहुत जल्द खात्मा किया जा सकता है।

बेंगलुरु में बिलकिस बानों के दुष्कर्मियों की रिहाई के विरोध में प्रदर्शन

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में छात्रों और अधिकार कार्यकर्ताओं ने शनिवार को यहां फ्रीडम पार्क में बिलकिस बानों के साथ सामूहिक बलात्कार मामले में गुजरात की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के 11 दोषियों को रिहा करने के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने दोषियों की रिहाई की निंदा करते हुए तख्तियां लहराते हुए आरोप लगाया कि गुजरात सरकार देश में अल्पसंख्यकों को निशाना बना रही

है। गौरतलब है कि गुजरात सरकार ने 15 अगस्त को उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद सभी 11 दोषियों को छोड़ने की मंजूरी दी।

मुबंई में 21 जनवरी 2008 को केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अदालत ने हत्या और सामूहिक बलात्कार मामले में 11 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इन पर 2002 में बिलकिस बानों के साथ सामूहिक बलात्कार का आरोप था। दोषियों ने पन्द्रह वर्ष से अधिक जेल में बिताये। इन पर बानों की मां और तीन अन्य महिलाओं के साथ भी सामूहिक बलात्कार करने का आरोप था।

वरिष्ठ अधिक्ता बी टी वेंकटेश ने फ्रीडम पार्क में पत्रकारों से कहा कि दोषियों की रिहाई असंवैधानिक है और ये इस जघन्य अपराध के लिए छूट के लायक नहीं हैं। उन्होंने भाजपा सहित राजनीतिक दलों से गुजरात सरकार के फैसले के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया।

गुजरात सरकार के इस फैसले को चुनौती देते हुए मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई। यह याचिका मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्य सुभाषिनी अली, पत्रकार रेवती लौल और सामाजिक कार्यकर्ता और प्रोफेसर रूप रेखा वर्मा ने दायर की।

देश के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की पीठ ने अधिवक्ता अपर्णा भट द्वारा बुधवार को मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग पर मामले को देखने के लिए सहमति व्यक्त की है।

सड़क हादसे में घायलों की मदद करने वालों को उत्तराखण्ड पुलिस देगी इनाम

देहरादून। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि में कमी लाये जाने के उद्देश्य से अच्छा मददगार व्यक्ति (गुड समेरिटन) योजना अब उत्तराखण्ड में शुरू कर दी गई है। इस योजना के अंतर्गत, रोड एक्सीडेंट में घायल व्यक्तियों की सहायता करने वाले अच्छे व्यक्ति अथवा व्यक्तियों (गुड समेरिटन) को पुरस्कृत किया जाता है। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अशोक कुमार ने शनिवार को यह जानकारी दी। कुमार ने बताया कि अब प्रदेश में भी विभागीय गुड समेरिटन पुरस्कार योजना प्रारम्भ की गयी है। जिसके अन्तर्गत यदि कोई व्यक्ति सम्बन्धित विभिन्न कार्यों में से कोई कार्य करता है, तो राज्य पुलिस उसे नगद ईनाम और प्रशंसा पत्र प्रदान करेगी।

डीजीपी ने बताया कि यह पुरस्कार

मित्रता सेवा सुरक्षा

सड़क दुर्घटना में किसी व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने, दुर्घटना के शिकार व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का राहत एवं बचाव कार्य कर समय से अस्पताल पहुँचाने, घायल अथवा चोटिल व्यक्ति को एम्बुलेंस की उपलब्धता न होने की स्थिति में निजी वाहन से अस्पताल पहुँचाने वालों को प्रदान किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर रक्तदान करने या रक्तदान का प्रचार-प्रसार कर सम्बन्धित ब्लड ग्रुप वाले रक्तदाता की व्यवस्था करने, दुर्घटना में घायल व्यक्ति की आर्थिक रूप से सहायता करना आदि, दुर्घटना की रोकथाम के प्रयास में प्रभावी सहायता, योगदान उपलब्ध कराने, और गुड स्मारटीन्स के सम्बन्ध में विज्ञापन, सोशल मीडिया, प्रिन्ट मीडिया आदि में व्यापक प्रचार- प्रसार करने वालों को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस पुरस्कार को राज्य में तीन स्तरों पर प्रदान किया जायेगा। जिसमें पुलिस मुख्यालय स्तर पर उनके स्वयं द्वारा प्रथम पुरस्कार 25,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 10,000 रुपये और तृतीय पुरस्कार 5,000 रुपये तक की धनराशि, यातायात निदेशालय स्तर पर यातायात निदेशक द्वारा, प्रथम पुरस्कार 5,000, द्वितीय पुरस्कार 3,000 और तृतीय पुरस्कार 2,000 रुपये तक की धनराशि प्रदान की जायेगी।

मुनव्वर फारुकी के कार्यक्रम रद्द कराने के लिए विहिप ने दिल्ली पुलिस को दिया धन्यवाद

नयी दिल्ली। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सिविक सेंटर सभागार में रविवार को तय इस्लामिक कट्टरपंथी मुनव्वर फारुकी के कार्यक्रम पर रोक लगाने के लिए दिल्ली पुलिस का आभार व्यक्त किया है। विहिप के प्रवक्ता विनोद बंसल ने यहां ट्विटर पर अपने बयान में दिल्ली पुलिस को मुनव्वर फारुकी के हिन्दू विरोधी कार्यक्रम को रद्द किये जाने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि ऐसे लोगों को प्रचार का मंच प्रदान करने की बजाए उन पर हिन्दू भावनाओं पर आघात करने और घृणा फैलाने के लिए मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। मुनव्वर फारुकी के कार्यक्रम के लिए 23 अगस्त को एमसीडी के सिविक सेंटर में केदारनाथ साहनी सभागार को रविवार दोपहर दो बजे से रात नौ बजे तक के लिए बुक कराया गया था। यह बुकिंग किसी गुरसिमर सिंह रैयत के नाम से करायी गयी थी।

तिजहारिन माताओं बहनों का मायका बना मुख्यमंत्री निवास

रायपुर। तीन दिनों तक चलने वाले छत्तीसगढ़ के पारंपरिक तीजा पोरा त्यौहार की आज शुरुआत हो गई।

बहन बेटियां तीजा का त्यौहार मनाने के लिए अपने मायके का रुख कर रही हैं।माता, बहनों- बेटियों के स्वागत के लिए मुख्यमंत्री निवास में भी आकर्षक साज-सज्जा की गई है। पूरे प्रदेश से माताएं बहनें तीजा का उत्सव मनाने के लिए मुख्यमंत्री निवास में एकत्र हुई।आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का घर तिजहारिनों का मायका बन गया। तीज त्योहार के मौके पर मायके आने वाली बहन- बेटियों के चेहरे पर खुशी और संतोष की जो मुस्कान नजर आती है वही मुस्कान यहां हर महिला के चेहरे पर नजर आ रही है।तीजा-पोरा तिहार के लिए पूरे मुख्यमंत्री निवास की पारम्परिक रूप में भव्य सजावट की गई है। मुख्य मंडप में प्रवेश के तीन द्वार बनाए गए हैं। मुख्य द्वार को पोरा पर्व के प्रतीक पारंपरिक नांदिया बैला से सजाया गया है। मुख्य द्वार के सामने पारम्परिक झूले- रईचुल, बैलगाड़ी, बस्तर जनजातीय आर्ट और छत्तीसगढ़ी जन-जीवन से जुड़े चित्रों का प्रदर्शन किया गया है। मध्य द्वार को पोरा पर्व से जुड़े पारम्परिक बर्तनों से बनाया गया है। मध्य और तीसरे द्वार के बीच की गैलरी को रंग-बिरंगे मटकों और रंगीन टोकनी के द्वारा आकर्षक कलेवर दिया गया है। तीसरे द्वार की सजावट पर सरगुजा अंचल की संस्कृति की छाप है। मुख्य मंडल के पूर्वी हिस्से में छत्तीसगढ़ी ग्रामीण परिवेश को दर्शाते एक मिट्टी का घर बना है। इसकी साज-सज्जा में पोरा से जुड़े विभिन्न प्रतीकों का इस्तेमाल किया गया है। घर के द्वार पर तुलसी चौरा और नन्दी बनाए गए हैं। यहां ग्रामीण जीवन मे उपयोग में आने वाले बर्तन व अन्य वस्तुओं जैसे पोरा, , बाल्टी, चूल्हा आदि के मिट्टी के छोटे प्रतीकों सहित लकड़ी के नागर, बैलगाड़ी का चक्का और झाड़ू रखे हैं।

शार्ट न्यूज

मोबाइल छीनकर ले जाने वाले तीन गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना इकोटेक प्रथम पुलिस ने झपट्टा मारकर मोबाइल छीनकर ले जाने वाले तीन अभियुक्तों विकास भाटी उर्फ टूटू पुत्र ज्ञानसिंह निवासी नियाना थाना दनकौर गौतमबुद्धनगर, हरिओम पुत्र बाबू सिंह निवासी नियाना थाना दनकौर गौतमबुद्धनगर, अनुज पुत्र दिनेश निवासी नियाना थाना दनकौर जिला गौतमबुद्धनगर को सिरसा गोल चक्कर के आगे से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने तीन मोबाइल फोन और बिना नंबर की एक स्पलैण्डर मोटरसाइकिल बरामद की है।वादी प्रमोद कुमार पुत्र आशेराम निवासी कनारसी थाना दनकौर गौतमबुद्धनगर ने थाना ईकोटेक प्रथम पर 20 अगस्त 2022 को डयूटी करके कनारसी जाते समय रास्ते मे अज्ञात मोटरसाइकिल सवार के द्वारा उसका को झपट्टा मारकर छीनकर ले जाने के सम्बन्ध मे मुकदमा पंजीकृत कराया था। जिसका सफल अनावरण करते हुए उक्त अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

धोखाधड़ी कर फर्जी तरीके से 20,01,680 रूपये हड़पने वाला एक अभियुक्त गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने धोखाधड़ी कर फर्जी तरीके से 20,01,680 रूपये हड़पने वाले एक अभियुक्त कुँवर विजयंत सिंह पुत्र कुँवर बलवन्त सिंह निवासी ई-105 सुपरटेक लिविंग स्टोन क्रोंसिग रिपबल्कि गाजियाबाद को सीएनजी पम्प गिझौड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया।गौरतलब है कि 18 जून 2022 को थाना सेक्टर-24 पर वादिया प्रिया गुप्ता निवासी सेक्टर-52 नोएडा ने अभियुक्त कुँवर विजयंत सिंह द्वारा मिड डे मिल का टेण्डर दिलाने के नाम पर फर्जी कागजात तैयार कर वादिया के 20,01,680 रूपये ले लिए थे। और दस्तावेज फर्जी होने पर पैसे माँगने पर पैसे ना देकर अमानत मे खयानत करने के सम्बंध मुकदमा पंजीकृत कराया गया था।अभियुक्त शातिर किस्म का जालसाज अपराधी है।जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पुलिस ने दो शराब तस्करों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान दो शराब तस्करों महेश पुत्र क्षेत्रपाल उर्फ छंगा निवासी ग्राम देवरार थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को थोरा भवोकरा रोड देवरार मोड से, अनिल पुत्र चन्दा निवासी ग्राम हुमांयुपुर थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को देयौरार से हुमांयुपुर जाने वाले रोड पर से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्त महेश के कब्जे से 45 पव्वे और अभियुक्त अनिल के कब्जे से 45 पव्वे अवैध देशी शराब के बरामद किए हैं। अभियुक्त शातिर किस्म के शराब तस्कर हैं। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

बादलपुर पुलिस ने दो गांजा तस्करों को किया गिरफ्तार, कब्जे से 2 किलो 300 ग्राम गांजा सहित अवैध असलहा बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना बादलपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो गांजा तस्करों सचिन कुमार पुत्र महेश चन्द निवासी ग्राम रोजा जलालपुर थाना बिसरख गौतमबुद्धनगर, विनय पुत्र यशपाल निवासी ग्राम खेरली रेलवे स्टेशन के पास थाना दनकौर गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के मारीपत स्टेशन तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने दो किलो 300 ग्राम गांजा और एक तमंचा 32 बोर दो कारतूस जिन्दा बरामद किए हैं।अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं।जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पिता की हत्या का बदला लेने के लिए की, ताऊ की गला रेतकर हत्या

ग्रेटर नोएडा। जेवर थाना क्षेत्र के ग्राम गोपालगढ में भतीजे ने अपने ताऊ की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। और मौके से फरार हो गया।जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पाकर मौके पर पहुँची जेवर कोतवाली पुलिस ने मृतक के शव का पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।हत्याकांड को अंजाम देने वाले नाबालिग को पुलिस ने अभिरक्षा में ले लिया है।गौरतलब है कि बीती रात्रि को ग्राम गोपालगढ में धीरज पुत्र जयपाल प्रजापति ने अपने ताऊ 50 वर्षीय गिर्राज पुत्र दलपत निवासी गोपालगढ की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी थी। जानकारी के अनुसार धीरज के पिता और गिर्राज के बीच जमीनी विवाद चल रहा था। और शुक्रवार रात को रात्रि आठ बजे धीरज और गिर्राज के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गयी। जिसके उपरांत धीरज ने अपने घेर में सो रहे ताऊ की रात्रि लगभग 12 बजे हत्या कर दी। धीरज बारहवीं कक्षा छात्र है और अभी नाबालिग है।पुलिस के अनुसार मृतक गिरिराज सिंह का अपने छोटे भाई से प्रॉपर्टी विवाद चल रहा था। सन 2018 में जयपाल सिंह की जेवर टप्पल मार्ग पर हत्या कर दी गई। परिजनों द्वारा हत्या का आरोप गिरिराज सिंह के परिवार पर लगा था। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे का हिस्सा धंसा

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे का 15 फुट लंबा और दो फुट चौड़ा एक हिस्सा शुक्रवार को धंस गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के कारण शुक्रवार को यातायात बाधित हो गया था, लेकिन शनिवार को वाहनों की सामान्य आवाजाही बहाल हो गई। एक अधिकारी ने कहा, ''सेक्टर 96 के पास सड़क का वह हिस्सा धंस गया, जहां अंडरपास के निर्माण का कार्य चल रहा था। नोएडा से ग्रेटर नोएडा की ओर जाने वाली सड़क में यह हुआ। मरम्मत कार्य शुक्रवार को ही शुरू कर दिया गया था, जिससे यातायात जाम लग गया।

शिक्षा क्षेत्र में छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित : प्राचार्या डॉ. अनीता तंवर

कपिल शर्मा/गौरवशाली भारत

नॉगल चौधरी। विधानसभा क्षेत्र स्थित बैजनाथ चौधरी राजकीय महिला महाविद्यालय में प्राचार्या डॉ. अनीता तंवर ने अपने कार्यकाल के दौरान उपलब्धियों का ज़िक्र करते हुए बताया कि, महिला कॉलेज की मूल भूत सुविधाओं में कॉफी सुधार हुआ है। कॉलेज की छात्राओं के अनुशासन से लेकर शैक्षणिक सुविधाओं तक और बैठने के लिए बेंच उपलब्ध कराई गई है। साथ ही प्राचार्या ने कॉलेज की विशेषताओं पर चर्चा करते हुए कहा कि, दोपहर भोजन लंच के लिए कैन्टीन की अनुमानित लागत की स्वीकृति मिल गई है। किन्तु, निर्माण कार्य अभी शेष है। कॉलेज में छात्राओं को जल्द ही कैन्टीन की सुविधा भी मिलेगी।

बैजनाथ चौधरी राजकीय महिला महाविद्यालय में फिलहाल दाखिलों का दौर जारी है। कॉलेज की प्राचार्या ने बताया कि अभी दाखिले की अंतरिम तिथि को अग्रेषित किया गया है। अब एडमिशन की आखिरी तारीख 31 अगस्?त कर दिया गया है। सभी तीनो संकाय सहित संबंधित अतिरिक्त

विषय में छात्राएँ बिना देरी किए और बिना लेट फीस के एडमिशन ले सकती हैं।

एडमिशन हेतु आवेदक सीट

स्नातक श्रेणी - कुल सीट - भरी सीट
बी.ए. प्रथम वर्ष - 240 - 169
बी.कॉम. प्रथम वर्ष - 80 - 13
बी.एस.सी. मेडिकल 7 60 7 31
बी.एस.सी. नॉन मेडिकल 7 80-36

उन्होंने दूर गाँवों से आने वाली छात्राओं के सन्दर्भ बातचीत में बताया कि कॉलेज के आवागमन के लिए छात्राओं को नजदीक बस स्टॉप की सुविधा भी उपलब्ध हुई है। साथ ही कॉलेज की नजदीकी छोटे गाँव की छात्राओं को पहुंचने में आशिंक असुविधा बताई गई। अनुपस्थित रहने वाली छात्राओं संबंधित बातचीत में उन्होंने बताया कि, अभिभावक मिटिंग किया गया अब छात्राओं की उपस्थिति में निरंतरता और सुधार हुआ है।

कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनीता तंवर ने छात्राओं के लिए खेल जगत से जुड़े और रोजगार के अवसर पर प्रकाश डालते हुए बताया कि, छात्राओं की कला हुनर को तराशकर उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें सिलाई /बुनाई/ब्यूटीशियन और रसोई व्यंजन आदि तमाम घरेलू टिप्स सहित कानूनी जागरूकता और उनके अधिकारों के प्रति सचेत करने और व्यक्तित्व निर्माण जैसे विभिन्न विषयों पर आधारित शिविर व कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। साथ ही महाविद्यालय में छात्राओं को अनुशासन सहित स्टॉफ़ द्वारा पाठ्यक्रम में निपुण किया जाता है। इसके अलावा जीवन में प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने और आत्मविश्वास के साथ सफल होने के लिए छात्राओं को जागरूक किया जाता है। उन्होंने सभी छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान गौरवशाली भारत से विशेष बातचीत में प्राचार्या समेत कंप्यूटर लैब संचालिका व प्रवक्ता शशिबाला, राजबाला और कॉलेज एडमिनिस्ट्रेटिव स्टॉफ़ उपस्थित रहा।

शहीद मेजर सतीश दहिया कॉलेज मिला सुविधाओं से वंचित

स्टॉफ़ ने जताई नाराजगी, वर्षों पुरानी बिल्डिंग में चल रहा कॉलेज

नॉगल चौधरी। शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय महाविद्यालय में अब भी वर्षों पुरानी इमारत में बने कक्ष और उनकी दिवारों में दरारें और बरसाती सीपेज देखी जा सकती है। महाविद्यालय एडमिनिस्ट्रेटिव स्टॉफ़ में मौजूद एसिस्टेंट प्रोफेसर सतीश कुमार यादव, प्रोफेसर डॉ. सुनिता कुमारी, नोडल ऑफिसर ईश्वर सिंह इस संबंध में नाराजगी जाहिर करते हुए बताया कि, कॉलेज की सामने वाली बिल्डिंग पूर्णतया जर्जर होने और खतरे की आशंका उत्पन्न होने से उसे नष्ट कराया गया है। साथ ही इस सन्दर्भ में विभाग को अनुमानित लागत से अवगत कराया गया है। लेकिन, निर्माण कार्य अभी शेष है। कॉलेज में बढ़ते विद्यार्थियों की संख्या को देखते हुए

सुविधाएं भी पर्याप्त नहीं है।

गौरवशाली भारत द्वारा सभी शिक्षण संस्थानों की पड़ताल में शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय महाविद्यालय में खेल व्यवस्थाओं से लेकर कॉलेज की लाइब्रेरी भी विदाउट सिटिंग पाई गई। पूर्व लैब कक्ष में बनाया गया पुस्तकालय में अधिक पुस्तकों का रैक लगे होने से बैठने के लिए बेंच सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। स्टॉफ़ द्वारा बताया गया कि, कॉलेज में अभी पूरी तरह विद्यार्थियों के सब्जेक्ट संबंधित प्रवक्ता व लैब व्यवस्था दुरूस्त नहीं है। स्टॉफ़ में 9 रेग्युलर और 15 एक्सटेंशन बताए गए।

फिलहाल, शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय महाविद्यालय में विद्यार्थियों के दाखिलों का दौर जारी है। कॉलेज में बी.ए. की 400 सीट, कॉमर्स व साइंस की 80 सीटों पर एडमिशन चल रहे हैं। अधिकांश सीटों पर दाखिले हो चुके हैं। बताई गई जानकारी में शेष सीटों के लिए सोमवार को पुन: काउंसलिंग की जाएगी।

कॉलेज एडमिशन की आखिरी तिथि को बढ़ाकर 31 मार्च किया गया है। गौरवशाली भारत से विशेष बातचीत में शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय महाविद्यालय कार्यालय में मौजूद एसिस्टेंट प्रोफेसर सतीश कुमार यादव, प्रोफेसर डॉ. सुनिता कुमारी, नोडल ऑफिसर ईश्वर सिंह, कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर प्रीतम, क्लर्क अमर सिंह आदि कॉलेज एडमिनिस्ट्रेटिव स्टॉफ़ उपस्थित रहा।

सोनीपत के खरखौदा में बनेगा मारुति सुजुकी का नया प्लांट

सोनीपत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के सोनीपत जिले के खरखौदा में रविवार को डिजिटल तरीके से मारुति सुजुकी के नए वाहन विनिर्माण संयंत्र की आधारशिला रखेंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि गुरुग्राम और मानेसर के बाद राज्य में मारुति सुजुकी का यह तीसरा प्लांट होगा। उन्होंने कहा कि यह हरियाणा की औद्योगिक प्रगति की दिशा में एक अहम पड़ाव साबित होगा।

सीएम खट्टर के हवाले से एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि हरियाणा देश में वाहन विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बन गया है। मौजूदा समय में भारत में जितनी भी कारें बनाई जाती हैं, उनमें से करीब 50 फीसदी का निर्माण हरियाणा में होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मारुति सुजुकी हरियाणा में एक और संयंत्र लगाने जा रही है जिससे राज्य में एक और नया औद्योगिक केंद्र विकसित होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उद्योग को हर तरह की सुविधा मुहैया करवाई है जिसके चलते ही राज्य औद्योगिक केंद्र के तौर पर तेजी से प्रगति कर रहा है।

खट्टर ने कहा कि मारुति कार के अलावा सुजुकी के बाइक विनिर्माण संयंत्र की भी आधारशिला रखी जाएगी। मारुति और सुजुकी के बड़े निवेश से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और राज्य का विकास होगा। इस संयंत्र के लिए भूमि आवंटन के समझौता-पत्रों पर हस्ताक्षर मई महीने में हुए थे।

रघुवर प्रधान को याद कर भावुक हुए अखिलेश यादव

नोएडा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा सुप्रिमो अखिलेश यादव सेक्टर-121 गढ़ी चौखंडी में स्थित नोएडा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में सपा नेता भरत प्रधान के पिता रघुवर प्रधान की प्रतिमा के अनावरण के बाद भावुक नजर आए. उन्होने कहा रघुवर प्रधान चाहते थे कि एक शादी समारोह में शरीक होने के लिए मैं यहां आऊं, लेकिन विडंबना देखिए कि शादी नहीं, बल्कि मैं उनकी प्रतिमा का अनावरण करने के लिए आया हूं।

अपने संबोधन में अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी जमकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि पांच साल तक सरकार चलाने वाले सीएम को ये पता ही नहीं चला कि कौन मंत्री बन गया। उन्होंने कहा कि भाजपा में सब कुछ भी सामान्य नहीं है।

तय समय से तकरीबन एक घंटे से देरी से अखिलेश यादव गढ़ी चौखंडी पहुंचे।

प्रशासन ने उनकी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। अपने संबोधन में अखिलेश यादव ने रघुवर प्रधान को याद किया। उन्होने कहा कि मेरे लिए ये बड़ा भावुक क्षण है। अखिलेश ने कहा कि जो आया है, उसे जाना है। रघुवर प्रधान यहीं हैं।

मॉक विधानसभा सत्र में भाजपा ने खोली केजरीवाल सरकार की पोल

आबकारी नीति को बताया जनता के साथ धोखा, शिक्षा मॉडल भी फेल

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के एक दिन के सत्र से असंवैधानिक ढंग से निष्कासित किए गए भाजपा विधायकों ने आज मॉक विधानसभा सत्र का आयोजन किया। सत्र में भाजपा विधायकों ने आम आदमी पार्टी सरकार की जमकर पोल खोली। खासतौर पर आबकारी नीति और शिक्षा मॉडल में किए गए घपलों पर भाजपा सदस्यों को केजरीवाल सरकार को कटघरे में खड़ा किया। भाजपा सदस्यों ने कहा कि आप सरकार सिर्फ झूठे प्रचार से जनता को धोखा देने की कोशिश कर रही है।

मॉक विधानसभा सत्र का आयोजन जनपथ के डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशल सेंटर में किया गया। सभागार को विधानसभा का ही रूप दिया गया। मॉक विधानसभा सत्र में पूर्व विधायक श्रीमती बरखा सिंह ने स्पीकर की भूमिका अदा की। सदस्यों ने नियम-280 के तहत अपने इलाके की समस्याओं को भी उठाया। विधानसभा को असली जैसा रूप देने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों के मुखौटे पहने लोग भी वहां मौजूद थे। उन्हें भी अपनी बात व्यंगात्मक तरीके से कहने का मौका दिया गया।

भाजपा सदस्यों ने मुख्य रूप से आप सरकार की आबकारी नीति पर कड़े प्रहार किए। नियम-55 के तहत भाजपा सदस्य मोहन सिंह बिष्ट ने 'वर्ष 2021 में लागू की गई दिल्ली की आबकारी नीति में हुए भ्रष्टाचार' विषय पर चर्चा आरंभ की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने राजधानी को शराब की नगरी बना दिया है और ठेकेदारों को 144 करोड़ रुपए की कोविड की आड़ में छूट देकर खुला भ्रष्टाचार किया है। इसके अलावा एयरपोर्ट के ठेकेदार को भी 30 करोड़ रुपए की धरोहर राशि माफ करके खुले रूप से भ्रष्टाचार किया है।

जितेंद्र महाजन ने स्कूलों और धार्मिक स्थलों के समीप खुले शराब के अड्डों पर आपत्ति जताई तो अभय वर्मा ने कहा कि केजरीवाल सरकार स्वराज से शराब तक पहुंच गई है। स्वराज पुस्तक में केजरीवाल ने कहा था कि शराब के ठेके मुहल्ला समितियों और क्षेत्र की महिलाओं की सहमति से खुलेंगे। केजरीवाल दिल्ली को शराब की नगर बनाते हुए सब कुछ भूल गए। अजय महावर ने शराब नीति लागू होने से दिल्ली सरकार के राजस्व में हुई कमी पर रोशनी डाली।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने अपने भाषण में आप सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि नई शराब नीति में मास्टर प्लान का खुलकर उल्लंघन किया गया। मास्टर प्लान के अनुसार नॉन कनफर्मिंग इलाकों में शराब की दुकानें नहीं खुल सकती थीं लेकिन केजरीवाल सरकार ने इसकी परवाह नहीं की।

शराब घोटाला के विरोध में उप मुख्यमंत्री की बर्खास्तगी की मांग को लेकर विरोध पदयात्रा निकाली

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भाजपा पूर्वांचल मोर्चा दिल्ली प्रदेश ने शराब घोटाला के विरोध में उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की बर्खास्तगी की मांग को लेकर विरोध पदयात्रा गौरी शंकर मंदिर चांदनी चौक से फतेहपुरी चौक तक निकाली। यात्रा भाजपा दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता के नेतृत्व एवं मोर्चा अध्यक्ष कौशल मिश्रा के संयोजन में निकाली गई।

प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गोयल देवरहा, चांदनी चौक जिलाध्यक्ष विकेश सेठी, मोर्चा प्रभारी विपिन बिहारी सिंह, सह प्रभारी बृजेश कुमार राय, महामंत्री संतोष ओझा, निर्मल मिश्रा, प्रदेश मंत्री व सोशल मीडिया प्रभारी एस राहुल , कोषाध्यक्ष प्रदीप भैया जी, मीडिया प्रमुख संजय तिवारी, अभय सिंह, कमलेश तिवारी, रेखा सिंह, अखंड मिश्रा सहित प्रदेश, जिला व मण्डल के पदाधिकारी सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे। आदेश गुप्ता ने कहा कि आखिर कब तक केजरीवाल जनता, मीडिया और भाजपा के सवालों से भागते रहेंगे। वे अच्छे स्क्रिप्ट राइटर हो सकते हैं लेकिन जनता की समस्याओं को ना ही विधानसभा में चर्चा करते हैं और ना ही विपक्ष को अपनी बात रखने देते हैं। अपनी तानाशाही के कारण लोकतंत्र की हत्या आखिर कब तक केजरीवाल करेंगे।

आदेश गुप्ता ने कहा कि जनता को आम आदमी पार्टी से विश्वास उठ चुका है और उसकी बौखलाहट केजरीवाल के चेहरे पर साफ दिख रहा है। पिछले सात दिनों से भाजपा सिर्फ एक ही मांग कर रही है कि मुद्दों को भटकाने की जगह केजरीवाल सिर्फ भाजपा द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दें। केजरीवाल के पास भाजपा के सवालों का जवाब नहीं है इसलिए वे सवालों से बचने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आबकारी विभाग द्वारा 25 अक्टूबर को शिकायत के बाद जारी नोटिस पर कार्रवाई क्यों नहीं किया। कमीशन बढ़ाना, ब्लैक लिस्टेड कंपनियों को टेंडर देना, करोड़ों का घोटाला करना ये सारे सवालों का जवाब दिल्ली की जनता जानना चाहती है। पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष कौशल मिश्रा ने कहा कि आज हम एक ऐसी सरकार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं जो कभी ईमानदारी की बड़ी बातें करता था। लेकिन आज उसके सभी मंत्री भ्रष्टाचार में पूरी तरह से डूबे हुए हैं। मोटी कमाई करने के चक्कर में सिसोदिया सभी दुकानों से कमीशन लेते रहे और शराब माफियाओं दिल्ली के युवाओं को नकली शराब परोस उन्हें मौत के मुंह में धकेलते रहे। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि हम सिर्फ सिसोदिया की गिरफ्तारी तक ही नहीं रुकने वाले बल्कि लूट के पैसों को वापस कर दिल्ली के झुग्गीवासी, युवा महिलाओं के विकास के लिए जमा किए जाए।

कौशल मिश्रा ने कहा कि आखिर कब तक केजरीवाल भ्रष्टाचार कर दिल्ली को लूटते रहेंगे। अब उनके द्वारा किए गए पापों का घड़ा भर चुका है और अब समय आ गया है कि ईमानदारी का ढ़ोल पिटना बंद कर केजरीवाल दिल्लीवालों के सवालों का जवाब दें। उन्होंने कहा कि दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य की बात करते-करते युवाओं को नशे में झोंकने का काम केजरीवाल करने लगे क्योंकि शराब से अच्छी कमाई स्कूलों और स्वास्थ्य में नहीं हो पाती।

दक्षिणी दिल्ली में अज्ञात व्यक्ति ने की गोलीबारी, हमले में एक की मौत; दूसरा व्यक्ति घायल

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के नेब सराय इलाके में एक अज्ञात हमलावर द्वारा की गई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया है। घटना शुक्रवार रात की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने कई राउंड गोलियां बरसाई थीं। पुलिस ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि शुक्रवार को रात करीब आठ बजे पुलिस को गोलीबारी की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो राजू पार्क, देवली के पास पुलिस को खून के धब्बे और छह खाली कारतूस सड़क पर पड़े मिले। इससे पहले ही घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया था। डीसीपी (साउथ) बेनिता मैरी जयकर के मुताबिक, पुलिस अस्पताल पहुंची, जहां देवली स्थित बैंक कॉलोनी निवासी कपिल पंवार को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक के शरीर के ऊपरी हिस्से में गोली लगने के कई निशान मिले हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि मृतक को आठ गोलियां लगी थीं। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सही संख्या का पता चलेगा। पुलिस ने बताया कि संगम विहार निवासी प्रमोद नाम के व्यक्ति को भी गोली लगने के कारण अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उसके दाहिने पैर में तीन गोलियां लगी हैं। पुलिस को दिए बयान में घायल प्रमोद ने बताया कि घटना के समय वह पंवार की कार में था। अचानक एक व्यक्ति आया और उसने पंवार पर गोलियां बरसा दीं, जिससे वह भी घायल हो गया। पुलिस ने नेब सराय थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि पुलिस टीम मृतक से संबंधित संदिग्धों और प्रतिद्वंद्वियों की पहचान की कोशिश कर रही है। साथ ही, घटनास्थल के पास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मृतक के शव को एम्स अस्पताल में सुरक्षित रखा गया है।

विदेश मे नौकरी लगवाने का झांसा देकर रूपये ठगने वाले गिरोह के तीन अभियुक्त गिरफ्तार

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नोयडा। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने विदेश मे नौकरी लगवाने का झांसा देकर रूपये ठगने वाले गिरोह के तीन अभियुक्तों आलम पुत्र हमीद निवासी बी-318 डाडन मोहल्ला बदरपुर नई दिल्ली, आरिफ खान पुत्र आसिफ खान निवासी मकान नंबर 406 कच्ची खजूरी गली नंबर 10 नई दिल्ली, मौहम्मद मुबारक अन्सारी पुत्र शहीद अन्सारी निवासी दुर्गवलिया साखोपार थाना कसिया जिला कुशीनगर को थाना क्षेत्र के भोजा मार्किट में सफेद वाली बिल्डिग के द्वितीय तल से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने 102 पासपोर्ट, 16000 रूपये नगद, घटना में प्रयुक्त एक टेलीफोन, सीपीयू, डैक्सटॉप, 41 विजिटींग कार्ड,10 मोहर, एक नेटवर्क कनेक्टर और रजिस्टर बरामद किए हैं।गौरतलब है कि वादी जयनारायण यादव पुत्र शम्भूनाथ यादव ग्राम हड़हा थाना रुद्रपुर इकौना जनपद देवरिया के द्वारा 26 अगस्त 2022 को थाना सेक्टर-20 नोएडा पर सूचना अंकित कराई गई कि भोजा मार्किट सेक्टर-27 नोएडा में कुछ लोगों द्वारा विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर रूपये लेकर धोखाधड़ी करके पासपोर्ट अपने कब्जे में ले लिए गए है। और यह लोग न तो नौकरी लगवा पा रहे है और न ही हमारे पैसो को वापस दे रहे है। इस सूचना पर थाना सेक्टर-20 नोएडा पुलिस द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए अभियोग पंजीकृत कर उपरोक्त तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। अपराधियों द्वारा नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने का यह कार्य 4-5 वर्ष से किया जा रहा था। अभियुक्त यह कार्य अपना मूल निवास स्थान छिपाकर अनाधिकृत रूप से कार्यालय खोलकर जनता के लोगों से धोखाधड़ी कर पैसों को एकत्रित करके कार्यालय बन्द कर फरार हो जाते है।

दिल्ली में 16 वर्षीय स्कूली छात्रा के मर्डर की कोशिश में 2 गिरफ्तार

सोशल मीडिया फ्रेंड ने बनाया था खौफनाक प्लान

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार इलाके में एक 16 वर्षीय लड़की की हत्या के कथित प्रयास के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि मुख्य आरोपी अब भी फरार है। पुलिस ने कहा कि देवली रोड स्थित कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा के कंधे पर गोली लगने से चोट लगी है। पीड़ित लड़की सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्य आरोपी के संपर्क में आई थी, पुलिस ने कहा कि दोनों अलग-अलग समुदायों से हैं।

छात्रा ने पुलिस को बताया कि स्कूल से घर आते समय मोटरसाइकिल पर तीन लोग उसका पीछा कर रहे थे। संगम विहार बी ब्लॉक के पास, उनमें से एक ने उस पर गोली चला दी और तीनों मौके से भाग गए, उसने कहा,

वह एक हमलावर को जानती थी।

छह महीने से बंद थी बात

डीसीपी (साउथ) बेनिता मैरी जयकर ने कहा कि लड़की ने उसकी पहचान अरमान अली के रूप में की और कहा कि वह दो साल से सोशल मीडिया के जरिये उसके संपर्क में थी। उसने करीब छह महीने पहले अरमान अली से बात करना बंद कर दिया था, लेकिन आरोपी अब भी उसका लगातार पीछा कर रहा था।

पुलिस ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब 3.45 बजे संगम विहार में एक लड़की को गोली लगने की सूचना मिली थी।

घटना के संबंध में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और 34 (सामान्य इरादा) के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान संगम विहार के के ब्लॉक से बॉबी नाम के शख्स को गिरफ्तार किया गया। डीसीपी ने बताया कि बॉबी के कहने पर पवन उर्फ सुमित को भी तह इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

अरमान ने बनाई थी हत्या की योजना

डीसीपी ने कहा कि आरोपियों ने पुलिस को बताया कि लड़की दो साल पहले सोशल मीडिया के जरिए अरमान अली के संपर्क में आई थी। हालांकि, उसने लगभग छह महीने पहले उससे बात करना बंद कर दिया था और इसके बाद में अरमान उससे नाराज था। अधिकारी ने कहा कि अरमान ने बॉबी और पवन से संपर्क किया और उनकी मदद से लड़की को मारने की योजना बनाई। पुलिस ने बताया कि उनके पास से दो देशी पिस्तौल, तीन जिंदा और एक खाली कारतूस बरामद किया गया है। अरमान को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। दिल्ली महिला आयोग ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर मामले में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी थी।

संपादकीय

बिहार सरकार को समझना होगा कि यह लोकतंत्र है ना कि लाठीतंत्र

प्रश्न तो यह भी है कि लाठी से पीट कर अधमरा कर देने का अधिकार पुलिस को किसने दिया है। यह अधिकार उसे सरकारें देती हैं। उन्हीं के इशारे पर आंदोलनकारियों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है। इस मामले में बिहार सरकार अपनी जवाबदेही से पल्ला नहीं झाड़ सकती।

बिहार में फिर जंगलराज शुरू हो गया है। नई सरकार बनते ही पुलिस बर्बरता देखने को मिल रही है। लीडरशीप भ्रष्ट हो तो पुलिस-प्रशासन कैसे ईमानदार एवं अनुशासित होगा? छोटे परदे पर तब यह देख कर मन को गहरा असन्तोष हुआ जब एक एडीएम तिरंगा लिए गिरे पड़े एक बेरोजगार युवक को रोजगार की मांग करने पर बेरहमी से पीट रहे थे। देश की सेवक, जनता की रक्षक, अपराधियों को सजा दिलाने वाली, कानून व्यवस्था को बनाये रखने वाली पुलिस की इस तरह की बर्बर, क्रूर एवं खौफनाक छवि कोई नयी बात नहीं है। यह खाकी एवं खादी की मिलीभगत का परिणाम है, इसी खाकी के बल पर खादी वाले धौंसपट्टी जमाते हैं और इसी खादी के बल पर खाकी वाले आपराधिक कृत्यों, घालमेल, आर्थिक अनियमितताओं, कमजोरों पर अत्याचार, दमन, लाठीचार्ज और जमीन से लेकर हर तरह के सौदों में हेरफेर को अंजाम देते हैं। लोकतंत्र के मुखपृष्ठ पर ऐसे बहुत धब्बे हैं, अंधेरे हैं, वहां मुखौटे हैं, गलत तत्त्व हैं, खुला आकाश नहीं है। मानो प्रजातंत्र न होकर सज़ातंत्र हो गया। क्या यही उन शहीदों का स्वप्न था, जो फांसी पर झूल गये थे? व्यवस्था और सोच में व्यापक परिवर्तन हो ताकि अब कोई बेरोजगार रोजगार की मांग करने पर डंडे ना खाये।

पूरी दुनिया में शायद कहीं ऐसी बर्बर, दमनकारी एवं हिंसक पुलिस नहीं होगी, जैसी भारत में है। किसी आंदोलन, धरना-प्रदर्शन से निपटने का उसे एक ही तरीका पता है- दमन और डंडे का। यह हिंसक एवं अत्याचारी प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है। जहां भी कोई आंदोलन सिर उठाता है, पुलिस अपनी लाठी-बंदूक उठा लेती है। बिहार में शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों पर उसका 'शौर्य प्रदर्शन' इसका काला उदाहरण है। सब जानते हैं कि वहां शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में लंबे समय से टालमटोल का रवैया बना हुआ है। राज्य के वर्तमान उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जब विपक्ष में थे तो वे यह दावा करते नहीं थकते थे कि अगर उनकी सरकार होगी, तो शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को तत्काल शुरू करेगी, ताकि राज्य की शिक्षा-व्यवस्था बेहतर हो सके। फिर यह अत्याचार क्यों? पुलिस इतनी निरंकुश बिना राजनीतिक दिशा-निर्देश एवं संरक्षण के हो नहीं सकती कि वो ऐसा कहर बरपाये। रोज-रोज की घटनाओं में आज एक आम आदमी भी अपने अनुभव से जानता है कि ये जनता के रक्षक नहीं बल्कि भक्षक हैं, वर्दीधारी गुण्डे हैं।

बात किसी एक दल या उसकी सरकार की नहीं है, पुलिस की ज्यादतियां हर दल की सरकारों की त्रासद निष्पत्तियां हैं। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में इसी तरह परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर छात्र आंदोलन पर उतरे थे और पुलिस ने बेलगाम अपनी ताकत का प्रदर्शन किया था। उसकी घोर निंदा हुई थी। मगर बिहार पुलिस ने उससे सबक लेना जरूरी नहीं समझा। ठीक वैसा ही बल प्रयोग पटना में किया गया। सरकार अगर कानून-व्यवस्था को लेकर लोकतांत्रिक तौर-तरीका अपनाना चाहती, तो पुलिस इस तरह मध्ययुगीन बर्बरता का खुला प्रदर्शन नहीं करने पाती। आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के बाद भी भारत में बेरोजगारी और भुखमरी की स्थिति विस्फोटक है। सन् 1946 में पांच करोड़ टन अनाज पैदा होता था और आज लगभग 36 करोड़ टन पैदा करके भी हम देशवासियों का पेट नहीं भर पा रहे हैं। दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने की अग्रसर देश अपने बेरोजगार युवकों को रोजगार नहीं दे पा रहा है। औद्योगिक नीति से धुआं उगलने वाले कारखानों की चिमनियों में वृद्धि हुई है पर गरीब के चूल्हे की चिमनी में धुआं नहीं है। भवनों की मंजिलें और बढ़ गईं पर झोंपड़ियों पर छतें नहीं हैं। अन्तराल बढ़ा है, यह सच्चाई है। इससे बड़ी सच्चाई यह है कि इस देश का मजबूर, गरीब एवं बेसहारा आदमी ही पुलिस की बर्बरता का शिकार होता है? लेकिन कब तक? गौरतलब तथ्य यह भी है कि पुलिस हिरासत में अक्सर गरीब लोग ही मारे जाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय शांति के लिए बड़ा खतरा

टेक्नोक्रेट आतंकवाद,या आतंकवादी टेक्नोक्रेट,

वैसे तो उग्रवाद, आतंकवाद और अतिवाद हमेशा से अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए खतरा बने हुए हैं। पहले यह आतंकवादी हाथों में बंदूक, ग्रेनेटो, रॉकेट लांचर लेकर विभिन्न देशों में तोड़फोड़ आगजनी और हत्या की घटनाएं किया करते थे। अब समय के परिवर्तन के साथ साथ आतंकवाद में अब इंटरनेट, मीडिया, सोशल मीडिया ने अपने पैर फैलाना शुरू किए हैं। आतंकवाद के नेटवर्क के लिए इंटरनेट तथा हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का आसानी से उपयोग करने लगे हैं। अमेरिका में जो ट्विन टावर और पेंटागन में हमले हुए थे, उसमें आधुनिकतम टेक्नोलॉजी का उपयोग कर लक्ष्य भेदी विमानों को को भेजा गया था और एक बड़ी विध्वंसकारी घटना को अंजाम दिया गया था। समय और तकनीकी शिक्षा के बढ़ने के साथ-साथ अब उग्रवादी तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर बड़े इंजीनियर तथा सॉफ्टवेयर इंजीनियर इस मैदान में आतंकवादियों के साथ टूट पड़े हैं। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स बड़े ही खतरनाक ढंग से सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल कर जनता को दिग्भ्रमित कर झूठी अफवाहें फैलाकर कई देशों के सूचना तंत्र में सेंध लगाकर वहां की सूचनाएं प्राप्त कर अपने उग्रवादी साथियों को भेज कर खुफिया सूचनाएं भेजते हैं। आतंकवादी गतिविधियों के लिए यह सूचनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। और देशों की शांति के लिए बहुत बड़ा खतरा भी होती हैं। भारत के परिपेक्ष में भारत में बाहर के टेक्निकल शिक्षा प्राप्त किए आतंकवादी जिन्हे व्हाइट कॉलर आतंकवादी भी कहा जाता है। खुफिया तंत्र के हिसाब से यह तकनीकी स्लीपर सेल्स शांति के लिए अन्य आतंकवादियों से ज्यादा खतरनाक होते हैं। क्योंकि इनकी पहचान नहीं हो पाती है। ये छुपे हुए होते हैं। इनका पता लगाना अन्य आतंकवादियों से ज्यादा कठिन होता है और केवल तकनीकी जानकारी के आधार पर ही संभव हो पाता है। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स इसलिए भी ज्यादा विनाशकारी होते हैं, क्योंकि यह दूर ठिकानों में बैठकर मीडिया, सोशल मीडिया, इंटरनेट के जरिए युवाओं को उकसा कर, भड़का कर सांप्रदायिक दंगे कराने में सफल हो जाते हैं। या सोशल मीडिया में झूठी तथा गलत खबरों के जरिए युवाओं को प्रभावित कर सकते हैं। निसंदेह ये अज्ञात होते हैं। लेकिन समूची युवा पीढ़ी को मानसिक रूप से प्रभावित कर उनके विकास की दिशा बदल सकते हैं। ऐसे में सारी खुफिया एजेंसियां हाथ पर हाथ धरे बैठ रह जाती हैं। भारत के परिपेक्ष्य में जम्मू कश्मीर, मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स के लिए एक सॉफ्ट टारगेट होते हैं। यह अपनी तकनीकी ज्ञान के चलते सोशल मीडिया में नाम बदलकर, रूप बदलकर, युवाओं को आम जनता को गलत जानकारी देकर दिग्भ्रमित करते रहते हैं, एवं दंगे भड़काने का काम भी करते हैं। मूलत: ये टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स सफेदपोश होते हैं। एवं आम लोगों के बीच घुल मिल जाते हैं। ऐसे में इनका पता लगाना इन्हें खोजना अत्यंत कठिन हो जाता है। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स देश के सामरिक महत्व की जानकारी अपने उग्रवादी संगठनों को प्रदान करते हैं। इन जानकारियों का आतंकवादी संगठन उग्रवाद के लिए बेहद खतरनाक ढंग से किसी भी देश के खिलाफ कर सकते हैं। भारतीय संदर्भ में यदि जम्मू कश्मीर को लिया जाए तो अब वहां आतंकवादियों ने अपना युद्ध का तरीका बदल दिया है। युद्ध का मैदान नया है, जहां पारंपरिक अथवा हथियारों, सकरी गलियों और जंगली युद्ध के मैदानों के स्थान पर कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर और स्मार्टफोन ने ले लिया है। जिसके फलस्वरूप यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल अपने अपने घरों में बैठकर सड़कों, मैदानों तथा जंगल में युद्ध छेड़ सकते हैं। अपने सूचना तंत्र तथा तकनीकी ज्ञान तथा उपकरणों के दम पर युवाओं तथा आम जनता के मध्य झूठी खबर फैलाकर आतंकवादियों एवं अलगाववादियों संगठनों की मंशा के अनुरूप तोड़ मरोड़ कर परिस्थितियां तैयार कर युवाओं को देश के खिलाफ भड़का कर असामाजिक स्थिति पैदा कर देते हैं। यह सफेदपोश आतंकवादी अधिकारी, नेताओं, व्यवसायियों की गुप्त सूचना प्राप्त कर उन उनको ब्लैकमेल कर धन राशि तथा सूचना एकत्र कर आतंकवादियों की मदद करते हैं।

बंद होते सरकारी स्कूल

-प्रियंका 'सौरभ'

दरअसल सरकारी स्कूल फेल नहीं हुए हैं बल्कि यह इसे चलाने वाली सरकारों, नौकरशाहों और नेताओं का फेलियर है। सरकारी स्कूल प्रणाली के हालिया बदसूरती के लिए यही लोग जिम्मेवार है जिन्होंने निजीकरण के नाम पर राज्य की महत्वपूर्ण सम्पति का सर्वनाश कर दिया है। वैसे भी वो राज्य जल्द ही बर्बाद हो जाते है या भ्र्ष्टाचार का गढ़ बन जाते है जिनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और पुलिस व्यवस्था पर निजीकरण का सांप कुंडली मारकर बैठ जाता है। एक तरफ जहां प्राइवेट स्कूलों की फीस बहुत मंहगी हो गई है, वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूलों में कक्षा आठ तक मुफ़्त शिक्षा दी जाती है जहां अमीर और गरीब दोनों तरह के छात्र एक साथ पढ़ सकते हैं। दूसरा प्राइवेट स्कूलों की किताबें भी बहुत मंहगी होती हैं वही सरकारी स्कूलों में किताबें मुफ़्त में मिलती हैं और सबसे बड़ी बात यह कि सरकारी स्कूलों में जो शिक्षक नियुक्त किये जाते हैं वह राज्य स्तर की चयन परीक्षा उत्तीर्ण करके आते हैं। इस दृष्टिकोण से सोचें तो आज प्राइवेट स्कूलों के मुकाबले सरकारी स्कूलों को बेहतर विकल्प के तौर पर बढ़ाया जाना चाहिए।

शिक्षा वह नींव है जिस पर हम आने वाले पीढ़ी के भविष्य का निर्माण करते हैं। बंद होते सरकारी स्कूल चिंता का विषय हैं क्योंकि सरकारी स्कूल नहीं होंगे तो गरीब बच्चों का भविष्य का क्या होगा? इन स्कूलों को बंद करने का मुख्य कारण सरकार कम बच्चे होना बताया जा रहा है जबकि मुख्य कारण 40000 अध्यापकों के पद खाली हैं जबकि मिडिल स्कूलों को चलाने के लिए गणित विज्ञान, अंग्रेजी , हिंदी, शारीरिक शिक्षा विषयों के शिक्षकों की आवश्यकता होती है लेकिन सरकार ने 8 वर्षों से जानबूझकर अध्यापकों की भर्ती नहीं की जिससे स्कूलों में अध्यापकों के पद रिक्त होते चले गए पद रिक्त होने के कारण एक अध्यापक गणित विज्ञान अंग्रेजी हिंदी सर्विस को पढ़ा रहा था। शिक्षकों के अभाव के चलते हैं स्कूलों में बच्चों की संख्या कम होती चली गई जैसा सरकार चाहती थी क्या योजना के अनुसार वैसे ही हुआ स्कूल में बच्चे कम हो और इन स्कूलों को बंद करने का मौका मिल जाए। प्राइवेट स्कूलों से बेहतर रिजल्ट सरकारी स्कूलों के आ रहे हैं जबकि हरियाणा सरकार सरकारी स्कूलों को बंद करने जा रही है तो बच्चों को अनपढ़ रखना चाहती है और युवाओं को रोजगार नहीं देना चाहती।

दरअसल सरकारी स्कूल फेल नहीं हुए हैं बल्कि यह इसे चलाने वाली सरकारों, नौकरशाहों और नेताओं का फेलियर है। सरकारी स्कूल प्रणाली के हालिया बदसूरती के लिए यही लोग जिम्मेवार है जिन्होंने निजीकरण के नाम पर राज्य की महत्वपूर्ण सम्पति का सर्वनाश कर दिया है। वैसे भी वो राज्य जल्द ही बर्बाद हो जाते है या भ्र्ष्टाचार का गढ़ बन जाते है जिनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और पुलिस व्यवस्था पर निजीकरण का सांप कुंडली मारकर बैठ जाता है। आज निजी स्कूलों का नेटवर्क देश के हर कोने में फैल गया है। सरकारी स्कूल केवल इस देश के सबसे वंचित और हाशिये पर रह रहे समुदायों के बच्चों की स्कूलिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अच्छे घरों के बच्चे निजी स्कूल में महंगी शिक्षा ग्रहण कर रहें और इस तरह हम भविष्य के लिए दो भारत तैयार कर रहें है।

निजी स्कूलों का बढ़ता कारोबार और बंद होते सरकारी स्कूल देश में एक समान शिक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है, उदाहरण के लिए हरियाणा जैसे विकसित राज्य में देश की दो बड़ी राजनीतिक पार्टियां भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पिछले 20 सालों में लगभग सामान रूप से सरकारें बना चुकी हैं, लेकिन राज्य के सरकारी स्कूल आज भी बुनियादी सुविधाओं से कोसो दूर हैं। यहाँ की सरकार अभी सरकारी स्कूली शिक्षा को खत्म करने की चिराग योजना लाई है. अगर आप सरकारी स्कूलों में बच्चे पढ़ाएंगे तो 500? आपको भरने हैं, प्राइवेट में पढ़ाएंगे तो 1100? सरकार आपके बच्चे की फीस के भरेगी. ये किसे प्रमोट किया जा रहा है? सरकारी स्कूली शिक्षा को या प्राइवेट को? इसका सीधा-सा मतलब सरकार मानती है कि वे अच्छी शिक्षा नहीं दे पा रहे और प्राइवेट वाले उनसे बेहतर हैं? लेकिन चुनाव के समय अच्छी शिक्षा के लिए जनता से वादे तो किये जाते हैं लेकिन राज्य के विद्यालयों की स्थिति के आंकड़े दिखाते हैं कि सरकारी स्कूलों पर कुछ ख़ास ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके चलते विद्यार्थिओं का नामांकन कम हो रहा है, और अंत में कम नामांकन के चलते स्कूल बंद कर दिया जाता है।

दरअसल शिक्षा के माफिया स्कूली शिक्षा को एक बड़े बाज़ार के रूप में देख रहे हैं, जिसमें सबसे बड़ी रुकावट सरकारी स्कूल ही हैं। इस रुकावट को तोड़ने के लिए वे आये दिन नई-नई चालबाजियों के साथ सामने आ रहे हैं जिसमें सरकारी स्कूलों में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप वयवस्था को लागू करने पर जोर दे रहें है। शिक्षा की सौदेबाजी के इस काम में नेताओं और अफसरशाही का भी समर्थन मिल रहा है जो सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने में मदद करते है और चाहते है कि यह व्यवस्था दम तोड़ दे निजीकरण इस व्यस्था को अपने आगोश में लें ले। यही कारण है कि राज्य सरकारें प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, ज़रूरी आधारभूत सुविधाओं की कमी, बच्चों की अनुपस्थिति और बीच में ही पढ़ाई छोड़ देने के मसलों पर सरकार कोई जोर नहीं देती। आपको हैरानी होगी कि हरियाणा में पिछले दस सालों में प्राथमिक शिक्षकों की कोई भर्ती नहीं गई और वहां के लाखों छात्र अपनी योग्यता को साबित कर एचटेट की दस-दस बार परीक्षाएं उत्तीर्ण कर चुके है। इससे यही साबित होता है कि सरकार राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर जोर नहीं देना चाहती।

हमें सबके लिए एक समान स्कूल की बात करनी होगी। लेकिन, यह बात इतनी सीधी नहीं है। वैसे भी सावर्जनिक स्कूल तभी अच्छे तरीके से चल सकतें है जब इसके संचालन में समुदाय और अभिभावकों की भागीदारी हो। आज ग्रामींण क्षेत्र के ज्यादार सरकारी स्कूल बच्चों के अभाव में बंद होने के कगार पर है। लोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूल की बजाय पीले वाहनों में भेज रहें है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए समुदाय की सक्रिय भागीदारी ज़रूरी है लेकिन इस दिशा में सबसे बड़ी समस्या संसाधन सम्पन्न अभिभावकों का निजी स्कूलों की तरफ झुकाव है। सरकारी स्कूल के शिक्षक खुद अपने बच्चों को निजी स्कूल में भेज रहे है। ऐसे में वो बाकी लोगो को कैसे प्रेरित कर पाएंगे। दरअसल हमारे सरकारी स्कूल संचालन/प्रशासन, बजट व प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी और ढांचागत सुविधाओं पर खरे उतरने में नाकाम रहे हैं जिससे लोगों का ध्यान सरकारी स्कूलों से हटकर निजी स्कूलों की तरफ पर केंद्रित हो गया हैऔर दूसरा शिक्षा माफियों ने इसे मौका समझकर अपना धंधा बना लिया है। इन माफियों में बड़े-बड़े नौकरशाह और नेता खुद किसी न किस तरह हिस्सेदार है। ऐसे में वो एकदम सरकारी स्कूलों की दिशा और दशा सुधारने के प्रयास नहीं करना चाहते।

ऐसे में एक उम्मीद न्यायपालिका से ही बचती है। वर्तमान दौर में देश भर में शिक्षक पात्रता उत्तीर्ण युवाओं की कोई कमी नहीं है। लेकिन वो नौकरी के अभाव में बेरोजगार है और देश हित में योगदान देने में असमर्थ है। केंद्र सरकार और न्यायपालिका को शिक्षा के निजीकरण पर पूर्ण पाबंदी लगानी चाहिए और देश में सबके लिए एक समान शिक्षा की पहल को पुख्ता करना चाहिए।

तुरंत फैसला लेते हुए अब सरकारी स्कूलों में अध्यापक और छात्र अनुपात को घटाया जाये। ये फैसला बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में भी सहायक होगा। सभी निजी स्कूल सरकार के अधीन कर नयी शिक्षक भर्ती करें ताकि देश भर के प्रतिभाशाली शिक्षक हमारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करें। पहले से चल रहें निजी स्कूल सरकार के लिए एक विकसित व्यस्था का काम करेंगे। सरकार को कोई इमारत और अन्य सामान की व्यवस्था में कोई दिक़्क़त नहीं होगी। केवल अपने अधीन कर नए शिक्षक भर्ती करने होंगे। इस कदम से भविष्य में एक भारत का निर्माण होगा, सबको एक समान शिक्षा मिलेगी, गुणवत्ता सुधरेगी, युवाओं की बेरोजगारी घटेगी और शिक्षा माफिया खत्म होंगे।

अभिभावकों का मानना है कि शिक्षा के लिए ज़रूरी सुविधाएँ जैसे कंप्यूटर, शिक्षकों की उचित संख्या, पीने के पानी की उपलब्धता, आदि सरकारी स्कूल की तुलना में निजी स्कूलों ज़्यादा अच्छी होती हैं। अगर सरकारी स्कूलों में भी अच्छी सुविधाएं सरकार उपलब्ध कराये तो हम या कोई भी व्यक्ति प्राइवेट स्कूलों में इतनी ज़्यादा फीस क्यों देना चाहेगा? आज सरकारी स्कूलों में अधिकांश गरीब परिवार के बच्चे होते हैं, वो बच्चे जिनके पास सरकारी स्कूल के अतिरिक्त कोई दूसरा विकल्प नहीं होता।

सरकारी स्कूलों में उचित सुविधाओं के ना होने के कारण सरकारी स्कूलों में लगातार नामांकन कम होते जा रहे हैं। सरकार स्कूलों को बंद करने के पीछे घटते नामांकन को जिम्मेदार ठहराती है। लेकिनबंद हुए सरकारी स्कूलों की संख्या यह दर्शाती है कि घटते नामांकन के पीछे सिर्फ पलायन ही कारण नहीं है। आज भी चुनाव के समय अच्छी शिक्षा के लिए जनता से वादे तो किये जाते हैं लेकिन राज्य के विद्यालयों की स्थिति के आंकड़े दिखाते हैं कि सरकारी स्कूलों पर कुछ ख़ास ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके चलते विद्यार्थिओं का नामांकन कम हो रहा है, और अंत में कम नामांकन के चलते स्कूल बंद कर दिया जाता है।

राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन 25-26 अगस्त 2022 संपन्न

वैश्विक स्तरपर हर देश अपने अपने स्तरपर आंतरिक वैश्विक या सामूहिक परिस्थितिकी जन्य विपत्तियों, परेशानियों से जूझकर कर अपने देश की निरंतरता बनाए रखने के लिए संघर्षत है। हाल में कोविड महामारी, यूक्रेन रूस युद्ध इत्यादि वैश्विक प्रैक्टिकल स्थितियों से उत्पन्न स्थिति, पड़ोसी मुल्कों से वाद-विवाद, अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से सामंजस्य, विभिन्न ट्रिटियों का पालन सहित घरेलू अस्वस्थ माहौल भी हर देश के लिए चुनौती बने हुए हैं और इन चुनौतियों से निपटने के लिए एक आवश्यक अस्त्र उस देश की सुदृढ़ अर्थव्यवस्था बनाए रखना होता है, जिसके लिए श्रम एक महत्वपूर्ण पहलू होता है। श्रम बिना सुदृढ अर्थव्यवस्था की कल्पना निराधार है, क्योंकि श्रम किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का मजबूत पहिया होता है क्योंकि राष्ट्र के विकास में श्रमेव जयते की उतनी ही अहमियत है जितनी सत्यमेव जयते की और चूंकि भारत में 25 से 26 अगस्त 2022 तक राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें माननीय पीएम महोदय ने भी वर्चुअल संबोधित किया इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से श्रम पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम 25-26 अगस्त 2022 तक दो दिन चले राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन की करें तो, केन्?द्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय 25-26 अगस्त 2022 को तिरुपति,आंध्र प्रदेश में दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्?मेलन विभिन्न महत्वपूर्ण श्रम संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सहकारी संघवाद की भावना से आयोजित किया गया था। यह केन्?द्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर नीतियां बनाने और श्रमिकों के कल्याण के लिए योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में और तालमेल बनाने में मदद करेगा। इस सम्मेलन में अन्?य मुद्दों के अलावा सामाजिक सुरक्षा को सार्वभौमिक बनाने के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का समावेश करके उन्हें ई-श्रम पोर्टल के साथ एकीकृत करने संबंधी चार विषयगत सत्र संपन्न हुए, राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे ईएसआई अस्पतालों के माध्यम से चिकित्सा देखभाल में सुधार के लिए स्वास्थ्य से समृद्धि और पीएमजेएवाई से एकीकरण चार श्रम संहिताओं के तहत नियम तैयार करना और उनके कार्यान्वयन के तौर-तरीके, विजन श्रमेव जयते ञ्च 2047 काम की ओर न्यायसंगत और समान परिस्थितियों पर ध्यान देने के साथ, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों सहित सभीश्रमिकों कोसामाजिक सुरक्षा, काम पर लैंगिक समानता शामिल है।

साथियों बात अगर हम श्रम के अर्थ को समझने की करें तो इसको तीन प्रकार से विभाजित किया जा सकता है(1)शारीरिक और मानसिक श्रम(2)कुशल और अकुशल श्रम (3)उत्पादक और अनुत्पादक श्रम ।अर्थशास्त्र में,श्रम शब्द का व्यापक अर्थ है। इसका मतलब केवल मैनुअल श्रम नहीं है। इसमें मानसिक कार्य भी शामिल है ।इस प्रकार यह मजदूरों इंजीनियरों, क्लर्कों, टाइपिस्टों, प्रबंधकों, पुलिसकर्मियों और अन्य सरकारी अधिकारियों, शिक्षकों, वकीलों, घरेलू नौकरों आदि के काम को स्वीकार करता है ।सभी प्रकार के काम अर्थशास्त्र में श्रम के अंतर्गत आते हैं, बशर्ते कि यह पैसे के लिए किया जाए। लेकिन मानसिक श्रम जिसमें मस्तिष्क लगाया जाता है या शारीरिक थकान की तुलना में मानसिक थकान अधिक होती है,उदाहरण के लिए, अधिवक्ता, शिक्षक, डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट आदि का कार्य। जबकि अकुशल श्रम वह कार्य जिसमें विशेष ज्ञान, प्रशिक्षण या सीखने की आवश्यकता नहीं,उदाहरण के लिए; रिक्शा चालक, प्लेटफार्म पर सामान ढोने वाले कुली का काम अकुशल कहलाता है। एक कुशल श्रमिक का पारिश्रमिक सामान्य रूप से अकुशल श्रमिक की तुलना में अधिक होता है।

साथियों बात अगर हम श्रमिकों के प्रति नजरिए की करें तो, नजरिया अगर सम्?मानजनक हो तो श्रम योगी बन जाते हैं 'राष्ट्र योगी' और 'राष्ट्र निर्माता।'कहमें श्रमिकों की नजर से ही श्रम मुद्दों को देखना चाहिए। श्रमेव जयते पहल से विश्वास बढ़ेगा, युवाओं की काबिलियत बढ़ेगी और व्यवसाय करना आसान होगा।

नई पीढ़ी के हाथों में पत्रकारिता सिर्फ़ एक जोश/स्टाइल/ ग्लैमर/उपहास/अल्पज्ञ,,,??

सलाहकार संपादक

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

बहुत खुशी होती होती है जब फील्ड में नए चेहरे देखने को मिलते हैं। विशेषकर सोशल वेब प्लेट फॉर्म पोर्टल व इलैक्ट्रानिक/प्रिंट मीडिया से जुड़े उन तमाम साथियों से मिलकर और उनकी रिपोर्टिंग देखकर कभी-कभी तो ऐसा लगता है। मानो, हम बुढ़े हो गए हैं या फिर नये हैं. ! दैनिक देश और दुनिया की ख़बर तो रोज लिखते हैं। खैर.. दैनिक चलने वाली कलम से सलाह/सहयोग/सहानुभूति/संबोधन सर्व नवीन पत्रकारिता क्षेत्र में कदम रख रहे उन युवाओं की गंभीरता हेतु आलेख। जो अपना जीवन लक्ष्य पत्रकारिता क्षेत्र को चुनते हुए अपने कदम एक चुनौती भरे सफ़र पत्रकारिता की ओर अग्रदूत की भांति अग्रेषित कर रहे हैं।

हाँलाकि.. स्वयं को संपन्न नहीं समझना चाहिए। लेकिन, फिर भी कुछ नया सिखने की ललक जुनियर/सीनियर से भी होनी चाहिए। पत्रकारिता क्षेत्र में कदम रख रहे उन सभी युवाओं के लिए एक छोटा सा संदेश जरुर दे रहा हूँ। जब-जब ऐहसास होता है। कोई अपना/पराया है और उन्हें इस मार्ग की सटीक जानकारी नहीं तो, मदद से कदम पिछे नहीं हटाने चाहिए। लेकिन हाँ, इगो से भरपूर मानसिक प्रतिक्रिया देने वाले व नज़र अंदाजी/अनसुनी/अनदेखा करने वालों से सख्त नफरत स्वभाव स्वभाविक बनने लगता है। लेकिन, किसी बात को तोड़ना, मरोड़ना नहीं बल्कि, सीधा, सटीक, सच्चाई से उन्हें उजागर करना पत्रकारिता का का असली मकसद होता है। जहाँ अन्याय/झूठ/अधर्म दिखाई दे वहाँ, आवाज़ उठाए बिना नहीं रहना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सरल स्वभाव, सच्चाई, सहयोग की मानसिकता रखने वालों के लिए प्राण भी हाजिर होने चाहियें। उनके लिए जितना संभव हो मानसिक, शारीरिक, आर्थिक सहयोग बनता हो, वह अवश्य करना चाहिए।

पत्रकारिता पर जितना लिखें उतना कम होगा लेकिन, पोस्ट बढ़ा हो जाएगा किंतु छोटा लिखने का प्रयास किया है। उन तमाम युवाओं के लिए दैनिक लिखने वाली कलम से संबोधन पैगाम सिर्फ इतना है कि, जर्नलिज्म एक पैशन है। अगर आपके भीतर ज़ज्बा है अगर आप करना चाहते हैं तो खाना-पीना भूल जाइए सोना-जागना भूल जाइए और याद रखिए आपका लक्ष्य क्या है। आपका मीशन क्या है। आपका गोल क्या है। जर्नलिज्म कोई एक चीज़ से नहीं जुड़ा इसकी श्रंखलाएं अशेष हैं।

आज के युवा सोचते हैं रिपोर्टर बन जाएं तो बहुत अच्छा हो जाएगा, एंकर बन जाएं तो बहुत अच्छा हो जाएगा, प्रोड्यूसर बन जाएं तो बहुत अच्छा हो जाएगा। लेकिन, अच्छा मीडिया पर्सन वह होता है। जिसके लॉजिस्टिकस बहुत अच्छे हों। अगर बात करें हमारे दौर की तो उस वक्त एक रिपोर्टर को सोचना होता था कि, मेरी ओबी वैन नहीं है तो सबसे पहले लाइव पीक्चरस कैसे पहुंचाउंगा। खैर यह हमारे बीते पन्द्रह वर्षों या दो दशक पहले होता था। जब इतना सोशल मीडिया सक्रिय नहीं था। उस वक्त मोबाइल भी सामान्य सा होता था। जिसमें सिर्फ संपर्क और संदेश ही उपयोग होते थे। इंटरनेट मोबाइल में उपलब्ध नहीं था।

वर्तमान युग में फॉर-जी, फाइव-जी का जमाना है। अब तो प्रत्येक एप्लीकेशन में लाइव विकल्प आपको नज़र आता है और पलक झपकते ही आप पूरी दुनिया से जुड़ जाते हैं। बैरहाल, भारतीय हिन्दी पत्रकारिता और मीडिया जगत को लेकर यह आलेख उन युवा पीढ़ी के लिए लिखा है। जो इस क्षेत्र में अपना कैरियर चुन रहे हैं। उनके लिए यह स्पष्ट रुप से लेख के माध्यम से बता रहा हूँ कि यह क्षेत्र एक चुनौती से भरपूर है। मीडिया कैरियर चयन करना मानो सागर में छलांग लगाना जैसा है। जिसमें गहराई का कोई पता नहीं जो अथाह है। तैराकी में निपुण होना अत्यंत आवश्यक है। यदि आपके भीतर सच्चाई को सामने लाने का हुनर/ज़ज्बा है और आप निडर/निष्पक्ष तर्क संवाद में निपुण हैं, फ़िर आपके लिए पत्रकारिता क्षेत्र में गुलाब के गुलाबी व गैंदे के पीले फूलों से सम्मान सहित अभिनंदन है।

वैसे,, एक नज़र से देखा जाए तो आजकल सोशल मीडिया के अधिक सक्रिय होने से हर कोई स्वमं को पत्रकार समझ बैठा है। असलियत यह है कि, कुछ लोग इस क्षेत्र से अनुभवहीन हैं और ना तो उनके पास कोई डिग्री या डिप्लोमा होता है और न ही संपूर्ण जानकारी इतना ही नहीं वह समाज को पथ भ्रामक जानकारी से अवगत कराकर एक अफ़वाह और हिंसा का माहौल उत्पन्न कर देते हैं।

हाल ही में, फरवरी माह से पहले मशहूर गायिका और सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के निधन की ख़बरे बिना पूरी जानकारी के अफवाह स्वरूप फैलाई गई। जबकि, मशहूर गायिका लता मंगेशकर का इलाज़ अस्पताल में चल रहा था और हेल्थ बुलेटिन अनुसार ख़बर जगत में उनकी हालात नाजुक बताई जा रही थी। इससे पूर्व भाजपा के वरिष्ठ सम्मानित नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह बाबू के निधन की ख़बरें अफवाह स्वरूप फैलाई गई। जबकि उनका भी अस्पताल में इलाज चल रहा था। जब वह जिवित थे। ऐसी अफ़वाहों को तेज़ी से फैलाना उन उभरते युवाओं द्वारा ऐसा हुआ है। जो अल्पज्ञ व अधूरी जानकारी और बिना सोचे-समझे-विचार किए बगैर उस पर ध्यान दे देते हैं। इसी प्रकार अन्य किसी संदिग्ध गंभीर मामलों की ख़बर को बिना पुष्टि किए उनको फैलाना, जिसका खामियाजा केन्द्र व राज्यों की सरकारों को भुगतना पड़ता है। इसलिए ख़बर की पुष्टि बिना उसको सार्वजनिक करना एक दण्डनीय अपराध की श्रेणी में गिना जाता है।

फिल्हाल.. जिक्र पत्रकारिता को लेकर सिर्फ इतना है कि, यदि आप पत्रकारिता क्षेत्र में हैं या अपना कैरियर इसमें चुन रहे हैं तो सच्चाई को सामने अवश्य रखिए। माना कि, मज़बूर क़लम कभी, मज़बूत नहीं हो सकती। लेकिन, निष्पक्षता का ध्यान रखते हुए सामाजिक दृष्टि को सटीक आईना दिखाना आपका विशेष और अहम कर्तव्य है। स्वयं सजग रहते हुए राष्ट्रीय हित में कार्य करने की मनोइच्छा को मनोबल देने के लिए रोजाना सुबह दस मीनट के लिए समय निकालें और योगा-प्रणायाम करें. ! चुंकि, पत्रकारिता क्षेत्र में तनाव की कोई गिनती नहीं, कोई सीमा नहीं यह एक ऐसा क्षेत्र है जो चुनौतियों के साथ-साथ मानसिक तनाव से भरपूर है और नहीं चाहते हुए स्वभाविक मानसिक तनाव से गुजरना होता है।

यकीन कीजिए...मानो तो गंगा माँ है और न मानो तो बहता पानी है। एक श्रेष्ठ मिडिया व्यक्तित्व वह है जिसके पास भूतकाल से लेकर भविष्यवाणियाँ की जानकारी से जो सराबोर हैं।

शार्ट न्यूज

आगरा : चंबल में बाढ़ का 137.60 मीटर नया रिकार्ड, घटने लगा पानी

आगरा। चंबल में आई बाढ़ ने चंबल पट्टी के 21 गांव में तबाही मचा दी है। जनजीवन अस्तव्यस्त कर दिया है। बाढ़ में जरूरी सामान सहित लोगों के मकान तक डूब गए हैं। 26 साल बाद नदी में 26,439,50 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हुआ है। इससे पिनाहट पर जलस्तर गुरुवार रात तीन बजे 137.60 मीटर तक पहुंच गया। छह घंटे तक पानी नदी में स्थिर रहा। उसके बाद दस सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जलस्तर गिरना शुरू हो गया है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के मुताबिक मंगलवार को कोटा बैराज से 12 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। राजस्थान और मध्यप्रदेश की बारिश से तीन नदियों का पानी भी चंबल में गिरना शुरू हो गया था। 24 अगस्त रात दो बजे से पिनाहट पर जलस्तर तेजी से बढ़ना शुरू हो गया। हालात ये हो गए कि गुरुवार शाम सात बजे 24 अगस्त 1996 का रिकार्ड तोड़कर पानी 137 मीटर पहुंच गया। रात तीन बजे जलस्तर 137.60 मीटर हो गया। इसके बाद चंबल थम गई। शुक्रवार सुबह नौ बजे तक जलस्तर में कोई वृद्धि नहीं हुई। दस बजे के बाद पानी धीरे-धीरे उतरना शुरू हो गया। शुक्रवार शाम सात बजे जलस्तर 136.70 मीटर पर था। यानि की खतरे के निशान से पानी 6.70 मीटर ऊपर बह रहा था। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दस सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पानी उतर रहा है। रात 12 बजे के बाद तेजी से पानी उतरेगा।

नौकर ने किशोरी को बंधक बनाकर किया रेप

गोरखपुर। गोरखपुर में एक किराना व्यापारी के नौकरी ने घर में एक किशोरी के साथ रेप हो गया। आरोप है कि व्यापारी के नौकर ने एक किशोरी को बंधक बनाकर इस वारदात को अंजाम दिया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के साथ ही मोबाइल छीन लिया। वारदात के बाद घर पहुंचकर किशोरी ने अपने परिवारीजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिवार के लोग उसे लेकर कोतवाली पहुंचे और आरोपी नौकर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। आरोपित बिहार के मुजफ्फरपुर का रहने वाला है। पुलिस ने उसके खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली क्षेत्र में रहने वाले व्यापारी परिवार के साथ पूजा के लिए राजस्थान गए हुए हैं। घर की रखवाली नौकर मुजफ्फरपुर (बिहार) के गायघाट क्षेत्र स्थित दहिया गांव निवासी रंजीत पटेल को दे गए थे। व्यापारी के घर पर कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली किशोरी काम करती है। गुरुवार की शाम चार बजे वह घर की सफाई और बर्तन धुलने पहुंची। आरोप है कि घर पर किसी के न होने पर रंजीत ने छेड़खानी शुरू कर दी। आरोप है कि किशोरी ने विरोध किया तो उसे बंधक बनाकर रंजीत ने जबरन रेप किया। इस दौरान उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया।

मैनपुरी में 12 साल की बच्ची से गैंगरेप

मैनपुरी। मैनपुरी में एक 12 साल की बच्ची के साथ 6 लोगों ने गैंगरेप किया। बच्ची परिवार को मक्के के खेत में खून से लथपथ मिली थी। उसके कपड़े फटे थे। शरीर पर कई खरोंच के निशान थे। बच्ची के चाचा ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। उसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। मामला शुक्रवार रात 9 बजे का किशनी थाना क्षेत्र के एक गांव का है। बच्ची के चाचा ने बताया, गांव में हम लोगों ने एक मकान बनवाया है। हमारी बच्ची शाम को 8 बजे के करीब वहीं गई थी। जब वह घर नहीं लौटी, तो हम लोग उसको देखने अपने मकान गए। मगर, वहां पर बच्ची नहीं मिली। उसके बाद हम लोगों ने उसकी गांव में तलाश शुरू की। करीब 1 घंटे बाद हम लोग बच्ची को ढूंढते घर से करीब 500 मीटर दूर एक मक्के के खेत की तरफ बढ़े। वहां से गांव के 6 लड़के निकल रहे थे।

कन्नौज में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

कन्नौज। कन्नौज में शनिवार सुबह युवक का शव पेड़ पर फांसी से लटकता दिखाई दिया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना चौकी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने हत्या कर शव लटकाने के आरोप लगाया है। मामला सदर कोतवाली की मानीमऊ चौकी क्षेत्र के नेरा गांव का है। यहां एक युवक का शव पेड़ पर फांसी के फंदे से लटकता दिखाई दिया। खेत में काम करने जा रहे ग्रामीणों ने शव पेड़ पर लटकता देख पुलिस को सूचना दी। मामले की जानकारी मिलते ही गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने मृतक की पहचान नेरा के रामकिशोर के 26 वर्षीय पुत्र सोनू के रूप में की। मानीमऊ चौकी प्रभारी जसवंत सिंह ने पुलिस कर्मियों के साथ गांव पहुंच कर शव पेड़ से उतरवाया और पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोनू के परिजनों ने हत्या कर शव फांसी पर लटकाए जाने के आरोप लगाए हैं। सोनू की शादी करीब तीन वर्ष पहले हुई थी। परिवार के भरण-पोषण के लिए वह गुजरात चला गया था। छुटटी लेकर कुछ दिन पहले ही आया था। रात में किसी बात को लेकर पत्नी से उसकी कहासुनी हो गई थी। इसके बाद घर के सभी सदस्य सो गए थे। सुबह उठे तो सोनू लापता था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे।

बिजनौर में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

बिजनौर। बिजनौर में चौथे शनिवार को सभी थानों में समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस मौके पर जिला अधिकारी उमेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह कोतवाली शहर पहुंचे वहां पर पहुंचकर शिकायतों को सुना। 2 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। साथ ही अन्य शिकायतों को सुनकर टीमें लगाकर जल्द निस्तारण के अधीनस्थों को निर्देश दिए। जमीन से संबंधित आई शिकायतों में राजस्व व पुलिस विभाग की टीमें लगाकर उनका निस्तारण किया गया। इस मौके पर जिला अधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया कि आज संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया जा रहा है। जिसमें जमीनों से संबंधित विवादों को सुना जा रहा है। इन विवादों का कुछ का मौके पर निस्तारण किया जा रहा है। बाकी के लिए कुछ टीमें लगाकर जल्द समाधान किया जायेगा।

राजनाथ लखनऊ में करेंगे 158 योजनाओं का लोकार्पण व शिलांयास

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के तीन दिवसीय दौरे के दूसरे दिन शनिवार को 185 करोड़ से अधिक की 158 योजनाओं का लोकार्पण और शिलांयास करेंगे। इस कार्यक्रम में रक्षामंत्री के साथ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक , ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री जितिन प्रसाद भी मौजूद रहेंगे। प्रदेश सरकार की छह माह में ग्रामीण इलाकों में 10 हजार निर्माण इकाईयां लगाने की तैयारी है जिसके कारण लगभग पांच लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। बडे कारोबारियों और डिफेंस कॉरिडोर से जुड़ी बड़ी बड़ी कंपनियों को भी इस योजना से जोड़े जाने की योजना है। लखनऊ जिलाधिकारी के प्रस्ताव पर कार्ययोजाना को अपर मुख्य सचिव एमएसएमई नवनीत सहगल ने पहले ही सहमति दे दी है और इससे निर्माण इकाइयों के लिए निवेशकों को सब्सिडी दिये जाने का रास्ता भी खुला गया है। इसके तरह पुरूष निवेशकों को 25 जबकि महिला निवेशकों को 35 प्रतिशत सब्सिडी दी जायेगी। इन परियोजनाओं की मदद से लखनऊ प्रदेश का पहला औद्योगिक जिला बन पायेगा।

बांदा में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया

बांदा। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड इलाके में बेतवा, यमुना एवं केन नदियों की बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में बचाव व राहत कार्यों की निगरानी के लिये चित्रकूट धाम मंडल के मुख्यालय बांदा में शासन की ओर से एक बाढ़ नियंत्रण कक्ष शुरु किया गया है। चित्रकूट धाम मंडल के आयुक्त आरपी सिंह ने शुक्रवार को बताया कि केन, बेतवा व यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। ऐसी स्थिति में मंडल मुख्यालय बांदा में एक बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। जिसका दूरभाष नंबर 285659 है। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम के निरंतर क्रियाशील रहने हेतु एक प्रभारी व उसके 2 सहायक नियुक्त किए गए हैं। प्रभारी अधिकारी कंट्रोल रूम से संकलित बाढ़ की सभी सूचनाएं अपर आयुक्त प्रशासन के माध्यम से उन्हें उपलब्ध कराएंगे। जिसके बाद तत्काल आवश्यक कार्रवाई होगी।

योगी ने किया गाजियाबाद में आवासीय योजनाओं का निरीक्षण

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गाजियाबाद में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों के लिये सस्ते आवास के निर्माण की तीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री योगी अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक गाजियाबाद के प्रताप विहार स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणीधन मकानों की गुणवत्ता जांचने के लिए पहुंचे। इससे पहले उन्होंने शुक्रवार को देर रात में शहर की राजनगर एक्सटेंशन सोसाइटी में अचानक पहुंच कर लोगों से मुलाकात की।

गौरतलब है कि योगी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दो दिन के प्रवास पर कल मेरठ और हापुड़ के दौरे पर थे। पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक उन्हें रात्रि विश्राम गाजियाबाद में करना था। रात को लगभग 11:30 बजे योगी राजनगर एक्सटेंशन स्थित एक आवासीय सोसाइटी में पहुंच गये। यहां उन्होंने स्थानीय लोगों से अनौपचारिक बातचीत कर उनका हाल चाल लिया। इस दौरान उन्हें बच्चों ने घेर लिया। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ बातचीत की और बच्चों ने योगी के साथ सेल्फी भी ली।

योगी ने सुबह गाजियाबाद में विभिन्न आवासीय परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस क्रम में वह सबसे पहले गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा प्रताप विहार में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाये जा रहे सस्ते घरों के निर्माणकार्य का जायजा लिया। गौरतलब है कि इस योजना के तहत यहां 720 ईडब्ल्यूएस मकानों का निर्माण कार्य चल रहा है। इसे अगले साल 30 जून तक पूरा किया जाना है।

इसके बाद मुख्यमंत्री योगी ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत बन रहे ईडब्ल्यूएस फ्लैट के एक सैंपल आवास का भी निरीक्षण किया।

गौरतलब है कि गाजियाबाद प्रशासन ने निरीक्षण के लिये 21 परियोजनाओं की सूची दी थी। इसमें योगी ने 03 परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद वह बुलंदशहर के लिये रवाना हो गये।

आर्थिक निर्भरता के लिए कार्य का सम्मान ज़रूरी: विवेक

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित बुंदेलखंड विश्वविद्यालय (बुंविवि) में उद्यमिता एवं नवाचार विषय पर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के विशेष गृह सचिव विवेक ने कहा कि जिज्ञासा शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। इसके साथ हीवैचारिक स्तर पर चेतना एवं स्वभाव में विनम्रता ऐसे गुण हैं जिससे छात्र समाज में अपनी उपयोगिता सिद्ध कर सकता है।

यहां विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन इन्नोवेशन काउंसिल और महिला अध्ययन केंद्र द्वारा उद्यमिता एवं नवाचार विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन गांधी सभागार में किया गया। इस अवसर पर श्री विवेक ने कहा कि जिज्ञासा शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही वैचारिक स्तर पर चेतना एवं स्वभाव में विनम्रता ऐसे गुण हैं जिससे छात्र समाज में अपनी उपयोगिता सिद्ध कर सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पूर्व कालिक वर्ण व्यवस्था की जगह वर्ग व्यवस्था ने ले ली है। वर्गीय मानसिकता को बदलने के लिए प्रत्येक कार्य को सम्मान पूर्वक रूप से देखना होगा। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। स्वागत उद्बोधन महिला अध्ययन केंद्र की संयोजक डॉ अचला पांडे एवं विषय की प्रस्तावना प्रोफेसर डी के भट्ट ने रखी। इसके साथ ही कुलसचिव विनय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक राजबहादुर, आईआईसी संयोजक प्रोफेसर एमएम सिंह ने भी छात्रों को संबोधित किया।

वाराणसी के डाक्टर ने विकसित की घुटना रोग के उपचार की सस्ती प्लेट

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक अस्थिरोग विशेषज्ञ ने घुटने संबंधी रोगों के उपचार के लिए एक सस्ती स्वदेशी प्लेट एचटीओ (हाई टिबेल ऑस्टेओटॉमी) विकसित की है। इसके उपयोग से घुटना प्रत्यारोपण अथवा जोड़ों को बदलने जरूरत नहीं पड़ेगी। नगर के वरिष्ठ आर्थोपेडिक सर्जन डॉ अजीत सैगल द्वारा विकसित इस एचटीओ प्लेट का 100 से अधिक मरीजों पर सफल परीक्षण किया जा चुका है। इसके बाद केंद्र सरकार की ओर से इसका पेटेंट जारी किया गया। डॉ सैगल ने शनिवार को बताया कि 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत विकसित की गयी यह प्लेट पुराने गठिया मरीजों के उपचार में भी कारगर सिद्ध हुई है। मरीजों में ऑपरेशन के जरिये प्लेट के लगाने से जोड़ों को बदलने की जरूरत नहीं पड़ती है। टेढ़े पांव के रोग से ग्रस्त मरीजों के लिए भी यह बहुत उपयोगी साबित होगी। प्लेट की कीमत कम होने से मध्यम वर्गीय मरीज के साथ ही आयुष्मान भारत जैसी योजना से जुड़े गरीब लोगों को इसका लाभ मिल सकता है।

प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक की हुई जमकर पिटाई मौत

शाहगंज में देर रात प्रेमिका से मिलने गया था युवक, मामले की जांच में जुटी आजमगढ़ पुलिस

आजमगढ़। आजमगढ़ के सरायमीर थाना क्षेत्र के रहने वाला युवक देर रात जौनपुर के शाहगंज के नटौली गांव में प्रेमिका से मिलने पहुंचा था। देर रात गांव में पहुंचते ही वहां पहले से जमा पांच लड़कों ने युवक की जमकर पिटाई की। देर रात में युवक ने दम तोड़ दिया। पहले इस मामले को युवकों ने छिपाने का प्रयास किया पर युवक की मौत के बाद इस मामले की सूचना सरायमीर थाने को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही जिले के एसपी ग्रामीण सिद्धार्थ ने सरायमीर थाने का निरीक्षण किया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सरायमीर थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक युवक का नाम पंकज राजभर (23) पुत्र फेरई राजभर है।

शाहगंज की लड़की से प्रेम-प्रसंग

मृतक युवक पंकज राजभर का प्रेम प्रसंग शाहगंज थाना क्षेत्र के नटौली गांव की रहने वाली लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पंकज की बुआ का विवाह भी यहीं हुआ है। बीती रात एक बजे पंकज राजभर अपने साथ अपने दो साथियों हरेन्द्र और अजीत को लेकर प्रेमिका से मिलने जा रहा था। पंकज ने अपने साथियों को बताया कि वहां एक बर्थडे पार्टी है, वहीं चलना है। गांव से पहले पंकज ने अपने साथी हरेन्द्र को रूकने का कहा और नीरज के साथ मिलने चला गया।वहां पहले से ही चार-पांच लड़कों ने जमकर पिटाई कर दी। इस पिटाई से दोनों घायल हो गए। इस पिटाई में अजीत और पंकज घायल हो गए।

लखनऊ में बीजेपी दफ्तर पहुंचकर बुजुर्ग ने खुद को लगाई आग, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय के बाहर बलराम तिवारी नाम के एक शख्स ने खुद को आग लगाकर सुसाइड करने की कोशिश की। जानकारी के मुताबिक बलराम तिवारी मकान मालिक के उत्पीड़न से परेशान था और मामले का समाधान करने की अर्जी लेकर भाजपा कार्यालय पहुंचा था। कहा जा रहा है कि बीजेपी दफ्तर के मेन गेट में घुसते ही बलराम ने खुद को आग लगा ली। बलराम द्वारा खुद को आग लगाने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह आग बुझाई। इसके बाद आग में झुलसे बलराम को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बलराम तिवारी की पत्नी का कहा है कि उन्होंने ठाकुरगंज थाने में मामले की कई बार शिकायत की थी लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई।

बलराम की पत्नी के मुताबिक जहां उनके पति काम करते थे वहां से उनकी नौकरी छूट गई थी। बलराम तिवारी पिछले 6 महीने से बेरोजगार थे। आर्थिक हालात ठीक नहीं होने की वजह से वो मकान मालिक को साढ़े आठ हजार रुपये किराया नहीं दे पाए थे जिसकी वजह से वो उन्हें हर दिन प्रताड़ित करता था। पीड़िता की पत्नी के मुताबिक करीब दस दिन पहले उन्होंने कहीं से इंतजाम करके मकान मालिक को पांच हजार रुपये दे दिए थे और अब सिर्फ 3500 रुपये बचे थे। कहा जा रहा है कि मकान मालिक 3500 रुपये के लिए उन्हें लगातार परेशान कर रहा था।

परेशान होकर उन्होंने थाने में उनकी शिकायत भी की और कुछ दिनों की मोहलत भी मांगी लेकिन मकान मालिक उन्हें परेशान करने से बाज नहीं आ रहा था। इसी वजह से वो मामले में मदद के इरादे से बीजेपी दफ्तर पहुंचे थे जहां उन्होंने ये कदम उठा लिया।

स्कूटी से गिरकर युवक की मौत

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी के प्रेमनगर थानाक्षेत्र में स्कूटी से घर जा रहे युवक के रास्ते में एक घोड़े के अचानक आ जाने से असंतुलित होकर गिरने के कारण मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि प्रेमनगर थाना क्षेत्र के पुलिया नंबर नौ निवासी आकाश (25) की स्कूटी से गिरने के कारण मौत हो गयी है। आकाश स्कूटी से किसी काम के लिए स्टेशन की ओर गया था, जब वह लौट रहा था तब रास्ते में सड़क किनारे खड़ा एक घोड़ा अचानक उसके सामने आ गया । इस कारण स्कूटी असंतुलित हो गयी और आकाश नीचे गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया।

30 अगस्त को आईटीआई में लगेगा रोजगार मेला

झांसी। उत्तर प्रदेश की वीरांगना नगरी झांसी में युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराये जाने के क्रम में राजकीय औद्योगिक संस्थान (आईटीआई) परिसर में आगामी 30 अगस्त को एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन होने जा रहा है।

सहायक निदेशक (सेवा) ने शनिवार को बताया कि इस मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा तकनीकी और गैर तकनीकी दोनों प्रकार के पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। इस रोजगार मेले में पुखराज हैल्थ केयर प्राईवेट लिमिटेड, डाबर आयुर्वेदिक एंटरप्राइजेज, हीरो मोटोकॉर्प ऑटो मैनपावर सर्विस, केयर हेल्थ नर्सिस प्राइवेट लिमिटेड, ताईवा टेलीकॉम झांसी एवं इनके अतिरिक्त और भी नियोजक हिस्सा लेंगे। मेले में हाईस्कूल, इण्टर, स्नातक (बीए / बीएससी/ बीकाम). परास्नातक (एमए / एमएससी/ एमकाम), आईटीआई, पॉलिटेक्निक, कम्प्यूटर सहित समस्त योग्य अभ्यर्थियों के लिए 1000 से अधिक रिक्तियाँ उपलब्ध है। इस मेले में 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के समस्त पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी अपना सम्पूर्ण बायोडाटा , आवेदन पत्र तथा परिचय पत्र के साथ सीधे हिस्सा ले सकते हैं।

महोबा : सूने मकान से युवक और युवती के फांसी पर लटके शव बरामद

महोबा। उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के अजनर क्षेत्र में शनिवार को संदिग्ध रूप से एक युवक और युवती के फांसी पर लटके हुए शव बरामद हुये हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक आर के गौतम ने यहां बताया कि अजनर गांव में बस स्टैंड के निकट स्थित एक सूने पड़े मकान से पुलिस ने युवक एवं युवती के शवों को बरामद किया। ग्रामीणों ने यहां बुरी तरह दुर्गंध आने की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस के मुताबिक मौके पर दोनों मृतकों के शव एक ही रस्सी से बंधे पाए गए। दोनो ही अलग अलग फांसी के फंदे पर झूल रहे थे। मृतकों का शरीर बुरी तरह से गल गया था एवम उसमें कीड़े भी रेंग रहे थे।

पुलिस ने आशंका जतायी है कि ये शव 10 से 15 दिन पुराने हो सकते हैं। मृतक की शिनाख्त बमनोरा गांव के निवासी रामा रायकवार के पुत्र 22 वर्षीय सोनू के रूप में की गई है। जबकि युवती शबरीन खान निकटवर्ती गांव की निवासी बताई जा रही है।

घटना स्थल पर मिले युवती के बैग में मौजूद कॉपी किताबों से उसके नवीं क्लास की छात्रा होने की बात कही जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इनकी मौत को लेकर मामला संदिग्ध बना हुआ है।

प्रयागराज : गंगा और यमुना का जलस्तर खतरे के निशान पार

प्रयागरज। पहाड़ी इलाकों में लगातार बारिश और बंधों से पानी छोड़े जाने के कारण उत्तर प्रदेश में प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया है।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष की ओर से शनिवार को दी गयी आधिकारिक जानकारी के अनुसार प्रयागराज में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 0.62 सेंटीमीटर और यमुना का 0.57 सेंटीमीटर ऊपर चला गया। इसके अनुसार प्रयागराज में दोनों नदियों के खतरे का निशान 84.74 मीटर है।

फाफामऊ में गंगा नदी का पानी रात 12 बजे 85.35 मीटर दर्ज किया गया है जबकि छतनाग में जलस्तर 84.66 मीटर था। वहीं यमुना नदी का नैनी में जलस्तर 85.31 मीटर दर्ज किया गया है। पिछले 24 घंटे में गंगा फाफामऊ और छतनाग में खतरे के निशान से 57 सेंटीमीटर जबकि नैनी में यमुना 63 सेंटीमीटर ऊपर बह रही हैं।

गंगा और यमुना के जलस्तर में हो रहे इजाफे को देखते हुए शहर के तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों के मकानों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है। जिससे लोग अब राहत शिविर की ओर बढ़ रहे हैं। करीब 150 गांव और शहर के दो दर्जन से अधिक मुहल्ले बाढ़ की चपेट में हैं।

जिला प्रशासन ने बाढ़ की भयावहता को देखते हुए राहत शिविरों की संख्या में इजाफा किया है। शरणार्थियों के लिए प्रशासन ने शहर में सेंट जोसेफ गर्ल्स कालेज ममफोर्डगंज, एनीबेसेंट स्कूल एलनगंज, स्वामी विवेकानंद स्कूल अशोकनगर, यूनिटी पब्लिक स्कूल करेली, कैंट हाईस्कूल सदर बाजार, रीगल गेस्ट हाउस राजापुर, डीएवी इंटर कालेज राजापुर समेत करीब डेढ़ दर्जन से अधिक राहत शिविर की व्यवस्था की है।

राहत शिविरों में करीब 4000 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। शिविर में रहने वालों को प्रशासन की तरफ से भोजन की व्यवस्था की गई है।

सूत्रों ने बताया कि दोनों नदियों के जल स्तर में यदि जल्द ही ठहराव नहीं आया तो एक बार फिर 1978 और 2013 के बाढ़ की पुनरावृत्ति हो सकती है। वर्ष 1978 में गंगा 87.98 मीटर एवं यमुना 87.99 मीटर और 2013 में गंगा का जलस्तर 86.82 मीटर तथा यमुना का लेबल 86.60 मीटर ऊपर पहुंच गया था। अब गंगा 85.35 मीटर तो यमुना 85.31 मीटर पर बह रही है।

शहर में दारागंज, रसूलाबाद, फाफामऊ, ककरहा, अरैल, छतनाग और नई झूंसी के तट पर गंगा किनारे लोग अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करने शहर और दूरदराज से भी पहुंचते है। इन क्षेत्रों में बाढ़ का पानी भर जाने से परिजन श्मशान घाट पर सनातनी परंपरा से अंतिम संस्कार नहीं कर पा रहे हैं। अब लोगों को दारागंज और शंकरघाट विद्युत शवदाह केन्द्र का सहारा लेना पड़ रहा है।

बालिका सुधार गृह से दो नाबालिग किशोरियां हुईं फरार

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं में थाना सिविल लाइन क्षेत्र के मोहल्ला नेकपुर में स्थित बालिका सुधार गृह से दो किशोरियां दीवार कूद कर भाग गईं।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सीसीटीवी फुटेज में दोनों को बीती रात 1:00 बजे शौचालय जाते हुए देखा गया। जिससे आशंका जताई जा रही है कि दोनों शौचालय की दीवार फांद कर फरार हो गईं।

पुलिस दोनों किशोरियों की तलाश में जुटी हैं। उल्लेखनीय है कि बहला फुसला कर भगा ले जाने के मामले में दोनों नाबालिग किशोरियों को अदालत में पेश किया गया था। दोनो अपने मां बाप के साथ जाने को हरगिज तैयार नहीं हुई, तब अदालत के आदेश पर उनको एक महीने पहले बालिका सुधार गृह में भेजा गया था।

बालिका सुधार गृह की संचालिका मीना सिंह ने बताया कि गुरुवार की रात को जब सभी लोग सो गए तब ये दोनों शौच के लिए गईं। वहीं से दोनों फरार हो गईं। सुबह सभी के जागने पर गिनती करने पर इन दोनों के गायब होने की पुष्टि हुयी।

सिंह ने अपने कर्मचारियों के साथ दोनों की तलाश शुरू कर दी, लेकिन इनके नहीं मिलने पर पुलिस को सूचित किया गया। थाना सिविल लाइंस के इंस्पेक्टर राजेश यादव ने बताया कि एक किशोरी कादरचौक थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है, जबकि दूसरी सिविल लाइंस की ही निवासी है। कुछ समय पहले दोनों अपने प्रेमियों के साथ चली गईं थी। माता पिता की शिकायत पर पुलिस ने इन्हें बरामद कर अदालत में जब पेश किया तो उन्होंने साफ कह दिया कि वे अपने प्रेमी के साथ ही रहना चाहती हैं।

परिजनों के समझाने पर भी वह घर जाने को तैयार नहीं हुईं तो अदालत के आदेश पर उनको बालिका सुधार गृह में रखा गया था। यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। दोनों किशोरियों की तलाश में पुलिस जुटी है। बहुत जल्दी दोनों किशोरियों को बरामद कर लिया जाएगा।

कर चोरी पकड़ने में कारगर साबित हो रही आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के लिये आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (एआई) राज्य में कर चोरी को पकड़ कर राजस्व इजाफे में कारगर रूप से मददगार साबित हो रही है।

वाणिज्य कर विभाग को हाइटेक बनाकर राजस्व संग्रह बढ़ाने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल के फलस्वरूप विभाग में कर चोरी पकड़ने के लिए जल्द ही एआई का व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल शुरू किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार फिलहाल, विभाग ने तकनीकी का उपयोग कर केवल मिसमैच डेटा से पिछले छह महीने में करीब साढ़े छह हजार कारोबारियों से सात सौ करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त किया है।

योगी ने हाल ही में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में अफसरों को तकनीकि का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए थे। जिसके तहत वाणिज्य कर विभाग ने आईटी टूल्स बीफा (बिजनेस इंटेलिजेंस एंड फ्रॉड एनालिटिक्स) के जरिए ऑनलाइन मिसमैच डाटा से मिलान कर त्रुटि मिलने पर इस साल जनवरी से जून तक सात सौ करोड़ से अधिक के राजस्व की वसूली की है। विभाग ने वर्ष 2022-23 में करीब 33 हजार करोड़ का राजस्व प्राप्त किया है।

गौरतलब है कि वाणिज्य कर विभाग को कई वर्ष पहले ही पूरी तरह से ऑनलाइन कर दिया गया था। ऐसे में विभाग में राजस्व से संबंधित काम जैसे रजिस्ट्रेशन, पेमेंट, नोटिस, आदेश, रिफंड एप्लीकेशन और देय रिफंड का ऑनलाइन भुगतान किया जा रहा है। विभाग के अधिकारियों को जीएसटी के 'मिचमैच डाटा' पकड़ने के लिए 'बीफा टूल्स' नाम का एक सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराया गया है। इस टूल के जरिए विभाग के अधिकारियों ने जब व्यापारियों के जीएसटी रिर्टन को ऑनलाइन परीक्षण किया तो उन्हें सात सौ करोड़ से अधिक के मिसमैच डाटा की त्रुटि मिली।

इसके बाद व्यापारी को नोटिस जारी की गई। इस पर व्यापारी ने सात सौ करोड़ रुपये से अधिक जीएसटी के विभाग में जमा कराए।

महिला शक्ति बदल रही देश की तस्वीर : राज्यपाल

रायबरेली। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि महिला शक्ति से देश की तस्वीर बदल रही है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।

शुक्रवार को रायबरेली के दौरे पर आयीं राज्यपाल ने दरियापुर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र का निरीक्षण करने के बाद महिलाओं के समूह से संवाद करते हुए कहा कि अब समय आ गया है जबकि महिलायें रोज़गार दे रही हैं। ग्रामीण क्षेत्र की महिलायें अपने साथ आसपास की महिलाओं को जोड़ कर आत्मनिर्भर ही नहीं बन रही हैं बल्कि घर की आमदनी को बढ़ाने में भी सहयोग कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं मास्टर ट्रेनर के रूप में अपनी सहयोगी महिलाओं को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण भी दे रही हैं। ये महिलाएं गांवों में गोबर और गोमूत्र सहित अन्य अपशिष्ट से खाद बनाने में भी बराबर का कार्य कर रही हैं।

राज्यपाल ने कानपुर के चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा दरियापुर में संचालित कृषि विज्ञान केंद्र में जनपद की प्रगतिशील किसान महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने रायबरेली की तमाम महिला किसानों से बारी-बारी से उनकी कामयाबी की कहानी को सुना। जिसमें महिलाओं ने बताया कि कैसे उन्होंने अपने गांवों में अल्प संसाधनों और सरकार के सहयोग से प्राकृतिक खेती तथा अन्य कृषि उत्पादों एवं उपज को बढ़ा कर अपने परिवार की और साथी महिलाओं की आय बढ़ाने का कार्य किया है।

राज्यपाल ने प्रगतिशील महिला किसानों से उनके कृषि कार्यों के अनुभव सुने। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति को कम आंकने का समय अब जा चुका है। उन्होंने कहा कि महिलायें खेती किसानी के साथ-साथ ग्रामीण उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन और उसके क्रय विक्रय में नई चुनौतियों को स्वीकार कर रही हैं।

शार्ट न्यूज

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में स्थिरता जारी

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों के फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बीच घरेलू स्तर पर आज भी पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सप्ताहांत में लंदन ब्रेंट 100.99 डॉलर प्रति औंस पर और अमेरिकी क्रुड 0.49 प्रतिशत चढ़कर 92.97 डॉलर प्रति औंस बोला गया। घरेलू स्तर पर तेल विपणन करने वाली कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर यथावत है। पिछले दो महीने से अधिक समय से तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर हैं। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

जिंसों में टिकाव

नयी दिल्ली। स्थानीय स्तर पर आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही दल-दलहन और मीठे के बाजार में टिकाव रहा। तेल-तिलहन : इस दौरान सूरजमुखी तेल, सरसों तेल, मूंगफली तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, चना दाल, अरहर दाल, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में भी स्थिरता रही। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। दाल-दलहन : चना 4600-4700, दाल चना 5600-5700, मसूर काली 8300-8400, मूंग दाल 8000-8100, उड़द दाल 9850-9950, अरहर दाल 8800-8900 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2400-2500 रुपये और चावल : 2600-2700 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ :चीनी एस 3530-3660, चीनी एम. 3900-4000, मिल डिलीवरी 3410-3510 और गुड़ 3900-4000 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 16849 रुपये, मूंगफली तेल 19413 रुपये, सूरजमुखी तेल 20000 रुपये, सोया रिफाइंड 15751 रुपये, पाम ऑयल 13773 रुपये और वनस्पति तेल 14652 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

फेस्टिवल सीजन से पहले टाटा मोटर्स ने उतारे नए मॉडलः सफारी, हैरियर और नेक्सॉन

नई दिल्ली। भारत में फेस्टिवल सीजन की शुरूआत से पहले टाटा मोटर्स अपनी पॉपुलर एसयूवी सफारी, हैरियर और नेक्सॉन के नए एडिशन लॉन्च किये हैं. इन नए एडिशन की एक्स-शोरूम कीमत 12.13 लाख रुपये से शुरू होती है. देश के सभी टाटा डीलर्स के पास सफारी, हैरियर और नेक्सॉन के एक्सक्लूसिव एक्सटीरियर और इंटीरियर कलर थीम के मॉडल उपलब्ध होंगे. इंटीरियर कलर थीम के मामले में इन नए जेट एडिशन में डुअल-टोन ऑयस्टर व्हाइट और ग्रेनाइट ब्लैक फिनिश मिलेगा. जबकि इंस्ट्रूमेंट पैनल में दरवाजे और फर्श कंसोल के साथ ब्रॉन्ज रंग का कॉमबिनेशन है. इसके साथ ही कार के फ्रंट हेडरेस्ट पर एक जेट लोगो इसके लुक को और ज्यादा शानदार बना देता है. सेफ्टी फंक्शन के मोर्चे पर टाटा की गाड़ियां बेहतर मानी जाती हैं. इन नए एडीशन्स में मौजूदा 14 सेफ्टी फंक्शंस के अलावा सफारी और हैरियर में एडवांस श्वस्क्सेफ्टी फंक्शन भी दिए गए हैं, जैसे ड्राइवर डोज ऑफ अलर्ट, पैनिक ब्रेक अलर्ट और आफ्टर इम्पैक्ट ब्रेकिंग. इसके साथ ही टाइप-सी चार्जर, विंग्ड कम्फर्ट हेड रेस्ट्रेंट और चारों कोनों पर लगे डिस्क ब्रेक इसको और अधिक सुरक्षित बना देते हैं. मनोरंजन की बात करें तो टाटा सफारी और हैरियर जेट एडिशन में वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले कनेक्टिविटी का साथ ही एक एयर प्यूरीफायर और एक वायरलेस चार्जिंग सुविधा भी दी गई है.

भारत बना दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टवॉच मार्केट, चीन को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। भारत में स्मार्टवॉच की खरीदारी काफी बढ़ गई है. इस मामले में देश ने सबसे अधिक जनसंख्या वाले चीन को भी पीछे छोड़ दिया है. दरअसल सालाना आधार पर भारत के स्मार्टवॉच मार्केट ने 347 फीसदी की बढ़त हासिल की है. यह जानकारी काउंटरपॉइंट रिसर्च में सामने आई है. इस रिपोर्ट के मुताबिक ग्लोबल मार्केट में 26 फीसदी स्मार्टवॉच शिपमेंट के साथ नार्थ अमेरिका पहले स्थान पर है. इसके बाद भारत की हिस्सेदारी 22 फीसदी और चीन की 21 फीसदी रही. चौथे स्थान पर यूरोप है. स्मार्टवॉच शिपमेंट के मामले में चीन पिछली तिमाही में पहले स्थान पर था लेकिन दूसरी तिमाही में स्मार्टवॉच शिपमेंट में 10त्न गिरावट के साथ तीसरे स्थान पर चला गया. काउंटरपॉइंट रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 लॉकडाउन और अन्य निगेटिव इकनॉमिक ग्रोथ की वजह से ग्राहकों के बीच घटती मांग चीन के शीर्ष स्थान से फिसलने की बड़ी वजह रही. पिछली तिमाही में यूरोप तीसरे स्थान पर था, लेकिन रूस-यूक्रेन जंग के कारण आई 13त्न की गिरावट की वजह से अब वह फिसलकर चौथे स्थान पर चला गया है.

19 हजार करोड़ में बिका एस्सार ग्रुप का पोर्ट-बिजली कारोबार, मित्तल ने खरीदा

नई दिल्ली। देश सहित दुनियाभर में अपना अलग-अलग सेक्टर में कारोबार फैलाने वाले बड़े बिजनेस समूह एस्सार ग्रुप ने अपना पोर्ट और पॉवर प्लांट इंफ्रास्ट्रक्चर स्टील सेक्टर की दिग्गज कंपनी आर्सेलर मित्तल और निप्पन स्टील के हाथों बेच दिया है. एस्सार ग्रुप ने बताया कि यह सौदा 19,000 करोड़ से अधिक रुपये में हुआ है. कोरोना के बाद इसे देश का सबसे बड़ा सौदा बताया जा रहा है.देश बड़े बिजनेस टायकून लक्ष्मी मित्तल के स्वामित्व वाली कंपनी आर्सेलर मित्तल और निप्पन स्टील ने साल 2018-19 में एस्सार ग्रुप की करीब 42,000 करोड़ रुपये के कारोबार का अधिग्रहण किया था. लेकिन, भुगतान और शर्तों को लेकर दोनों पक्षों के बीच डील का मामला बीच में ही रुक गया. सौदे को लेकर दोनों पक्ष एक राय पर सहमत नहीं हो सके तो यह मामला अदालत चला गया. करीब 4 साल बाद आर्सेलर मित्तल, निप्पन स्टील और एस्सार ग्रुप ने सौदे को लेकर आपस में समझौता किया है. एस्सार ग्रुप ने कहा कि सौदे के तहत एस्सार ग्रुप का बंदरगाह कारोबार और विद्युत पॉवर प्लांट कारोबार आर्सेलर मित्तल और निप्पन स्टील ने खरीद लिया है. इस सौदे में आर्सेलर मित्तल और निप्पन स्टील 19,158 करोड़ रुपये एस्सार ग्रुप को भुगतान करेंगे. इस सौदे में आर्सेनल मित्तल और निप्पन स्टील की 50-50 फीसदी हिस्सेदारी है.पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के तहत गुजरात के हजीरा स्थित 2.5 करोड़ टन सालाना क्षमता वाला पोर्ट टर्मिनल, आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 1.6 करोड़ टन सालाना क्षमता वाला पोर्ट टर्मिनल, ओडिशा के पारादीप में 1.2 करोड़ टन सालाना क्षमता वाला पोर्ट टर्मिनल सौदे का हिस्सा है।

शक्कर मजबूत, खाद्य तेलों में गिरावट, मंडी बंद, दाल- चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर मजबूत रही। खाद्य तेलों में नरमी दर्ज की गई। पाम तेल सस्ता बिका। अमावस्या पर मंडी बंद रही। दालों में भाव स्थिरता लिए बताए गए। चावल में उठाव साधारण रहा।

किराना बाजार

शक्कर में खरीदी रही। आज शक्कर में कामकाज 3650 से 3700 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 06 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा में मांग दर्ज की गई। हल्दी में कामकाज बना रहा।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में लिवाली घटने से नरमी रही। आज पाम में भाव मंदे बोले गए। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बताई गई इससे तेजी रही।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी अमावस्या पर बंद रही। आज दालों में मांग से भाव बने रहे। आज चावल में उठाव साधारण बताया गया।

किराना

शक्कर 3650 से 3700 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 175 से 190 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 5800 से 7400, पैकिंग में 7600 से 7800 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6000 से 6200, रायडा 5700 से 5900 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1680 से 1700, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1225 से 1230, सोयाबीन साल्वेंट 1195 से 1200, पाम तेल 1195 से 1200 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 4850 से 4900, मसूर 6200 से 6250, तुअर निमाड़ी 6700 से 7200, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 7600 से 7800, तुअर (कर्नाटक) 7700 से 7900, मूंग 6400 से 6500, मूंग हल्की 5500 से 5900, उड़द 7400 से 7600, उड़द मीडियम 6300 से 6800, उड़द नया 7000 से 7600, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 6100 से 6200, तुअर दाल सवा नंबर 9500 से 9600, तुअर दाल फूल 9700 से 9900, तुअर दाल बोल्ड 10200 से 10900, आयातित तुअर दाल 9200 से 9300, मसूर दाल 7500 से 7800, मूंग दाल 8400 से 8700, मूंग मोगर 8700 से 9000, उड़द दाल 9000 से 9300, उड़द मोगर 9600 से 9900 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10500 से 11500, तिबार 8500 से 9500, दुबार 7500 से 8500, मिनी दुबार 6500 से 7500, मोगरा 4000 से 6000, बासमती सैला 7500 से 9500, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2550 से 2700, हंसा सैला 2500 से 2675, हंसा सफेद 2450 से 2500, पोहा 4200 से 4600 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1520 से 1530, मैदा 1490 से 1500, आटा 1370 से 1380, चना बेसन 3300 से 3350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

मुकेश अंबानी ने दुबई में खरीदा सबसे महंगा घर

पाम जुमेराह के बीच-साइड विला में रहेंगे अनंत अंबानी, डेविड बेकहम और शाहरुख खान होंगे पड़ोसी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने एक नई प्रॉपर्टी खरीदी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुकेश ने दुबई में करीब 640 करोड़ रुपए (80 मिलियन डॉलर) में एक बीच-साइड विला खरीदा है। इस डील से जुड़े लोगों का कहना है कि यह शहर की अब तक की सबसे बड़ी रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी डील है।

RPG एंटरप्राइजेज के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने हाल ही में 2 मिनट 8 सेकेंड का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एक लग्जरी विला दिखाया गया है। इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, दुबई का खूबसूरत घर एक अरबपति को बेचा गया।

विला में 10 बेडरूम, एक प्राइवेट स्पा और इंडोर-आउटडोर पूल

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाम जुमेराह में यह प्रॉपर्टी इस साल की शुरुआत में मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी के लिए खरीदी गई थी। यह बीच-साइड मेंशन पाम-शेप्ड आर्टिफिशियल आईलैंड के नॉर्थन पार्ट में मौजूद है।

इस लग्जरी विला में 10 बेडरूम और एक प्राइवेट स्पा है। इसके अलावा इसमें इंडोर और आउटडोर पूल भी है।

लग्जरी विला में जिम के लिए अलग स्पेस और एक प्राइवेट थिएटर

वहीं विला में स्पोर्ट्स और जिम के लिए अलग स्पेस है और एक प्राइवेट थिएटर भी है। ये विला किसी आलीशान 7 स्टार होटल से कम नहीं है।

जानकार बताते हैं कि क्योंकि ये लेनदेन निजी है, इसलिए दुबई में इस प्रॉपर्टी का सौदा गुप्त रखा गया है। इस प्रॉपर्टी से जुड़े लोगों का कहना है कि अभी अंबानी इस विला को ठीक करने और इसकी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपए खर्च करेंगे।

अनंत अंबानी के पड़ोसी होंगे डेविड बेकहम-शाहरुख खान

दुबई अल्ट्रा-रिच लोगों के लिए एक पसंदीदा मार्केट बनता जा रहा है। जिसे सरकार ने लॉन्ग-टर्म गोल्डन वीजा की पेशकश करके और विदेशियों के लिए घर की ओनरशिप पर प्रतिबंधों में ढील देकर और भी ज्यादा आकर्षित बना दिया है। ब्रिटिश फुटबॉलर डेविड बेकहम और बॉलीवुड मेगा स्टार शाहरुख खान जैसे स्टार्स अनंत अंबानी के नए पड़ोसी होंगे।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, मुकेश अंबानी की 7.46 लाख करोड़ रुपए (93.3 बिलियन डॉलर) की संपत्ति के तीन वारिसों में से एक अनंत अंबानी भी हैं। 65 साल के मुकेश अंबानी दुनिया के 11वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। वे धीरे-धीरे इस एम्पायर की बागडोर अपने बच्चों को सौंप रहे हैं।

पिछले साल यूके में आकाश के लिए खरीदा था 631 करोड़ का घर

डील से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा कि अंबानी फैमिली विदेशों में अपनी अचल संपत्ति बढ़ा रही है। पिछले साल रिलायंस ने यूके में स्टोक पार्क लिमिटेड से एक जॉर्जियन एरा मेंशन खरीदा था। यह मेंशन मुकेश अंबानी के बड़े बेटे आकाश के लिए 631 करोड़ रुपए (79 मिलियन डॉलर) में खरीदा गया था।

आकाश अंबानी को हाल ही में टेलीकॉम ऑपरेटर रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड का चेयरमैन बनाया गया था। वहीं आकाश और अनंत की बहन ईशा न्यूयॉर्क में एक घर की तलाश कर रही हैं।

वनप्लस ने लॉन्च किया वायर वाला इयरफोन

वनप्लस ने अपने ब्रांड नाम से पहली बार देश में वायर वाला इयरफोनOnePlus Nord पेश किया है. नॉर्ड प्रोडक्ट के रूप में ये वायर वाले ये इयरफोन एग्रेसिव प्राइस टैग में उपलब्ध हैं और इसमें वनप्लस बुलेट्स वायरलेस जेड से प्रभावित डिजाइन जैसे फीचर्स हैं. भारत में वनप्लस नॉर्ड वायर्ड इयरफोन की कीमत 799 रुपये से शुरू है और इसकी बिक्री 1 सितंबर से शुरू होगी. वनप्लस का कहना है कि इस इयरफोन की डिजाइन सिग्नेचर ब्लैक ह्यूज व रेड एसेंट्स के साथ वनप्लस बुलेट्स वायरलेस जेड सीरीज के समान ही है. नॉर्ड का यह तीसरा इयरफोन है. इससे पहले नॉर्ड बड्स और नॉर्ड बड्स सीई मार्केट में उपलब्ध हैं और ये दोनों ही वायरलेस इयरबड्स हैं. हर इयरफोन में एक चुंबक है. इसके अलावा इसमें ऑडियो कंट्रोलर भी दिया हुआ है. इन्हें आपस में लगा देने पर प्लेबैक रुक जाएगा और जब इसे अलग कर देंगे तो फिर यह शुरू हो जाएगा. वनप्लस का दावा है कि इसकी डिजाइन इस तरह से है कि इसें घंटों तक बिना किसी दिक्कत के लगाए रख सकते हैं. इसे खरीदने पर बॉक्स में तीन जोड़ी सिलिकॉन टिप्स मिलेंगे. इस इयरफोन में बटन कंट्रोल के साथ इनलाइन माइक है जिससे म्यूजिक कंट्रोल कर सकते हैं, कॉल एक्सेस कर सकते हैं और वॉइस एसिस्टेंट की हेल्प ले सकते हैं. हुड के तहत वनप्लस नॉर्ड वायर्ड इयरफोन में 9.2 मिमी डायनमिक ड्राइवर्स और एक 0.42सीसी साउंड केविटी है जिससे शानदार ऑडियो अनुभव मिलेगा. वनप्लस नॉर्ड वायर्ड इयरफोन अगले महीने की शुरुआत 1 सितंबर से मिलने लगेगा. यह कंपनी की वेबसाइट, ऐप और एक्सपीरिएंस स्टोर पर मिलेगा. इसके अलावा इसे अमेजन और अन्य ऑफलाइन पार्टनर स्टोर जैसे कि रिलायंस डिजिटल एंड मायजियो, क्रोमा, संगीथा मोबाइल्स, पूर्विका, बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स, विजय सेल्स, पाई इंटरनेशनल, हैप्पी मोबाइल्स, एसएस मोबाइल्स, पूजारा टेलीकॉम, बिगसी मोबाइल्स, एलओटी मोबाइल्स, टॉप10 मोबाइल्स और द चेन्नई मोबाइल्स पर भी खरीद सकेंगे.

रुहेलखंड बनेगा एथेनॉल हब, बरसेंगे रोजगार, बढ़ेगी किसानों की आमदनी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश का रुहेलखंड देश का एथेनॉल का हब बनने जा रहा है. यहां बरेली जनपद में स्थित रुहेलखंड का सबसे बड़ा एथेनॉल प्लांट अक्टूबर महीने में शुरू हो जाएगा. अभी ट्रायल शुरू किया गया है. वहीं, बरेली की द्वारकेश शुगर मिल ने भी अपने एथेनॉल प्लांट की क्षमता बढ़ा दी है. दोनों प्लांट से इंडियन आयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पैट्रोलियम जैसी कई कंपनियों ने एथेनॉल खरीदने का एग्रीमेंट भी तैयार कर लिया है. एथेनॉल प्लांट में गन्ना, अनाज और बीजों से एथेनॉल बनाया जायेगा. इससे एक तो रोजगार बढ़ेंगे और दूसरा किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी. शाहजहांपुर बॉर्डर पर बरेली जनपद के मीरानपुर कटरा के नवदिया सालपुर गांव में मार्च 2021 में एथेनॉल प्लांट लगाने की शुरुआत हुई थी. अक्टूबर 2022 में प्लांट शुरू हो जायेगा. प्लांट का ट्रायल शुरू हो गया है. यहां गन्ना, ज्वार, मक्का, बाजरा, धान, गेहूं और बीजों से एथेनॉल बनाया जाएगा. इस एथेनॉल प्लांट का निर्माण 25 एकड़ जमीन पर किया गया है. किसानों से अनाज, बीज और गन्ना खरीदा जायेगा और एथेनाल बनाने के बाद तेल कंपनियों को दिया जाएगा. जिला गन्ना अधिकारी यशपाल सिंह ने बताया कि द्वारकेश शुगर मिल की प्रतिदिन पेराई क्षमता 75000 कुंतल गन्ने की है. इसमें 25000 कुंटल गन्ने से सीधे एथेनॉल बनाया जाएगा और बाकी गन्ने से चीनी तैयार होगी. एथेनॉल प्लांट बनकर तैयार हो गया है. द्वारकेश शुगर मिल में हर दिन 175 किलो लीटर एथेनाल बनायेगा।

विदेशी निवेशकों का 76 प्रतिशत निवेश अकेले भारत में

एशिया में निवेश किए कुल 60 हजार करोड़ में से 45.5 हजार करोड़ भारत आए, दक्षिण कोरिया दूसरे स्थान पर

मुंबई। दुनियाभर के निवेशकों को भारतीय बाजार में जोरदार संभावना नजर आ रही है।

यही वजह है कि अगस्त में अब तक विदेशी निवेशकों ने एशिया में किए गए कुल निवेश का करीब 76 प्रतिशत हिस्सा अकेले भारतीय शेयर बाजार में लगाया।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस माह अब तक एशिया के नौ प्रमुख बाजारों में 7.5 अरब डॉलर (59,876 करोड़ रुपए) का शुद्ध निवेश किया है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक, इसमें से सबसे ज्यादा 5.7 अरब डॉलर (45,506 करोड़ रुपए) भारतीय बाजार में आए हैं। करीब 2 अरब डॉलर निवेश के साथ दक्षिण कोरिया इस मामले में दूसरे स्थान पर रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि चीन को छोड़कर बाकी एशियाई बाजारों को लेकर विदेशी निवेशकों का उत्साह अब भी बना हुआ है। खास तौर पर भारतीय बाजार में उनका निवेश बढ़ने की संभावना है।

दरअसल, बीते साल अक्टूबर से लेकर इस वर्ष जून तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में रिकॉर्ड 33 अरब डॉलर (करीब 2.60 लाख करोड़ रुपए) की बिकवाली की थी। उसके बाद उनकी वापसी हो रही है, क्योंकि उन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था पटरी पर लौटती नजर आ रही है।

वूड ने दिखाया भारत पर भरोसा

जेफरीज के ग्लोबल इक्विटी हेड क्रिस्टोफर वूड ने भारतीय बाजार पर काफी भरोसा दिखाया है। उन्होंने लंबी अवधि के लिए अपने पोर्टफोलियो में एशियाई बाजारों की जो हिस्सेदारी रखी है, उसमें सबसे ज्यादा 40 प्रतिशत वेटेज भारतीय बाजार को दिया है।

ब्याज दरों में बढ़ोतरी बेअसर

महंगाई के खिलाफ रिजर्व बैंक के आक्रामक रुख का शेयर बाजार पर ज्यादा असर नहीं हुआ है। मई से अब तक RBI ने रेपो रेट 1.40 प्रतिशत बढ़ाया है। इसके बावजूद जून के मध्य से लेकर अब तक निफ्टी में 16.5 फीसदी उछाल आया है।

हफ्ते के आखिरी दिन मामूली बढ़त पर बंद हुआ सेंसेक्स

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के बीच शुक्रवार को सेंसेक्स 59 अंकों की तेजी के साथ 58,834 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 36 अंक चढ़कर 17,559 के स्तर पर रहा। इस कारोबारी हफ्ते में सेंसेक्स में 812 अंक (1.36 प्रतिशत) और निफ्टी में 200 अंक (1.12 प्रतिशत) की गिरावट देखने को मिली। बीते शुक्रवार (19 अगस्त) सेंसेक्स 59,646 और निफ्टी 17,758 पर बंद हुए थे।

इस साल 38 प्रतिशत अधिक इनकम टैक्स कलेक्शन

आयकर विभाग का फोकस अब विदेशी संपत्ति, ऑनलाइन गेमिंग पर

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के नए अध्यक्ष नितिन गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि पिछले साल की तुलना में इस साल कुल टैक्स कलेक्शन 38त्न अधिक है। पिछले वर्ष के 52 हजार करोड़ रुपए रिफंड की तुलना में इस वर्ष 93 हजार करोड़ रुपए का रिफंड किया गया है।

गुप्ता ने कहा है कि आयकर विभाग टैक्स चोरी पर लगाम लगाने के लिए अर्थव्यवस्था के 'नए क्षेत्रों' में दस्तक दे रहा है। विभाग विदेशों में संपत्तियां रखने वाले भारतीयों के बारे में आंकड़ों के विश्लेषण का तरीका अपना रहा है। अब हम खुद को सिर्फ रियल एस्टेट या डेवलपरों तक ही सीमित नहीं रख रहे हैं।

विभाग अब परिसंपत्ति पुनर्गठन, विदेशी कंपनियां, गेमिंग और सट्टेबाजी से जुड़ी गतिविधियों पर भी फोकस कर रहा है। भारत को विभिन्न देशों से साझा रिपोर्टिंग मानकों और विदेशी खाता कर अनुपालन अधिनियम के जरिए विदेशी परिसंपत्तियों के आंकड़े बड़े पैमाने पर मिल रहे हैं। CRS वित्तीय खाता सूचना के ऑटोमैटिक ट्रांजैक्शन का स्टैंडर्ड सिस्टम है। FATCS भारत-अमेरिका के बीच टैक्स सूचनाओं का ब्योरा देने वाली व्यवस्था है।

आंकड़े व जोखिम का विश्लेषण कर व्यापक आधार बना रहे हैं

CBDT प्रमुख ने कहा कि हमें पनामा पैराडाइज और पैंडोरा पेपर्स के जरिए सूचनाएं मिली हैं और इन्हें CRS और FATCA के साथ जोड़कर हम अपना आधार व्यापक बना रहे हैं। साल 2019 तक मिली सूचनाओं की पड़ताल आयकर विभाग की जांच इकाई कर रही है। इसके लिए आंकड़ों का विश्लेषण और जोखिम विश्लेषण किया जा रहा है।

विश्वस्त जानकारी के आधार पर ही छापेमारी करते हैं

आयकर विभाग के अधिकारी हमेशा विश्वसनीय जानकारी के आधार पर ही छापेमारी करते हैं। हमारी तलाशी या कार्रवाई हमेशा पुख्ता और विश्वसनीय जानकारी पर ही आधारित होती है। जब हमें पता चलता है कि कोई व्यक्ति या संस्था टैक्स देने में धांधली कर रहा है, तो यह हमारी ही जिम्मेदारी बनती है कि हम उचित कार्रवाई करें।

भारत-पाक मैच की सभी 1 लाख टिकट बिकीं! 80 फीसदी टिकट प्रवासियों ने खरीदीं

नई दिल्ली। आगामी अक्टूबर महीने में ऑस्ट्रेलिया के एमसीजी क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले टी20 वर्ल्डकप मुकाबले की सभी टिकट बिक गई हैं. एमसीजी क्रिकेट ग्राउंड में 1 लाख लोगों की सिटिंग क्षमता है. बता दें कि 25 अगस्त को ही आईसीसी ने भारत-पाक मुकाबले की टिकट बिक्री ऑनलाइन शुरू की थी और करीब 24 घंटे में ही सभी टिकट्स बिक गईं. इनमें 4,000 स्टैंडिंग रूम टिकट भी शामिल हैं. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ओर से पहला टी20 वर्ल्ड कप साल 2007 में खेला गया था और इसे भारत ने जीता था. अब 2022 में टी20 वर्ल्ड कप का 8वां एडीशन ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर 2022 से शुरू हो रहा है और 13 नवंबर 2022 को फाइनल मुकाबले के साथ खत्म संपन्न होगा. टूर्नामेंट में 16 टीमों के बीच मुकाबले खेले जाएंगे. लेकिन, सबसे ज्यादा रोमांचक मुकाबला भारत और पाकिस्तान का होने वाला है. 23 अक्टूबर रविवार को होने वाले इस मैच की सभी टिकट मैच से करीब 25 दिन पहले ही बिक गई हैं. आईसीसी ने भारत बनाम पाकिस्तान मैच के स्टैंडिंग रूम टिकट समेत सभी तरह के टिकट की बिक्री 25 अगस्त 2022 की शाम 7.30 बजे से शुरू की थी. टिकट बिक्री शुरू होने के करीब 24 घंटे बाद ही सभी टिकट बिक गईं. बता दें कि भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाला टी20 वर्ल्ड कप का मैच ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाना है और इस ग्राउंड में 100,024 लोगों के बैठने की क्षमता है. ऐसे में माना जा रहा है कि 1 लाख टिकट बिक चुकी हैं. ऑस्ट्रिलयाई क्रिकेटर और टी20 वर्ल्ड कप के मल्टीकल्चरल एंबेस्डर उस्मान ख्वाजा ने कहा कि 23 अक्टूबर को होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच के सभी टिकट बिक गए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उस्मान ख्वाजा ने कहा कि 80 फीसदी टिकट भारत और पाकिस्तान के समर्थकों ने खरीदी हैं जो यहां ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं. बता दें कि वर्ल्ड कप के मैच की टिकट की कीमत के दाम 20 डॉलर यानी 1,597.97 रुपये है. जबकि, मैच की स्टैंडिंग रूम टिकट की कीमत 30 डॉलर यानी करीब 2,396.90 रुपये है. 2 साल से 16 साल के बच्चों के लिए टिकट की कीमत 5 डॉलर यानी 399.49 रुपये है।

35,000 से अधिक महिलाओं को रोजगार देगी योगी सरकार, 15,441 अमृत सरोवर बनेंगे

नई दिल्ली। योगी सरकार प्रदेश के गांवों में रोजगार के नये-नये अवसर पैदा कर रही है, ताकि ग्रामीण परिवेश की अर्थव्यवथा प्रदेश के विकास को रफ्तार दे सके. इसके लिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के इरादे से मनरेगा के तहत 35,000 से अधिक महिला मेटों को रोजगार दिया जाएगा. वहीं, हर ग्राम पंचायत में दो तालाबों को अमृत सरोवर बनाने जा रही है. अब तक 15,441 तालाबों को अमृत सरोवर बनाने के लिए चुना जा चुका है, इनमें से 8389 तालाबों का काम पूरा कर लिया गया है.

16 हजार से अधिक महिला मेटों की नियुक्ति

महिला सशक्तिकरण एवं मनरेगा योजना के तहत महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर महिला मेटों की नियुक्ति जा रही है. आजीविका मिशन के तहत निर्मित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं

का चयन किया गया है. जिसके तहत प्रदेश की 35,000 से अधिक महिला मेटों को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. इसमें अब तक 16 हजार से अधिक मेटों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है.

मनरेगा मजदूरी के लिए 56 सौ करोड़ जारी

वित्तीय वर्ष 2022-23 में आजीविका में सुधार के लिए कुल 5 लाख परिवारों को व्यक्तिगत लाभार्थीपरक परिसंपत्ति देने का लक्ष्य रखा गया है. इसके साथ ही 20 लाख परिवारों को पूर्ण 100 दिवस का रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है. इसमें से वित्तीय वर्ष की तिमाही में 58 हजार से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है. बता दें कि मनरेगा के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 में रोजगार सृजन के 2600 लाख मानव दिवस को मंजूरी दी गई है, जिसके सापेक्ष मंगलवार तक 1697.77 लाख मानव दिवस सृजित किए जा चुके हैं. इसके लिए कुल 56 सौ करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च की जा चुकी है.

प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए श्रमिकों की आधार सीडिंग कराई जा रही है. अब तक कुल क्रियाशील 1.71 करोड़ श्रमिकों के सापेक्ष में 1.35 करोड़ क्रियाशील श्रमिकों की आधार सीडिंग पूरी की जा चुकी है.

मनरेगा के तहत सभी कार्यों की त्रिस्तरीय जीओ टैगिंग कराई जा रही है. इसमें काम से पहले, काम के बीच और खत्म होने के बाद जीओ टैगिंग कराई जा रही है. अब तक 60.72 लाख सृजित परिसंपत्तियों की जीओ टैगिंग को पूरा कर लिया गया है.

शार्ट न्यूज

भारत-पाकिस्तान का मुकाबला सिर्फ एक मैच है

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने एशिया कप 2022 की शुरुआत से पहले कहा है कि भारत-पाकिस्तान का मुकाबला सिर्फ एक मैच है और भारतीय टीम के पास दबाव से निपटने का अनुभव है। बीसीसीआई अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा, भारत बनाम पाकिस्तान मैच सिर्फ एक और मैच है। ऐसे मैच हम नियमित रूप से खेलते हैं... या जब मैं खेलता था तो मैं पाकिस्तान के साथ मैच को कोई खास मैच नहीं मानता था। बीसीसीआई के अध्यक्ष ने कहा कि नॉकआउट मैचों में अतिरिक्त दबाव रहता था, लेकिन ग्रुप लीग में ऐसा कोई दवाब नही था। गांगुली ने एशिया कप में पसंदीदा टीम को लेकर कहा कि कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के पास किसी भी दबाव की स्थिति से निपटने का पर्याप्त अनुभव है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली, के एल राहुल अनुभवी खिलाड़ी हैं और वे किसी भी दवाब से निपटना बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। यह उनके लिए कोई बड़ी बात नहीं है। गांगुली ने विराट कोहली की फॉर्म के बारे में कहा, विराट बहुत बड़ा खिलाड़ी है। उनके पास रन बनाने का अपना एक फॉर्मूला है। वह बहुत जल्द अपनी पुरानी फॉर्म में आयेंगे। हम सभी को यही आशा है। उन्होंने विश्व कप और एशिया कप में भारत की संभावना पर कहा, मुझे उम्मीद है कि आने वाले विश्व कप में भारत अच्छा प्रदर्शन करेगा।

फीफा ने एआईएफएफ से निलंबन हटाया, अंडर-17 विश्व कप भारत में ही होगा

ज्यूरिख। विश्व फुटबॉल संचालन संस्था फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने शुक्रवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) पर लगाया गया प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। इसके साथ ही फीफा महिला विश्व कप अपनी योजनानुसार अब भारत में ही होगा। फीफा ने यहां जारी एक बयान में कहा, फीफा परिषद के ब्यूरो ने तीसरे पक्ष के अनुचित हस्तक्षेप के कारण अखिल एआईएफएफ पर लगाए गए निलंबन को तत्काल प्रभाव से हटाने का फैसला किया है। गौरतलब है कि फीफा ने सोमवार, 15 अगस्त 2022 को %तीसरे पक्ष के अनावश्यक हस्तक्षेप% का हवाला देते हुए भारतीय फुटबॉल महासंघ को निलंबित कर दिया था। भारत के उच्चतम न्यायालय ने इसकी सनद लेते हुए गत सोमवार भारतीय फुटबॉल महासंघ के संचालन के लिये नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) को भंग किया और एआईएफएफ का कार्यभार महासंघ के महासचिव सुनंदो धर को सौंपा। फीफा ने अपने बयान में कहा कि शासी निकाय को इस बात की पुष्टि मिलने के बाद निर्णय लिया गया था कि एआईएफएफ कार्यकारी समिति की शक्तियों को ग्रहण करने के लिए स्थापित प्रशासकों की समिति के जनादेश को समाप्त कर दिया गया था। साथ ही, एआईएफएफ प्रशासन ने महासंघ के दैनिक मामलों पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया था। फीफा की महासचिव फातमा समोरा ने एआईएफएफ के महासचिव सुनंदो धर को लिखे एक पत्र में कहा, अंतत:, जैसा कि ब्यूरो के 14 अगस्त 2022 के फैसले में देखा गया था, चुनाव कराने की दिशा में उठाए जाने वाले अगले कदमों के संबंध में एआईएफएफ को शीघ्र ही संपर्क किया जाएगा। फीफा और एएफसी स्थिति की निगरानी करना जारी रखेंगे और समय पर चुनाव कराने में एआईएफएफ का समर्थन करेंगे।

जेकेसीए घोटाला: अदालत में पेश हुए फारूक, भरा 50 हजार का जमानती बॉन्ड

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला शनिवार को जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) घोटाला मामले यहां एक अदालत में उपस्थित हुए। फारूक ने कथित तौर पर हवाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर दायर मामले में 50 हजार रुपये का एक जमानती बांड जमा किया। फारूक के वकील इश्तियाक अहमद खान ने बताया कि श्री अब्दुल्ला को दो मामलों में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीनगर की अदालत में पेश होना था। इनमें से एक केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर मामला है, जबकि दूसरा ईडी की ओर से दायर किया गया है, जो जेकेसीए में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ एक पूरक अभियोजन शिकायत है। उन्होंने बताया कि श्री अब्दुल्ला सीबीआई की अदालत में उपस्थित नहीं हो सके। उन्होंने कहा, सीबीआई द्वारा फारूक साहब के खिलाफ प्राथमिकी को आरोपों और आरोप मुक्त करने के मुद्दे पर बहस के लिए सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन चूंकि सीबीआई ने एक नए वकील को नियुक्त किया है, इसलिए तर्क समाप्त नहीं किया जा सका। इस मामले में उन्हें अदालत में पेश होना था, लेकिन हमने इसके लिए छूट हासिल कर ली थी। उन्होंने बताया कि ईडी मामले में श्री अब्दुल्ला व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश हुए। ईडी मामले में श्री अब्दुल्ला और जेकेसीए के अन्य सदस्यों के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही है।

'ध्यानचंद स्पोर्ट्स फेस्टिवल' का झांसी के हीरोज मैदान पर हुआ शुभारंभ

झांसी। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में उनकी कर्मभूमि झांसी में तीन दिवसीय मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स फेस्टिवल का शुभारंभ शनिवार को हुआ। यहां ऐतिहासिक हीरोज़ मैदान पर अर्जुन पुरस्कार विजता ओलंपियन अशोक कुमार ध्यानचंद की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सबसे पहले मैदान पर दद्दा ध्यानचंद की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद झांसी जिला फुटबॉल संघ के तत्वाधान में फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज किया गया। प्रतियोगिता का पहला मैच केंद्रीय विद्यालय विरुद्ध आर्मी स्कूल के बीच खेला गया। इस एकतरफ़ा मुकाबले मे आर्मी स्कूल ने 5-0 से विजय दर्ज की। दूसरा मैच झांसी डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल एसोसिएशन ने रेड ड्रैगन के विरुद्ध खेला इस रोमांचक मुकाबले मे झाँसी डिस्ट्रिक्ट एसोसिएशन ने 3-1 से जीत हासिल की। तीसरे मैच में गणेश क्लब बबीना ने गुलशन क्लब को 3-0 से छकाया। अंतिम मुकाबला एकता इलेवन और ब्रदर्स इलेवन बबीना के बीच हुआ जिसमें ब्रदर्स क्लब 2-0 से विजय रहा। प्रतियोगिता में झांसी फुटबॉल संघ के प्रेजिडेंट आर एस रजक , सचिव वाहिद खान ,वरिष्ठ सदस्य सलीम भाई , शेख रफीक खान,,रईस खान,बृजेंद्र यादव ,विनोद कप्तान , प्रतियोगिता मे निर्णायक मोहम्मद आरिफ,विकास भारती ,जीशान अंसारी,सादिक भाई अशोक साहब,रामस्वरूप ने भूमिका निभाई ।

दिल्ली एफसी ने जीत के साथ शुरू किया अभियान

नयी दिल्ली। डीएसए लीग चैम्पियन दिल्ली एफसी ने दिल्ली प्रीमियर लीग में शनिवार को उत्तराखंड को 5-2 से परास्त कर दूसरे चरण में जीत के साथ अभियान शुरू किया। अंबेडकर स्टेडियम में खेले गए मैच में जहां एक ओर अच्छी फुटबाल देखने को मिली तो दूसरी तरफ दोनों टीमों के गोलरक्षकों ने बड़ी चूक के साथ गोल खाए। पराजित टीम के गोल रक्षक अभय बिष्ट ने विपक्षी फारवर्ड पर फ़ाउल किया और दिल्ली एफसी को दो पेनल्टी का फायदा मिला, जिस पर गोल बने। विजेता टीम के गोली चार्ल्स टोंगबराम का कद और गलत अनुमान आड़े आया जिसका फायदा उठाकर राहुल रावत और अमित ने दर्शनीय गोल जमाए। दिल्ली एफसी के गोल राधाकांत सिंह, करनदीप, मैन ऑफ द मैच अभय गुरंग, कौअस्सी और फहाद ने किए। इसी बीच, सिग्नेचर ने नेहरू स्टेडियम में खेले गए महिला लीग मैच में आशा (5) और ज्योति की तिकड़ी से जगुआर को 13-0 से और रॉयल रेंजर्स ने ईव्स को 3-2 से हराया।

मैं झूठी प्रबलता दिखा रहा था, हर चीज़ की एक सीमा: कोहली

दुबई। भारत के अनुभवी बल्लेबाज़ विराट कोहली ने अपनी फॉर्म, मानसिक स्थिति और लोगों की अपेक्षाओं के बारे में कहा है कि उन्हें एहसास हुआ कि वह 'झूठी प्रबलता दिखा रहे थे'जबकि उन्हें आराम की ज़रूरत थी।

कोहली ने अपने पांच हफ्ते के हालिया विराम के बारे में स्टार स्पोर्ट्स से शनिवार को कहा, 10 साल में पहली बार मैंने एक महीने तक बल्ला नहीं छुआ है। मैंने बैठकर महसूस किया कि मैंने सच में 30 दिनों में एक बार भी बल्ला नहीं छुआ। ऐसा मेरे जीवन में पहले कभी नहीं हुआ था।

उन्होंने कहा, मैंने यह महसूस किया कि मैं पिछले दिनों में झूठी प्रबलता दिखा रहा था। मैं अपने आप को लगातार बता रहा था कि मैं यह कर सकता हूं, लेकिन मेरा शरीर मुझे रुकने के लिये कह रहा था। मेरा मस्तिष्क मुझे रुककर एक कदम पीछे लेने के लिये कह रहा है।

भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने हाल ही में कोहली की स्थिति के बारे में कहा था कि उनके ऊपर कार्यभार बहुत ज्यादा है, इसलिये उन्हें विराम लेने की आवश्यकता है।

कोहली ने शास्त्री से सहमति जताते हुए कहा, मैं समझता हूं कि रवि भाई क्या कह रहे थे। वह कार्यभार के बारे में बात कर रहे थे। मैंने पिछले 10 सालों में अन्य लोगों से 40-50 प्रतिशत ज्यादा क्रिकेट खेला है। लोग मुझे मानसिक रूप से मजबूत व्यक्ति समझते हैं, जो मैं हूं भी, लेकिन हर चीज की एक सीमा होती है और जब आप उसे नहीं समझते तो यह आपके लिये हानिकारक होता है। इस ब्रेक ने मुझे बहुत कुछ सिखाया, जो बातें मैं सतह पर नहीं आने दे रहा था। जब वह बातें सामने आयीं तो मैंने उन्हें स्वीकार किया।

उन्होंने कहा, जीवन में आपके पेशे के अलावा और भी बहुत कुछ है। जब आपके आस-पास का माहौल ऐसा हो कि हर कोई केवल आपकी पेशेवर पहचान को देखता है, तो कहीं न कहीं आप एक इंसान के रूप में अपना नजरिया खोने लगते हैं।

कोहली एशिया कप 2022 में रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ अपना 100वां टी20 मैच खेलेंगे, जिसके साथ ही वह तीनों प्रारूपों में 100 मैच खेलने वाले पहले भारतीय बन जाएंगे। कोहली साल 2020 से भारत के लिये सबसे ज्यादा मैच (62) खेलने वाले खिलाड़ी भी हैं, जो उनके बढ़े हुए कार्यभार को दर्शाता है।

कोहली ने एशिया कप में अपने सफर को याद करते हुए कहा, एशिया कप मेरे लिये यादगार है। 183 रन की पारी मेरे लिये खास है। उस पारी के बाद मुझ पर यह बात

खुली कि मैं एक बड़ी मंच पर इस तरह की पारी खेल सकता हूं। उसके बाद मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया। यह ऐसे मैच हैं, जो हमेशा आपके दिमाग में रहते हैं। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी टूर्नामेंट में खेलना एक आम मैच की तरह ही होता है। मैदान के बाहर रोमांच होता है जिसका आप आनंद ले सकते हैं, लेकिन एक बार आप मैदान में जाते हैं तो वह आम मैच हो जाता है।

एआईएफएफ ने गोकुलम केरल एफसी से माफी मांगी

एजेंसी

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने गोकुलम केरल एफसी के एएफसी महिला क्लब चैंपियनशिप से बाहर होने पर शनिवार को क्लब से माफी मांगी।

उल्लेखनीय है कि फीफा ने 16 अगस्त को एआईएफएफ में तीसरे पक्ष के अनावश्यक हस्तक्षेप का हवाला देते हुए भारतीय फुटबॉल को निलंबित कर दिया था, जिसके वजह ये भारत की सभी फुटबॉल टीमें फीफा और एएफसी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिये अयोग्य हो गयी थीं।

उच्चतम न्यायालय ने इसकी सनद लेते हुए 22 अगस्त को एआईएफएफ के संचालन के लिये गठित प्रशासकों की समिति (सीओए) को भंग किया और एआईएफएफ का कार्यभार महासंघ के महा

सचिव सुनंदो धर को सौंप दिया।

नतीजतन, फीफा ब्यूरो ने 26 अगस्त को भारतीय फुटबॉल महासंघ पर से निलंबन हटाने की घोषणा की।

एआईएफएफ ने गोकुलम केरल से माफी मांगते हुए ट्वीट किया, एआईएफएफ से फीफा का निलंबन हटाए जाने के बाद भारतीय फुटबॉल पटरी पर लौट आया है। एक तरफ जहां हम स्थिति बदलने से खुश हैं, वहीं हम निलंबन के कारण एएफसी महिला क्लब चैंपियनशिप से गोकुलम केरल एफसी के बाहर होने पर बेहद निराश हैं।

एआईएफएफ ने एक अन्य ट्वीट में कहा गया, यह पिछले 11 दिनों में भारतीय फुटबॉल महासंघ का सबसे बड़ा खराब दौर रहा और भारतीय फुटबॉल उन प्रतिभावान लड़कियों से क्षमाप्रार्थी है जिन्होंने इस आयोजन के लिये कड़ी मेहनत की थी।

एआईएफएफ ने कहा कि वह खिलाड़ियों, स्टाफ और क्लब प्रबंधन से मज़बूत रहने का अनुरोध करता है और उसे उम्मीद है कि क्लब एक बार फिर शानदार वापसी करेगा।

सात्विक-चिराग ने जीता ऐतिहासिक पदक

टोक्यो। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युवा पुरुष युगल जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में मलेशिया के ऐरोन चिया और सोह वूई यिक के हाथों 2-1 से हारने के बाद ऐतिहासिक कांस्य पदक हासिल किया। यह विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत का पहला पुरुष एकल पदक है। छठी सीड मलेशियाई जोड़ी ने सातवीं सीड भारतीय जोड़ी को 20-22, 21-18, 21-16 से हराया। सात्विक-चिराग ने मैच की अच्छी शुरुआत करते हुए पहला गेम 22-20 से जीता, लेकिन दूसरे गेम में उनके मलेशियाई प्रतिद्वंदियों ने अच्छी वापसी करते हुए मैच को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भारतीय युगल 8-6 से आगे चल रहे थे, मगर चिया-सोह ने लगातार तीन पॉइंट बनाते हुए 9-8 की बढ़त ली और फिर इसी में इज़ाफ़ा करते हुए फाइनल में जगह बनायी। अब तक सात्विक-चिराग और चिया-सोह छह बार आमने-सामने आ चुके हैं, जहां हर बार मलेशियाई जोड़ी ने जीत हासिल की है।

नीरज ने ओलंपिक म्यूज़ियम को भेंट की अपनी टोक्यो ओलंपिक जैवलिन

एजेंसी

लुसान। भारत के जैवलिन थ्रो एथलीट और टोक्यो ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने टोक्यो 2020 की अपनी जैवलिन शनिवार को ओलंपिक म्यूज़ियम को भेंट की।

भारत के प्रथम ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट निशानेबाज़ अभिनव बिंद्रा भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

नीरज ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय हैं। इससे पहले बिंद्रा ने बीजिंग 2008 में स्वर्ण जीतने वाली राइफल को ओलंपिक म्यूज़ियम को भेंट किया था, और अब नीरज की जैवलिन भी बिंद्रा की राइफल से जा मिली।

नीरज ने अपनी जैवलिन म्यूज़ियम के सुपुर्द करते हुए कहा, मैं इस अवसर के लिये शुक्रगुज़ार हूं।

ओलंपिक म्यूज़ियम की प्रतिष्ठित गैलरी एक ऐसी जगह है, जहां ओलंपिक इतिहास को प्रदर्शित किया जाता है, और यहां शामिल होना सौभाग्य का क्षण है। दूसरों को प्रेरित करना किसी भी एथलीट के लिये गौरव का क्षण होता है।

आईओसी एथलीट आयोग के सदस्य बिंद्रा ने कहा, इस पल को देखने और इसे नीरज के साथ साझा करने में सक्षम होना खुशी की बात है। टोक्यो में नीरज के कारनामों ने लाखों लोगों को प्रेरित किया और मुझे खुशी है कि उनकी जैवलिन अब ओलंपिक संग्रहालय में मेरी राइफल के साथ है, जो अब तक भारतीय साथियों के मामले में थोड़ी अकेली रही है।

ओलंपिक संग्रहालय को दान की गई वस्तुएं उनके समय का प्रतीक बन जाती हैं, क्योंकि वे आईओसी की विरासत प्रबंधन टीम द्वारा प्रबंधित 120 साल के समृद्ध संग्रह में शामिल हो जाती हैं।

इस संग्रहालय में 90,000 से अधिक कलाकृतियों का अधिग्रहण, संरक्षण, बहाली, अध्ययन और साझाकरण, 650,000 तस्वीरें, 45,000 घंटे के वीडियो और 1.5 किमी ऐतिहासिक अभिलेखागार शामिल हैं।

982 मौतें, सात लाख घर तबाह, लाखों बेघर... पाकिस्तान में बाढ़ से हाहाकार

नई दिल्ली। पाकिस्तान में इन दिनों बाढ़ के हाहाकार से भारी मात्रा में तबाही हुई है। भारत के पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के कई हिस्सों में बाढ़ के कारण लगभग 33 मिलियन लोग प्रभावित हुए हैं। जिसमें 1,456 घायल हुए हैं और 982 लोग मारे गए हैं। शहबाज शरीफ सरकार को बचाव और राहत कार्यों में मदद के लिए सेना की ओर रुख करना पड़ा है। बाढ़ ने घरों को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। पाकिस्तान की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि 3,000 किमी से अधिक सड़कें, लगभग 150 पुल और लगभग सात लाख घर बह चुके हैं। पाकिस्तान के कई इलाकों में 30 अगस्त तक भारी बारिश की चेतावनी है।

पाकिस्तान समाचार वेबसाइट डॉन ने शनिवार की सुबह जलजले की एक तस्वीर पेश करते हुए लिखा, ...

वर्तमान में, आधे से अधिक (देश) पानी के नीचे है और असामान्य मॉनसून बारिश से उत्पन्न अचानक बाढ़ के परिणामस्वरूप लाखों लोग बेघर हो गए हैं।

इस बाढ़ की वजह से 57 लाख से अधिक लोग बेघर हो चुके हैं। ट्रिब्यून ने खैबर-पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और सिंध प्रांतों में मौत और विनाश का जलजला देखने को मिला। यहां बारिश लगातार जारी है। टूटी सड़कों और पुलों के कारण कई हिस्से मुख्य मार्गों और शहरों से कट चुके हैं। इस विनाशकारी बाढ़ में फसलों और पशुओं का भी नुकसान शामिल है।

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित सिंध और बलूचिस्तान इलाका है। पाक के रेलवे ने इन क्षेत्रों में कई स्थानों पर परिचालन निलंबित कर दिया है। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस ने खराब मौसम के कारण शुक्रवार को बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा के लिए उड़ानें रोक दीं।

आपातकाल तक घोषित करना पड़ा

बाढ़ की विनाश लीला का अंदाजा इसी बात से पाकिस्तान सरकार इसे राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर चुकी है। यूएन सेंट्रल इमरजेंसी रिस्पांस फंड पहले ही पाक को 3 मिलियन डॉलर आवंटित कर चुका है। द ट्रिब्यून ने यह भी कहा कि भारी बारिश की चेतावनी मंगलवार 30 अगस्त तक जारी रहेगी। आने वाले सप्ताह में और बारिश की भविष्यवाणी की गई है।

डीपीआर ने अमेरिका के नागरिक की युद्ध में मौत की पुष्टि की

डोनेट्स्क। डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक (डीपीआर) मानवाधिकार लोकपाल डारिया मोरोज़ोवा ने शनिवार को यूक्रेन की ओर से लड़ाई लड़ रहे अमेरिका के एक नागरिक की मौत की पुष्टि की है। एक दिन पहले न्यूजवीक ने अमेरिका के विदेश विभाग के हवाले से बताया कि अमेरिका का यह स्वयंसेवी लडाका यूक्रेन पर रुस के विशेष सैन्य अभियान के दौरान मारा गया। श्री मोरोजोवा ने कहा कि अमेरिका के अधिकारियों को एलन जोशुआ की मौत के बारे में बता दिया गया है। उन्होंने कहा कि उसके कागजातों के अनुसार जोशुआ का जन्म 1998 में मेम्फिस में हुआ था। उन्होंने कहा कि इस घटना के बारे में अन्तरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों को भी सूचित कर दिया गया है।

'दुश्मन का दुश्मन दोस्त', चीन से दूरी के बीच भारत के लिए अमेरिकन नेवी अफसर माइक गिल्डे का बयान

वॉशिंगटन। एक पुरानी कहावत है कि 'दुश्मन का दुश्मन दोस्त'। चीन के साथ बिगड़ते संबंधों के बीच अमेरिका अब भारत को कुछ ऐसी ही भूमिका में देख रहा है। अमेरिका के अमेरिकी नौसेना के ऑपरेशनल हेड एडमिरल माइक गिल्डे के दिए एक बयान से कुछ ऐसा साबित हो रहा है। अमेरिकी नेवी के सबसे बड़े अधिकारी माइक गिल्डे ने कहा कि भविष्य में चीन को काउंटर करने में भारत अमेरिका के एक बड़ा सहयोगी साबित होगा। गिल्डे ने यह बयान वॉशिंगटन में आयोजित एक सेमिनार के दौरान दिया है। बता दें कि हाल ही में चीन और अमेरिका के संबंधों में तल्खी नए सिरे से उभरी है। पहले अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष्य नैंसी पेलोसी और फिर अमेरिकी सांसदों का एक दल ताइवान पहुंचा था। चीन ने इसे अपनी संप्रभुता पर सवाल माना था और अमेरिका को परिणाम भुगत लेने की चेतावनी दी थी।

भारत की जमकर तारीफ

अमेरिकी नेवी के सबसे बड़े अधिकारी माइक गिल्डे ने कहा कि चीन को रोकने के लिए जापान और भारत के रूप में दो अहम प्रतिरोध मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि अगर चीन की नीयत ताइवान को लेकर खराब होती है तो भारत और जापान उसे रोकने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

माइक गिल्डे ने भारत की तारीफ करते हुए कहा कि मैंने किसी अन्य देश की तुलना में भारत की ज्यादा यात्रा की है। इसकी वजह यही है कि हमारा मानना है कि भविष्य में वह हमारे लिए एक बड़ा रणनीतिक साझीदार होगा। पिछले साल अक्टूबर में भारत की पांच दिवसीय यात्रा की तरफ इशारा करते हुए गिल्डे ने कहा कि हिंद महासागर युद्धक्षेत्र हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि फैक्ट यह है कि भारत और चीन की सीमा पर हालात बहुत सामान्य नहीं हैं। यह रणनीतिक रूप से हमारे लिए काफी अहम हो सकता है।

यूक्रेन में 34.6 करोड़ डॉलर की गैस खरीद योजना

कीव। यूक्रेन ने करीब 34.60 करोड़ डॉलर की गैस खरीदने की योजना बनाई है। यूक्रेन की ऑनलाइन न्यूज आउटलेट ने सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। न्यूज आउटलेट ने रिपोर्ट में बताया कि यूक्रेन राज्य का बजट खर्च 12.7 अरब यूक्रेन रिव्निया (34.6 करोड़ डॉलर) की वृद्धि पर विधेयक को संसद की बजट समिति वरखोवना रादा ने पारित कर दिया था। धन की व्यवस्था बाहरी उधारी से होगी। योजना के तहत नफ्तोज इस पैसे से खरीदी गई गैस की बिक्री से प्राप्त धन को राज्य के बजट में स्थानांतरित करेगा।

पूर्वी इराक में आईएस के चार आतंकवादी मारे गए

बगदाद। इराक के पूर्वी प्रांत दियाला में शनिवार को इस्लामिक स्टेट (आईएस) के चार आतंकवादी मारे गए। यह जानकारी इराक के संयुक्त अभियान कमान के मीडिया दफ्तर ने दी। मीडिया कार्यालय ने बताया कि आईएस के आतंकवादी दियाला में हिमरीन झील से निगरानी कैमरों को नष्ट करने की कोशिश कर रहे थे। ये कैमरों को सुरक्षा बलों द्वारा हिमरीन पर्वतीय इलाके में अपने मार्गों पर आईएस आतंकवादियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए लगाए गए हैं। इसी दौरान, सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों का पता लगाया और इसके बाद मुठभेड़ हुई, जिसमें चार आतंकवादी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए।

छात्राओं को पढ़ाई के लिए काबुल छोड़ने की अनुमति नहीं

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान ने छात्राओं को पढ़ाई के लिए कजाकिस्तान और कतर जाने के लिए राजधानी काबुल को छोड़ने की अनुमति नहीं दी है। जानकार सूत्रों ने यह जानकारी स्पूतनिक को दी। सूत्र ने शुक्रवार को कहा कि छात्र और छात्राएं दोनों ही काबुल छोड़ने की योजना बना रहे थे लेकिन केवल छात्रों को पढ़ाई के लिए अफगानिस्तान से बाहर जाने की अनुमति दी गई। अफगानिस्तान में अमेरिकी जवानों के देश छोड़ने और अमेरिका समर्थित सरकार गिरने के बाद सितम्बर 2021 में तालिबान के नेतृत्व में अंतरिम सरकार सत्ता में आयी थी। तालिबान ने अफगान महिलाओं के घरों से बाहर काम करने पर प्रतिबंध लगा दिया और स्कूलों में लिंग आधारित अलगाव की शुरुआत की।

वैश्विक चुनौतियों का समाधान प्रदान करने में भारत अग्रणी भूमिका निभा रहा है : बिरला

बोस्टन। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि भारत अपने युवा पीढ़ी के प्रौद्योगिकी एवं नवान्वेषण में योगदान से न सिर्फ भारत के विकास में बल्कि वैश्विक चुनौतियों के समाधान में अग्रणी भूमिका अदा कर रहा है। बिरला अमेरिका में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वह आज बोस्टन पहुंचे जहां उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों से बातचीत की। इस अवसर पर श्री बिरला ने छात्रों के साथ भारत की विकास गाथा साझा की और भारत की विकास यात्रा में युवाओं की भूमिका के बारे में बात की। हाल के वर्षों में भारत में तेजी से आ रहे बदलावों का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि अब भारत वैश्विक चुनौतियों का समाधान प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा अपनी बुद्धिमत्ता और कड़ी मेहनत से प्रौद्योगिकी और नवान्वेषण के क्षेत्र में क्रान्ति ला रहे हैं और दुनिया भर में रोजगार अवसरों के सृजन के साथ ही आर्थिक विकास में योगदान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्र के भविष्य को निर्धारित करने में युवाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि भारतीय युवा अपनी कड़ी मेहनत, कौशल और क्षमताओं के बल पर देश की दशा-दिशा को बदलने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। इस संबंध में श्री बिरला ने अनुसंधान और नवान्वेषण पर जोर देने वाली और अधिक विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया जिससे युवाओं को उनके सपनों को साकार करने के लिए उत्कृष्ट माध्यम मिल सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादक: प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्राथमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया।

अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है।राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा। अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का मिलता है कि तुम ध्यान से सुन नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

ध्यान से सुनो हर बात

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

कैसे और कितना सुनो?

सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने वाला भी हो। वह किस विषय पर किस गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी है। सुनने वाले की रुचि की बात की जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। कई बार बोलने वाले की सुस्तता की वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि जीवन में भी काम आती है। सुनते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बोलने वाला क्या बोल रहा है और क्यों बोल रहा है। कक्षा में पढ़ाए गए विषय को दूसरे को सुनाना और दूसरे से उस विषय को सुनने से ज्यादा याद होता है।

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर कुदरत की अनुपम कारीगरी अथिरापल्ली और वाज्हचाल

दो स्तों, विश्व प्रसिद्ध नयाग्रा जल प्रपात का नाम तो तुमने सुना ही होगा। इसे देखने के लिए हर साल करोड़ों लोग वहां जाते हैं। सैकड़ों फुट ऊपर से गिरता पानी जब नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं, कुदरत की अनुपम कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन श्रंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य जीवन की आश्रय स्थली भी है, एक के बाद एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है अथिरापलली और वाज्हचाल। केरल के थ्रिस्सूर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर 30 किलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां से बांयी और दूसरी सड़क पर 33 किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल प्रपात पड़ेगा। यहां से 4 किलोमीटर और आगे जाएंगे तो वाज्हचाल नाम का दूसरा प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली। यहां एक सुंदर उद्यान है। सामने ही बांस के घने झुरमुटों के बीच से आगे बढ़ने पर अपने संपूर्ण वैभव के साथ प्रवाहित हो रही चालकुडी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढ़ियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गूंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। पिकनिक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्हचाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्हचाल 4 किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगे, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।

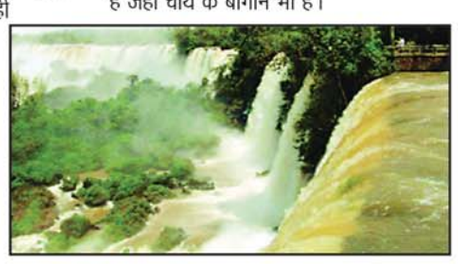

CMYK CMYK CMYK CMYK